हिंदी

कक्षा 1

सत्र 2021–22

DIKSHA एप कैसे डाउनलोड करें?

विकल्प 1 : अपने मोबाइल ब्राउज़र पर diksha.gov.in/app टाइप करें।

विकल्प 2 : Google Play Store में DIKSHA NCTE ढूंढ़े एवं डाउनलोड बटन पर tap करें।

मोबाइल पर QR कोड का उपयोग कर डिजिटल विषय वस्तु कैसे प्राप्त करें ?

DIKSHA App को लॉच करे → **App** की समस्त अनुमति को स्वीकार करें → उपयोगकर्ता **Profile** का चयन करें।

पाठ्यपुस्तक में QR Code को Scan करने के लिए मोबाइल में QR Code tap करें।

मोबाईल को QR Code पर केन्द्रित करें।

सफल Scan के पश्चात् QR Code से लिंक की गई सूची उपलब्ध होगी।

डेस्कटॉप पर QR Code का उपयोग कर डिजिटल विषय–वस्तु तक कैसे पहुँचे ?

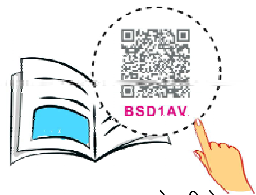

(1) QR Code के नीचे 6 अंक का Alpha Numeric Code दिया गया है।

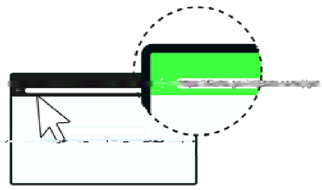

(2) ब्राउज़र में diksha. gov.in/cg टाईप करें।

(3) सर्च बार पर 6 डिजिट का QR CODE टाईप करें।

(4) प्राप्त विषय–वस्तु की सूची से चाही गई विषय–वस्तु पर क्लिक करें।

राज्य शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद् छत्तीसगढ़, रायपुर

नि:शुल्क वितरण हेतु

© राज्य शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद् छत्तीसगढ़, रायपुर

प्रकाशन वर्ष – 2021

मार्गदर्शक

संचालक

एस. सी. ई. आर. टी. छ. ग., रायपुर

सहयोग

प्रो. रमाकांत अग्निहोत्री (दिल्ली विश्वविद्यालय)

डॉ. हृदयकांत दीवान (विद्या भवन, उदयपुर)

श्री रोहित धनकर (दिगंतर, जयपुर)

कार्यक्रम समन्वयक

डॉ. विद्यावती चन्द्राकर

समन्वयक

डॉ. आर.के. वर्मा

संपादक

श्री राजेन्द्र पाण्डेय, स्व. डॉ. सी.एल. मिश्रा, डॉ. विद्यावती चन्द्राकर, श्रीमती विद्या डांगे

लेखन–समूह

श्री राजेन्द्र पाण्डेय, श्रीमती सुधा खरे, श्री अनूप नाथ योगी, श्री सच्चिदानंद शास्त्री, श्री दुर्गेश वैष्णव, श्री छलिया वैष्णव, श्री शोभा शंकर नागदा, श्री रमेश शर्मा, श्री दिनेश गौतम, श्री विनय शरण सिंह, डॉ. राजेश शर्मा, रीता श्रीवास्तव, द्रोण साहू, पुष्पा शुक्ला, राजपाल कौर, लक्ष्मी सोनी, श्रीदेवी, मनोज चंद्राकर, मनोज साहू, खोजन दास डिडौरी

अनुवादक

श्रीमती नम्रता सिंह, श्री विनय शरण सिंह, श्रीमती इंदिरा चंद्रवंशी, श्री लखन लाल सिरमौर, श्री रघुनाथ प्रसाद सिन्हा, श्री मोती भिमहे, श्री रवीन्द्र अग्रवाल, श्रीमती खेमिन साहू, संध्या मिश्रा

स्रोत केन्द्र – जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान खैरागढ़

जिला परियोजना कार्यालय, समग्र शिक्षा राजनांदगाँव

चित्रांकन

राजेन्द्र सिंह ठाकुर, रेखराज चौरागड़े, सुश्री अनीता वर्मा, मो. इकराम, श्री राजेश सेन

आवरण एवं ले आउट डिजाइनिंग

रेखराज चौरागड़े

प्रकाशक

छत्तीसगढ़ पाठ्यपुस्तक निगम, रायपुर (छ.ग.)

मुद्रक

आमुख

छत्तीसगढ़ राज्य के गठन के साथ ही यह आवश्यक हो गया था कि नवगठित राज्य के संदर्भ में शिक्षा के सरोकारों का पुनः निर्धारण किया जाए। आवश्यकता अनुसार पाठ्यचर्या, पाठ्यक्रम एवं पाठ्यपुस्तकों का नवीनीकरण किया जाए। प्रदेश की इसी आवश्यकता को ध्यान में रखकर सत्र 2003–04 में नई शिक्षा योजना के साथ नई पाठ्यपुस्तकों के सृजन का कार्य प्रारम्भ किया गया।

राष्ट्रीय शिक्षा आयोग और मानव अधिकार आयोग प्राथमिक कक्षाओं में अध्ययनरत विद्यार्थियों के बच्चों के बस्ते में बोझ से चिंतित है। छत्तीसगढ़ शासन स्कूल शिक्षा विभाग भी इस चिंता को दूर करने के लिए प्रयासरत था। अंततः इस वर्ष उसकी पहल पर पाठ्यपुस्तकों के निर्माण की एक नई प्रक्रिया प्रारंभ की गई है। शासन द्वारा लिए गए निर्णय के फलस्वरूप इस वर्ष कक्षा पहली और दूसरी के बच्चों के लिए हिन्दी, गणित और सामान्य अंग्रेजी की पृथक–पृथक पुस्तक होगी। इन पुस्तकों में वर्कबुक समावेशित है, अतः इन कक्षाओं के लिए पृथक से वर्कबुक बनाने की आवश्यकता अनुभव नहीं की गई।

पाठ्यपुस्तक के विकास में बच्चों की अभिरुचियों को ध्यान में रखकर सीखने की गतिविधियों का सृजन एवं रिमझिम–1 एन.सी.आर.टी. हिन्दी की पाठ्यपुस्तक के कुछ पाठों का चयन किया गया है। विद्यालयों की परिस्थितियों व सीखने के सिद्धांतों को ध्यान में रखते हुए समूह अधिगम एवं स्व अधिगम पर बल देने का प्रयास किया गया है। इसके साथ ही पर्यावरणीय संचेतना, लिंग संचेतना आदि पहलुओं को ध्यान में रखकर पाठ्यपुस्तक संयोजित की गई है। पाठों में दी गई पाठ्यसामग्री एवं अभ्यास कार्य, भाषा शिक्षण की नवीन अवधारणाओं एवं लर्निंग आउटकम्स पर आधारित हैं। हम आशा करते हैं कि शिक्षक इस पाठ्यपुस्तक का प्रभावी ढंग से उपयोग कर सकेंगे।

अध्ययन–अध्यापन की प्रक्रिया रोचक और संपूर्ण कैसे बने इस पर सतत् प्रयास हो रहे हैं। यह पुस्तक भी इसी दिशा में एक कदम है।

इस पुस्तक की रचना शिक्षण के प्रति वैकल्पिक दृष्टिकोण उत्पन्न करने के उद्देश्य को सामने रखकर की गई है। इस पुस्तक में, आसपास होने वाली सहज क्रियाओं में भी भाषा के गणित के रूप को देखा जाएगा। इन क्रियाओं को रोचक गतिविधियों के साथ स्वयं करते हुए जब बच्चे आगे बढ़ेंगे तो अवश्य ही उनका आत्मविश्वास बढ़ेगा।

इस पुस्तक में हर अवधारणा की शुरूआत संदर्भ से की गई है। बच्चे पहले से जितना जानते हैं उसका उपयोग उनके सीखने में हो, और वे अपने अनुभवों में कुछ नया जोड़ते चलें, फिर नई परिस्थितियों में उसका प्रयोग करें और धीरे–धीरे सीखते चलें, सीखने की इस प्रक्रिया को इस पुस्तक का आधार बनाया गया है। कक्षा 1 में यह अपेक्षा है कि कक्षा में बच्चे की भाषा का उपयोग हो, जिससे उसे अवधारणाओं को अपने भाषायी ढाँचे के साथ जोड़ने का अवसर मिले।

स्कूल शिक्षा विभाग एवं राज्य शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद्, छ.ग. द्वारा शिक्षकों एवं विद्यार्थियों में दक्षता संवर्धन हेतु अतिरिक्त पाठ्य संसाधन उपलब्ध कराने की दृष्टि से Energized Text Books एक अभिनव प्रयास है, जिसे ऑन लाईन एवं ऑफ लाईन (डाउनलोड करने के उपरांत) उपयोग किया जा सकता है। ETBs का प्रमुख उद्देश्य पाठ्यवस्तु के अतिरिक्त ऑडियो–वीडियो, एनीमेशन फॉरमेट में अधिगम सामग्री, संबंधित अभ्यास, प्रश्न एवं शिक्षकों के लिए संदर्भ सामग्री प्रदान करना है।

इस पुस्तक को तैयार करते समय शिक्षकों, शिक्षक–प्रशिक्षकों तथा शिक्षा क्षेत्र से सक्रिय रूप से जुड़े अनेक विद्वानों का सहयोग एवं मार्गदर्शन प्राप्त हुआ है। फिर भी सुधार करने और नया जोड़ने की संभावनाएँ तो हमेशा ही रहेंगी। इसलिए यह पुस्तक जिनके भी हाथ में है उनसे अनुरोध है कि इसे बच्चों के लिए और बेहतर बनाने के लिए अपने महत्त्वपूर्ण सुझाव परिषद् को अवश्य भेजें।

संचालक
राज्य शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद्
छत्तीसगढ़, रायपुर

शिक्षकों व पालकों के लिए सुझाव

कक्षा पहली की पाठ्यपुस्तक के शुरू में बाल–गीत दिए गए हैं। इनका उपयोग कक्षा में हाव–भाव के साथ गाने के लिए किया जाना है और पढ़ने की शुरूआत के लिए भी। बच्चे बालगीत व बाद में कविताओं को भी कक्षा में सुनाएँ व गाएँ। यह अच्छा होगा कि यदि इस तरह के अन्य गीत भी कक्षा में गाए जाएँ व उनमें बार–बार आनेवाले कुछ वाक्यों को बोर्ड पर लिखा जाए। चित्रों पर बच्चे आपस में चर्चा करें व बताएँ कि उनमें क्या देख पा रहे हैं।

इन गीतों व पुस्तक के अन्य पाठों की सामग्री का उपयोग बच्चों के लिए पढ़ना सीखने के अभ्यास के रूप में करें। बच्चे बताए गए शब्दों को पहचान कर उन्हें पट्टी पर लिखें, उन पर गोला लगाएँ या उन्हें रेखांकित करें। वे सुनाई गई अथवा बोर्ड पर लिखी पाठ की लाइन को पहचानें व उसे सुनाएँ। समूहों में भी वह पाठ में शब्दों को एक–दूसरे को पहचानने को कहें। इस तरह के कई अभ्यास बच्चे खुद करें।

इनके अलावा वर्ण पहचानने व उन पर गोला लगवाने के अभ्यास भी करवाएँ। पढ़ना सीखने के लिए पाठ्य सामग्री चाहे वह पुस्तक में हो अथवा श्याम पट्ट पर इंगित हिस्से यथा–वाक्य, शब्द अथवा वर्ण को पहचानने का अभ्यास बच्चे करें।

कक्षा एक में हिन्दी भाषा के मुख्य उद्देश्य हैं :

1. बच्चों में खुलकर विचार व्यक्त करने की हिम्मत व क्षमता विकसित करना। इसके लिए उन्हें कविता/गीत गाने व उसके साथ हाव–भाव करने के अलावा कहानी सुनने–सुनाने के मौके चाहिए। वे अपने बारे में, अपने अनुभव के बारे में कक्षा में अपने विचार व भावनाएँ व्यक्त करें। वे पाठ सामग्री के बारे में भी अपने विचार व्यक्त करें और यह भी व्यक्त करें कि उन्हें पाठ से क्या समझ में आया है। ऐसा वे बड़े समूह में भी करें व छोटे समूह में भी।
2. दूसरा प्रमुख बिन्दु है बात समझना, अपनी समझ को गहरा बनाना और विश्लेषण करके नए विचार पैदा करना। इसके लिए कई चीजें करवा सकते हैं। जिनमें से एक हिस्सा बिन्दु क्रमांक 1 में है। इसके अलावा सामग्री को अपने शब्दों में प्रस्तुत करना, अभिनय द्वारा समूह में प्रस्तुत करना जैसे अन्य कई तरीके हो सकते हैं। इसलिए भाषा की समझ को बेहतर करने के साथ–साथ स्कूल व कक्षा से भय हटाने के लिए बाल–गीतों व अन्य पाठों को भी बच्चों से कक्षा में हाव–भाव व अभिनय द्वारा प्रस्तुत करवाएँ।
3. तीसरा प्रमुख उद्देश्य है पढ़ना सीखना व उसका अभ्यास करना। इसके लिए कई तरह के अभ्यास जिनमें वाक्य, शब्द व वर्ण पहचानना तीनों शामिल हैं, करवाएँ। इसके भी कई तरीके हो सकते हैं। वर्ण मात्र पढ़वाने पर ज़ोर देने से पढ़ना सीखना आसान नहीं होता। बच्चों को अर्थपूर्ण सामग्री को पढ़ने के अधिक–से–अधिक मौके चाहिए। सीखते समय बच्चे कई ढंग इस्तेमाल करते हैं; गलतियाँ भी करते हैं; यही धीरे–धीरे उसे ध्वनि व लिपि में सम्बन्ध जोड़ कर पढ़ने में सक्षम बनाती हैं।

अब इनको किताब के संदर्भ में देखें :

(क) उदाहरण के लिए बालगीत 3 ''चूहो! म्याऊँ सो रही है'' को ले–

1. शिक्षक इस गीत हाव–भाव के साथ कई बार सुनाये फिर बच्चों को पृथक–पृथक एवं सामूहिक रूप से अभिनय के साथ गाने के लिए कहें।
2. बच्चों से यह पूछा जाए कि कविता में चूहे और बिल्ली के बारे में क्या–क्या बताया गया है।
3. चूहों और बिल्ली से संबंधित चर्चा कर उनके अनुभव पूछे।
4. कविता में दिए गए मूर्त शब्दों के कार्ड बना कर रखे जाएँ और बच्चे छोटे समूह में या अकेले–अकेले

एक – कार्ड उठाएँ और उस पर लिखे नाम को पहचान कर लिखने कहे।

5. इस बालगीत को श्याम–पट्ट पर लिखें और अँगुली रख–रख कर पढ़ें। फिर बच्चों से भी अँगुली रख–रखकर गाने को कहें।

6. श्यामपट्ट पर लिखी व किताब में से बच्चों को बोले गए वाक्य अथवा शब्द को पहचानने को कहें। यह स्पष्ट है कि यहाँ हम वर्णों की पहचान से पहले लिखे हुए पूरे शब्द के आकार को पहचानने (पढ़ने) की बात कर रहे हैं।

इसी प्रकार सभी बाल–गीतों के साथ करें। प्रत्येक को कई बार साथ गाने के बाद इसी तरह के अभ्यास करवाएँ।

(ख) पाठ 5 गमला शीर्षक से है।

1. इस पाठ की सामग्री में अंतिम ध्वनि एक–सी होने से इसे गाया जा सकता है। इस तरह की सामग्री लगभग सभी पाठों में है। इस पाठ व अन्य पाठों को आप दो–तीन बार अलग–अलग समय उपयोग करें। शुरू में इसे सिर्फ गाया जाए और इसमें दिए शब्दों व उसमें आए वर्णों पर विशेष जोर दिया जाए (जिनके चित्र बने हुए हैं। चित्र के पास संबंधित शब्द लिखा गया है। इन शब्दों का उच्चारण करते समय जो ध्वनियाँ निकलती हैं उन्हें अलग–अलग करके डिब्बों में लिखा गया है। ध्वनियों के माध्यम से वर्णों का परिचय कराएँ।)। इनमें से कुछ शब्द अन्य शब्दों के साथ मिलाकर श्यामपट्ट पर लिखें व बच्चों से किसी विशेष शब्द को पहचानने को कहें। इसी तरह किसी विशेष वर्ण, जैसे ग, म, न, र पर गोला लगवाएँ।

2. इसके बाद उन्हें इनमें से कुछ वर्ण पहचानने व लिखने का अभ्यास पाठ में दिए सुझावों के अनुसार करवाएँ। किताब में दिए गए अभ्यास उदाहरण स्वरूप हैं, यह पर्याप्त नहीं है। आप पट्टी पर, कॉपी में, धूल पर या और कहीं लिखने के अभ्यास करवाएँ। इसी तरह श्याम पट्ट पर शब्द लिख कर उनमें बताए गए वर्ण को ढूँढने का प्रयास करवाएँ।

3. चार–पाँच पाठ करवाने के बाद वापस बाल–गीतों पर आएँ। अब बच्चों से शब्द व वाक्य लिखवाने का अभ्यास करवाएँ। इसके अलावा अब इनमें आए शब्दों व वर्णों को पहचानने का अभ्यास करवाएँ। किताब के सभी शब्दों के कार्ड बना कर उनमें से निश्चित शब्द छाँटने को दें। फिर उनसे निश्चित वर्ण यथा ग, म, न, र, आदि वाले कार्डों को भी छँटवाएँ।

4. दूसरे चक्र में इन वर्णों से नए शब्द सोचने का अभ्यास बच्चों को करवाएँ। इसके लिए बच्चों को समूह में बाँटकर हर समूह को बारी–बारी से चुने गए वर्ण वाले शब्द को बोलना है। जोश दिलाने के लिए इस पर अंक रख कर खेल भी बना सकते हैं। बच्चों को प्रोत्साहित करने का प्रयास करें जिससे सभी को मौका मिले न कि कुछेक बच्चे ही समूह की ओर से बार–बार बताते रहें।

5. इस समय बच्चों से वाक्य, शब्द, वर्ण लिखने व पहचानने का अभ्यास करवाना होगा।

6. कुल मिलाकर बात यह है कि पाठ्य सामग्री का उपयोग बच्चों को सक्षम बनाने के लिए करें। पाठ्यसामग्री समझाने, प्रश्नों के उत्तर याद करवाने से भाषा में क्षमता नहीं बढ़ती। इसलिए आप पाठों का उपयोग 2–3 या अधिक बार कई तरह के अभ्यास करवाने के लिए करें।

संचालक
राज्य शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद्
छत्तीसगढ़, रायपुर

विषय–सूची

अध्याय	पाठ का नाम	पृष्ठ क्र.
	चित्रों पर चर्चा	02–11
1.	आमा के टोकरी	12–13
2.	चार चना	14–17
3.	मुसवा हो! मॉंऊ सोवत हे	18–25
4.	पगड़ी	26–31
5.	गमला	32–47
6.	अनार	48–61
7.	राजा आ	62–69
8.	अमली–कुसियार	70–81
9.	तितली	82–91
10.	घुघवा आईस	92–99
11.	लालू अउ पीलू	100–117
12.	बेंदरा आईस	118–131
13.	मेला	132–143
14.	ओढ़नी	144–149
15.	खेलौना वाले	150–159
16.	झंडा	160–171
17.	बेंदरा अउ चिटरा	171–181
18.	हलीम चलिस चंदा मा	182–191
19.	दऊड़	192–199
20.	एमन ला घलो जानव	200–217

टीप – प्रस्तुत पुस्तक प्रायोगिक संस्करण है। बच्चे को प्रथम भाषा हिन्दी सिखाने में उसकी मातृभाषा से सहायता लेने हेतु यह संस्करण एक सार्थक प्रयास है। सुधार की संभावनाएँ अवश्य होंगी अतः आप पालकों, बालकों, शिक्षिकों व समुदाय के अभिमत/सुझावों का सदैव स्वागत है। कृपया अपने विचारों से हमें अवश्य अवगत कराइए।

Email: *textbookscert@gmail.com*

विषय–सूची

अध्याय	पाठ का नाम	पृष्ठ क्र.
	• चित्र पर चर्चा	02–11
1.	आम की टोकरी	12–13
2.	चार चने	14–17
3.	चूहो! म्याऊँ सो रही है	18–25
4.	पगड़ी	26–31
5.	गमला	32–47
6.	अनार	48–61
7.	राजा आ	62–69
8.	इमली–ईख	70–81
9.	तितली	82–91
10.	उल्लू आया	92–99
11.	लालू और पीलू	100–117
12.	बंदर आया	118–131
13.	मेला	132–143
14.	ओढ़नी	144–149
15.	खिलौनेवाला	150–159
16.	झंडा	160–171
17.	बंदर और गिलहरी	171–181
18.	हलीम चला चाँद पर	182–191
19.	दौड़	192–199
20.	इनको भी जानो	200–217
	सड़क	218

28DI6V

टीप–*प्रस्तुत पुस्तक प्रायोगिक संस्करण है। बच्चे को प्रथम भाषा हिन्दी सिखाने में उसकी मातृभाषा से सहायता लेने हेतु यह संस्करण एक सार्थक प्रयास है। सुधार की संभावनाएं अवश्य होंगी अतः आप पालकों, बालकों, शिक्षिकों व समुदाय के अभिमत/सुझावों का सदैव स्वागत है। कृपया अपने विचारों से हमें अवश्य अवगत कराईए।*

Email: ***textbookscert@gmail.com***

सीखने के प्रतिफल

सीखने–सिखाने की प्रक्रिया

शिक्षार्थियों (भिन्न रूप से सक्षम बच्चों सहित) को व्यक्तिगत, सामूहिक रूप से कार्य करने के अवसर और प्रोत्साहन दिया जाए ताकि उन्हें–

- अपनी भाषा में अपनी बात कहने, बातचीत करने की भरपूर आज़ादी और अवसर हो। अपनी बात कहने (भाषिक और सांकेतिक माध्यम से) के लिए अवसर एवं प्रोत्साहन हों।
- बच्चों द्वारा अपनी भाषा में कही गई बातों को हिंदी भाषा और अन्य भाषाओं (जो भाषाएँ कक्षा में मौजूद हैं या जिन भाषाओं के बच्चे कक्षा में हैं) में दोहराने के अवसर उपलब्ध हों। इससे भाषाओं को कक्षा में समुचित स्थान मिल सकेगा और उनका शब्द–भंडार, अभिव्यक्तियों का भी विकास करने के अवसर मिल सकेंगे।
- कहानी, कविता आदि को बोलकर सुनाने के अवसर हों और उस पर बातचीत करने के अवसर हों।
- हिंदी में सुनी गई बात, कविता, खेल–गीत, कहानी आदि को अपने तरीके और अपनी भाषा में कहने–सुनाने के अवसर उपलब्ध हों।
- प्रश्न पूछने एवं अपनी बात जोड़ने के अवसर उपलब्ध हों।
- कक्षा अथवा विद्यालय (पढ़ने का कोना/पुस्तकालय) में स्तरानुसार विभिन्न प्रकार की एवं विभिन्न भाषाओं (बच्चों की अपनी भाषा/एं,

सीखने की संप्राप्ति **(Learning Outcomes)**

बच्चे –

LH101. विविध उद्देश्यों के लिए अपनी भाषा अथवा/और स्कूल की भाषा का इस्तेमाल करते हुए बातचीत करते हैं; जैसे– कविता, कहानी, सुनाना, जानकारी के लिए प्रश्न पूछना, निजी अनुभवों को साझा करना।

LH102. सुनी सामग्री (कहानी, कविता आदि) के बारे में बातचीत करते हैं, अपनी राय देते हैं, प्रश्न पूछते हैं।

LH103. भाषा में निहित ध्वनियों और शब्दों के साथ खेलने का आनन्द लेते हैं; जैसे – इन्ना, बिन्ना, तिन्ना।

LH104. प्रिंट (लिखा या छपा हुआ) और गैर–प्रिंट सामग्री (जैसे, चित्र या अन्य ग्राफिक्स) में अन्तर करते हैं।

LH105. चित्र के सूक्ष्म और प्रत्यक्ष पहलुओं पर बारीक अवलोकन करते हैं।

LH106. चित्र में या क्रमवार सजाए चित्रों में घट रही अलग–अलग घटनाओं, गतिविधियों और पात्रों को एक संदर्भ या कहानी के सूत्र में देखकर समझते हैं और सराहना करते हैं।

LH107. पढ़ी कहानी, कविताओं आदि में लिपि चिह्नों/शब्दों/वाक्यों आदि को देखकर और उनकी ध्वनियों को सुनकर, समझकर उनकी पहचान करते हैं।

LH108. संदर्भ की मदद से आस–पास मौजूद प्रिंट के अर्थ और उद्देश्य का अनुमान लगाते हैं, जैसे –टॉफ़ी के कवर पर लिखे नाम को 'टॉफी', 'लॉलीपॉप' या 'चॉकलेट' बताना।

हिंदी आदि) में रोचक सामग्री; जैसे – बाल साहित्य, बाल पत्रिकाएँ, पोस्टर, ऑडियो–विडियो सामग्री उपलब्ध हों। सामग्री ब्रेल में भी उपलब्ध हों, कमज़ोर दृष्टि वाले बच्चों को ध्यान में रखते हुए कुछ सामग्री बड़े अक्षरों में भी छपी हुई हों।

- तरह–तरह की कहानियों, कविताओं को चित्रों के आधार पर अनुमान लगाकर पढ़ने के अवसर उपलब्ध हों।
- विभिन्न उद्देश्यों को ध्यान में रखते हुए पढ़ने के विभिन्न आयामों को कक्षा में उचित स्थान देने के अवसर उपलब्ध हों, जैसे – किसी कहानी में किसी जानकारी को खोजना, कहानी में घटी विभिन्न घटनाओं के क्रम को तय करना, उसे अनुभव संसार से जोड़कर देख पाना आदि।
- सुनी, देखी, बातों को अपनी तरीके से कागज़ पर उतारने के अवसर हों।
- बच्चे अक्षरों की आकृति बनाना शुरू करते हैं भले ही उनके द्वारा बनाए गए अक्षरों में सुघड़ता न हो, इसे कक्षा में स्वीकार किया जाए।
- बच्चों द्वारा अपनी वर्तनी गढ़ने की प्रवृत्ति को भाषा सीखने की प्रक्रिया का हिस्सा समझा जाए।

LH109. प्रिंट (लिखा या छपा हुआ) में मौजूद अक्षर, शब्द और वाक्य की इकाइयों को पहचानते हैं, जैसे – 'मेरा नाम विमला है।' बताओ, यह कहाँ लिखा हुआ है?/ इसमें 'नाम' कहाँ लिखा हुआ है?/ 'नाम' में में 'म' पर अँगुली रखो।

LH110. परिचित/अपरिचित लिखित सामग्री (जैसे – मिड–डे मीड का चार्ट, अपना नाम, कक्षा का नाम, मनपसन्द किताब का शीर्षक आदि) में रूचि दिखाते हैं, बातचीत करते हैं और अर्थ का खोज में विविध प्रकार की युक्तियों का इस्तेमाल करते है जैसे केवल चित्रों या चित्रों और प्रिंट की मदद से अनुप्रास लगाना, अक्षर ध्वनि संबंध का इस्तेमाल करना, शब्दों को पहचानना, पूर्व अनुभवों और जानकारी का इस्तेमाल करते हुए अनुमाना लगाना।

LH111. हिंदी के वर्णमाला के अक्षरों की आकृति और ध्वनि को पहचानते हैं।

LH112. स्कूल के बाहर और स्कूल के भीतर (पुस्तक कोना/पुस्तकालय से) अपनी पंसद की किताबों को स्वयं चुनते हैं और पढ़ने की कोशिश करते हैं।

LH113. लिखना सीखने की प्रक्रिया के दौरान अपने विकासात्मक स्तर के अनुसार चित्रों, आड़ी–तिरछी रेखाओं (कीरम–काटे), अक्षर–आकृतियों, स्व–वर्तनी (इनवेंटिड स्पैलिंग) और स्व–नियत्रित लेखन (कनवैंशनल राइटिंग) के माध्यम से सुनी हुई और अपने मन की बातों को अपनी तरीके से लिखने का प्रयास करते हैं।

LH114. स्वयं बनाए गए चित्रों के नाम लिखते (लेबलिंग) हैं, जैसे–हाथ के बने पंखे का चित्र बनाकर उसके नीचे 'बीजना' (ब्रजभाषा, जो कि बच्चे की घर की भाषा हो सकती है।) लिखना।

विषय–सूची (Contents)

अध्याय	पाठ का नाम	सीखने के प्रतिफल
1.	आम की टोकरी	LH101, LH102, LH104, LH106
2.	चार चने	LH101, LH103, LH104, LH106
3.	चूहो! म्याऊँ सो रही है	LH101, LH102, LH103, LH104, LH110
4.	पगड़ी	LH101, LH102, LH103, LH104, LH105, LH110
5.	गमला	LH101, LH102, LH103, LH104, LH110, LH115
6.	अनार	LH101, LH102, LH103, LH104, LH105, LH107, LH108, LH109, LH110, LH111, LH113
7.	राजा आ	LH101, LH102, LH103, LH107, LH110, LH111
8.	इमली–ईख	LH101, LH102, LH103, LH104, LH107, LH110, LH111
9.	तितली	LH101, LH102, LH105, LH107, LH110, LH111, LH113
10.	उल्लू आया	LH101, LH102, LH103, LH104, LH106, LH107, LH110, LH111, LH113, LH114
11.	लालू और पीलू	LH101, LH102, LH106, LH107, LH110, LH111, LH112
12.	बंदर आया	LH101, LH102, LH103, LH104, LH105, LH106, LH107, LH109, LH110, LH112
13.	मेला	LH101, LH102, LH105, LH106, LH107, LH109, LH110, LH112
14.	ओढ़नी	LH101, LH102, LH107, LH108, LH110, LH111, LH112, LH113
15.	खिलौनेवाला	LH101, LH102, LH103, LH106, LH107, LH108, LH109, LH110, LH111, LH112, LH113
16.	झंडा	LH101, LH102, LH103, LH106, LH107, LH108, LH109, LH110, LH113
17.	बंदर और गिलहरी	LH101, LH102, LH104, LH105, LH106, LH107, LH109, LH110, LH112, LH113
18.	हलीम चला चाँद पर	LH101, LH102, LH104, LH105, LH106, LH107, LH110, LH112, LH113
19.	दौड़	LH101, LH102, LH106, LH110, LH112
20.	इनको भी जानो	LH105, LH106, LH108, LH109, LH110, LH111, LH113, LH114

उदाहराणार्थ रूब्रिक्स

Chapter अध्याय	Sub-Topics उप-विषय	Level -1 स्तर-1	Level -2 स्तर-2	Level -3 स्तर-3	Level -4 स्तर-4
After the lesson, students will be able to : **पाठ के बाद, विद्यार्थी कर सकेंगे :**		**Remember, Recall, List, Locate, Label, Recite** **याद करना, स्मरण करना, सूचीबद्ध करना, खोजना लेबल करना, वर्णन करना**	**Understand, explain, Illustrate, summaries, match** **समझना, व्याख्या करना, संक्षेप में लिखना, उदाहरण देना, मेल करना**	**apply, organize, use, solve, prove, draw** **प्रयोग करना, व्यवस्थित करना, उपयोग करना, हल करना, साबित करना, चित्रण करना**	**evaluate, hypothesis, analyses, compare, create, categories** **मूल्यांकन करना, परिकल्पना करना, विश्लेषण करना, तुलना करना, सृजन करना, वर्गीकरण करना**
1	2	3	4	5	6
आम की टोकरी	1. हावभाव एवं लयबद्ध से कविता वाचन करना 2. ध्वनि जागरूकता 3. मौखिक बातचीत करना 4. चित्र बनाकर रंग भरना 5. समान तुक वाले शब्द बताना	• कविता को याद करके हावभाव से सुनाता है। • कविता के वाक्य एवं शब्दों को छोटी इकाई में बाँटता है। • कविता के मुख्य शब्दों के चित्र बनाता है। • कविता के शब्दों के जैसे; समान तुक वाले शब्द बताता है।	• फलों के नाम बताता है। • फलों के स्वाद के बारे में बताता है। • आम से जुड़ी कोई अन्य कविता सुनाता है। • अन्य शब्दों या वाक्यों की छोटी इकाई बताता है। • किसी अन्य शब्दों के समान तुक वाले शब्द बताता है। • अपनी पसंद के किसी अन्य फल का चित्र बनाकर रंग भरता है।	• अभिनय करता है।	• चूसकर, काटकर खाए जाने वाले फलों के बारे में बताता है। • खट्टे व मीठे फलों में अंतर कर नाम बताता है। • फलों के उत्पादन व बिक्री के स्थानों व तरीकों के बारे में बातचीत करता है।

ये किताब मोर हे।

टीप :– कुछ पाठों में विभिन्न भाषाओं के भी उल्लेख हैं। शिक्षक अपने क्षेत्र विशेष की भाषा के लिए स्थानीय समुदाय का सहयोग लें।

यह पुस्तक मेरी है।

टीप :– कुछ पाठों में विभिन्न भाषाओं के भी उल्लेख हैं। शिक्षक अपने क्षेत्र विशेष की भाषा के लिए स्थानीय समुदाय का सहयोग लें।

FUN WITH
THE ALPHABET

इन चित्रों के बारे में बच्चों से चर्चा करें।

गतिविधि –1

नाव

मोर नाव ....हे।

मोर संगी/संगवारी के नाव ....हे।

शिक्षक निर्देश :– शिक्षक बच्चों के नाम चार्ट बनाकर कक्षा में लायें और बच्चों को उनके नाम के लिखित रूप से परिचय कराएँ तत्पश्चात बच्चों को चार्ट में से अपना नाम ढूँढ़कर अपनी किताब में लिखने को कहें।

गतिविधि – 2

ओ जिनिस मन के फोटू बनावव जे तुँहर कक्षा/तिर–तखार मा हावय, जइसे –

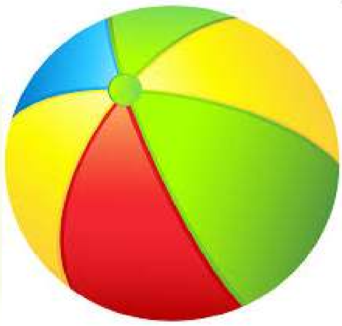

गतिविधि – 1

नाम

मेरा नाम ....है।

मेरा दोस्त/सहेली का नाम ....है।

शिक्षक निर्देश :– शिक्षक बच्चों के नाम चार्ट बनाकर कक्षा में लायें और बच्चों को उनके नाम के लिखित रूप से परिचय कराएँ तत्पश्चात बच्चों को चार्ट में से अपना नाम ढूँढ़कर अपनी किताब में लिखने को कहें।

गतिविधि – 2

उन चीजों के चित्र बनाओ जो तुम्हारी कक्षा/आसपास में हैं, जैसे–

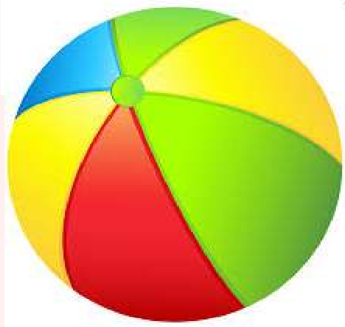

फोटू बनावव

निर्देश :– बच्चे अपनी मनपसंद आकृति यहाँ बनाएँ।

चित्र बनाओ

निर्देश :– बच्चे अपनी मनपसंद आकृति यहाँ बनाएँ।

चऊँक पूरव

निर्देश :– बच्चे बिन्दु डालकर मनपसंद रंगोली बनाकर रंग भरें।

रंगोली बनाओ

निर्देश :– बच्चे बिन्दु डालकर मनपसंद रंगोली बनाकर रंग भरें।

पाठ–1

आमा के टोकरी

छै बछर के छोकरी
भरके लाइस टोकरी।
टोकरी में आम हें
नइ बतावत दाम हे।
देखा–देखा के टोकरी
हमला बलाथे छोकरी।
हमला देथे आम
नइ बतावय नाम।
अब नाव नइ पूछन
चल आम ला चुहकन।

1. बच्चों से बातचीत करें – क्या तुम किसी ऐसे बच्चे को जानते हो जो बाजार में कोई सामान बेचता है? पता लगाओ कि वह स्कूल जाता है या नहीं। यदि वह बच्ची/बच्चा स्कूल नहीं जाती/जाता है तो स्कूल में उसका नाम लिखवाने में तुम कैसे मदद करोगे।
2. चित्र में लड़की आम बेचने का अभिनय कर रही है। बच्चों से अलग–अलग चीजों जैसे – आम, नीबू, केला, गन्ना, मूँगफली,सेब और दवा की गोली खाने का अभिनय करवाएँ।
3. अभिनय के लिए कुछ और गतिविधियाँ सोचें तथा कक्षा में करवाएँ।

पाठ–1

28ME8I

आम की टोकरी

छह साल की छोकरी,
भरकर लाई टोकरी।
टोकरी में आम हैं,
नहीं बताती दाम है।

दिखा–दिखाकर टोकरी,
हमें बुलाती छोकरी।
हमको देती आम है,
नहीं बताती नाम है।
नाम नहीं अब पूछना,
हमें आम है चूसना।

1. बच्चों से बातचीत करें – क्या तुम किसी ऐसे बच्चे को जानते हो जो बाजार में कोई सामान बेचता है? पता लगाओ कि वह स्कूल जाता है या नहीं। यदि वह बच्ची/बच्चा स्कूल नहीं जाती/जाता है तो स्कूल में उसका नाम लिखवाने में तुम कैसे मदद करोगे।
2. चित्र में लड़की आम बेचने का अभिनय कर रही है। बच्चों से अलग–अलग चीजों जैसे – आम, नीबू, केला, गन्ना, मूँगफली,सेब और दवा की गोली खाने का अभिनय करवाएँ।
3. अभिनय के लिए कुछ और गतिविधियाँ सोचें तथा कक्षा में करवाएँ।

28WAA6

पाठ–2

चार चना

पईसा तिर मा होतिस त चार चना लातेन,
चार मा के एक चना सुवा ला खवातेन।
सुवा ला खवातेन त टाँय–टाँय गातिस,
टाँय–टाँय गातिस त बड़ मंजा आतिस।

पईसा तिर मा होतिस त चार चना लातेन,
चार मा के एक चना घोड़ा ला खवातेन।
घोड़ा ला खवातेन त पीठ मा बइठातिस,
पीठ मा बइठातिस त बड़ मंजा आतिस।

पईसा तिर मा होतिस त चार चना लातेन,
चार मा के एक चना मुसवा ला खवातेन।
मुसवा ला खवातेन त दाँत टूट जातिस,
दाँत टूट जातिस त बड़ मंजा आतिस।

2966BT

पाठ–2

चार चने

पैसा पास होता तो चार चने लाते,
चार में से एक चना तोते को खिलाते।
तोते को खिलाते तो टाँय–टाँय गाता,
टाँय–टाँय गाता तो बड़ा मजा आता।

पैसा पास होता तो चार चने लाते,
चार में से एक चना घोड़े को खिलाते।
घोड़े को खिलाते तो पीठ पर बिठाता,
पीठ पर बिठाता तो बड़ा मजा आता।

पैसा पास होता तो चार चने लाते,
चार में से एक चना चूहे को खिलाते।
चूहे को खिलाते तो दाँत टूट जाता,
दाँत टूट जाता तो बड़ा मजा आता।

चार चना होतिस त

चार चना देके इंखर मन ले का–का करवाय जा सकत हे?

फूल वाले – ....

मिठई वाले – ....

बड़े बहिनी – ....

संगवारी – ....

कोन खईस ?

चार चना मा के

एक चना ....ला खवाईस।

दूसर चना ....।

तीसर चना ....।

एक ठन चना बाँचगे, ओला कोन ला खवाहू ?

....

....

चार चने होते तो

चार चने देकर इनसे क्या–क्या करवाया जा सकता है?

माली – ....

हलवाई – ....

दीदी – ....

दोस्त – ....

29F2DG

किसने खाया ?

चार चने में से

एक चना ....को खिलाया।

दूसरा चना ....।

तीसरा चना ....।

एक चना बच गया, उसे किसे खिलाओगे ?

....

....

पाठ–3

मुसवा हो! माँऊ सोवत हे

घर के पाछू , छानी तरी,
गोड़ लमाये, पूँछी फइलाये।
देखव कोनो मोसी सोये,
नाको ले अउ साँसो ले।
घर घर घर घर होवत हे,
मुसवा हो ! माँऊ सोवत हे।
बिलई सूते हे रंधनी हे खुल्ला,
भरे हे गंजी चना हे झोरहा।

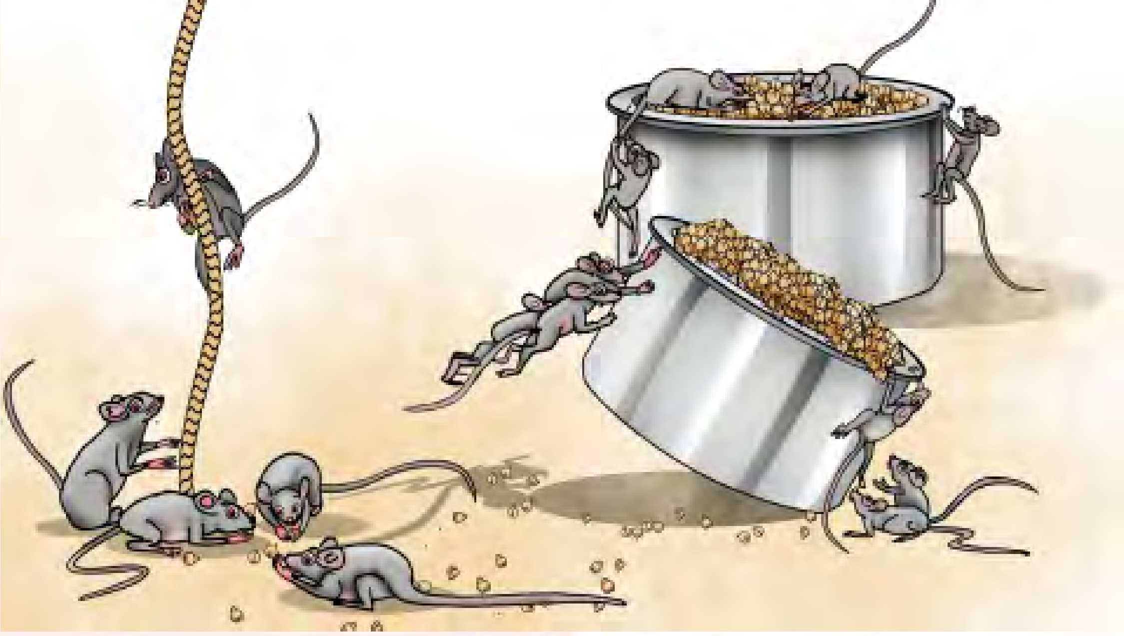

29NXF4

पाठ–3

चूहो! म्याऊँ सो रही है

घर के पीछे, छत के नीचे,
पाँव पसारे, पूँछ सँवारे।

देखो कोई, मौसी सोई,
नासों में से, साँसों में से।

घर घर घर घर हो रही है,
चूहो ! म्याऊँ सो रही है।

बिल्ली सोई, खुली रसोई,
भरे पतीले, चने रसीले।

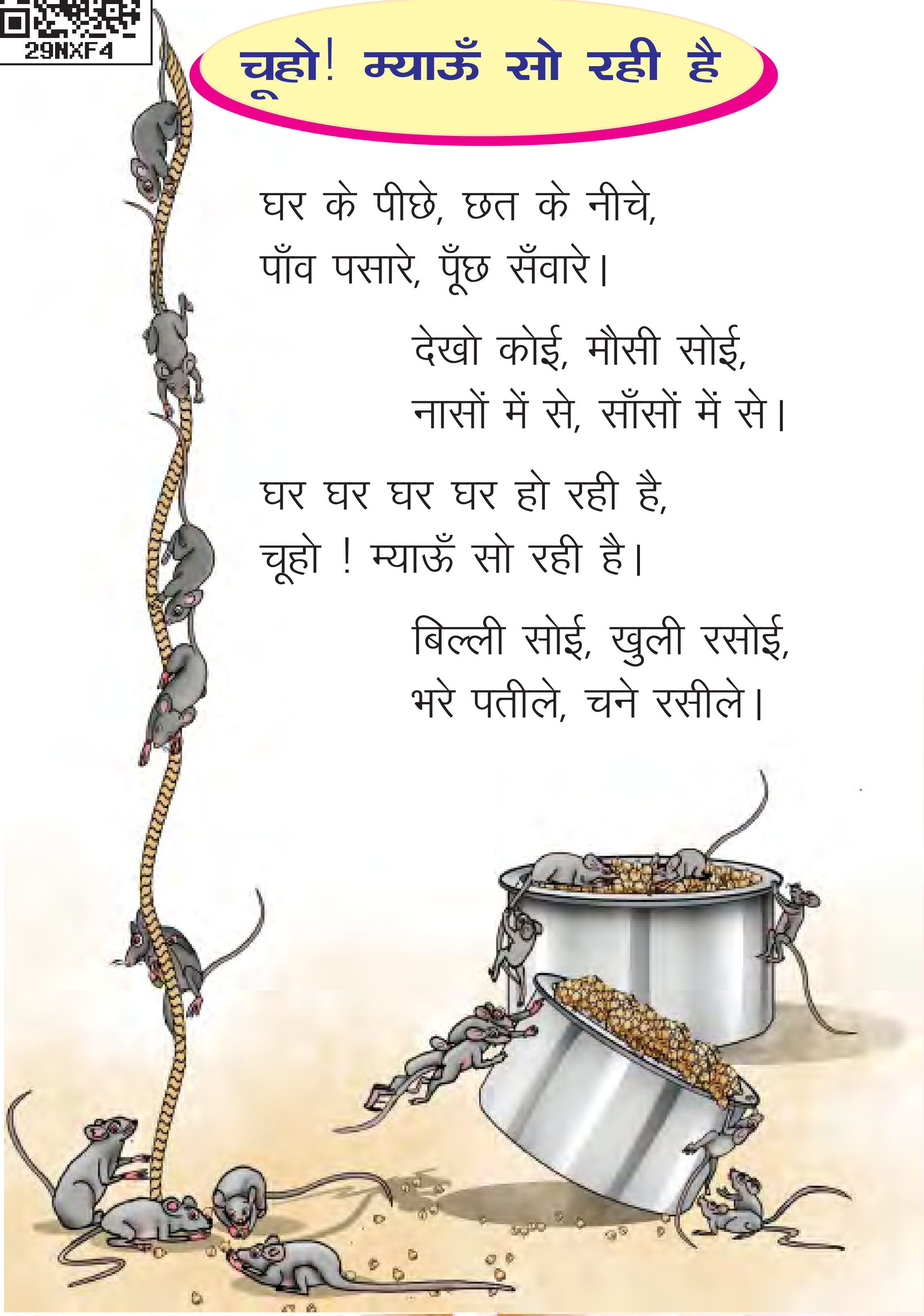

उलट दे मटका, देके झटका
जऊन पावव, चट कर जावव।

आज हमर बर दूध दही हे,
मुसवा हो ! माँऊ सोवत हे।।

मेंछा अँइठो, पूँछी सकेलो,
खाल्हे उतरो, जिनिस ला कुतरो।

आज हमर हे, राज हमर हे,
करव बरबादी जेन मनचाही।

आज मचे हे, मुसवा राज,
डर नइये मुसवा ला आज,
मुसवा हो ! माँऊ सोवत हे।

उलटो मटका, देकर झटका,
जो कुछ पाओ, चट कर जाओ।

आज हमारा दूध दही है,
चूहो ! म्याऊँ सो रही है।

मूँछ मरोड़ो, पूँछ सिकोड़ो,
नीचे उतरो, चीजें कुतरो।

आज हमारा, राज हमारा,
करो तबाही, जो मनचाही।

आज मची है, चूहा शाही,
डर कुछ भी चूहों को नहीं है,
चूहो! म्याऊँ सो रही है।

गतिविधि

1. पढ़व –

घर के पाछू
छानी तरी

गोड़ लमाये
पूँछी फइलाये

भरे गंजी
चना हे झोरहा

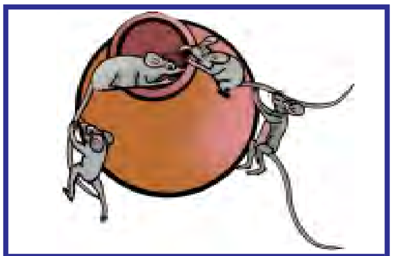
उलट दे मटका
देके झटका

मेंछा अँइठो
पूँछी सकेलो

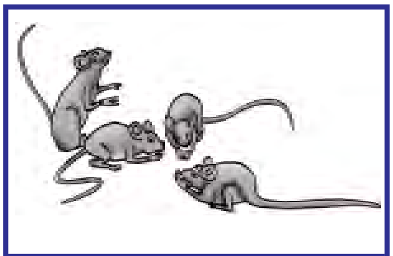
खाल्हे उतरो
जिनिस ला कुतरो

2. चलव मुसवा बनावव

चलव मुसवा बनाबो
तीन लिखव

1

मेंछा कान बनावव

2

आँखी अउ गोड़ बनावव

3

पूँछी बनावव

4

5

गतिविधि

1. पढ़ो –

घर के पीछे,
छत के नीचे

पाँव पसारे,
पूँछ सँवारे

भरे पतीले,
चने रसीले

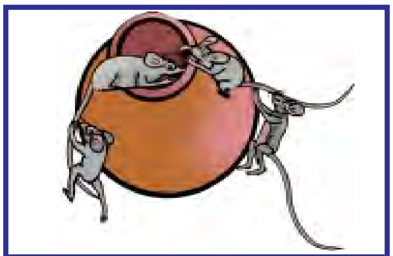

उलटा मटका,
देकर झटका

मूँछ मरोड़ो,
पूँछ सिकोड़ो

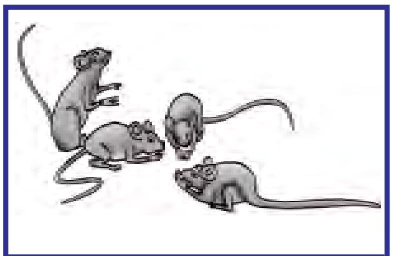

नीचे उतरो,
चीजें कुतरा

2. चलो, चूहा बनाओ

चलो, चूहा बनाएँ
तीन लिखो

1

मूँछ कान बनाओं

2

आँखें और पैर बनाओ

3

पूँछ बनाओ

4

5

3. तुक मिलावव, आघू बढ़ावव –

इस चित्र पर बच्चों से चर्चा करें।

3. तुक मिलाओ, आगे बढ़ाओ

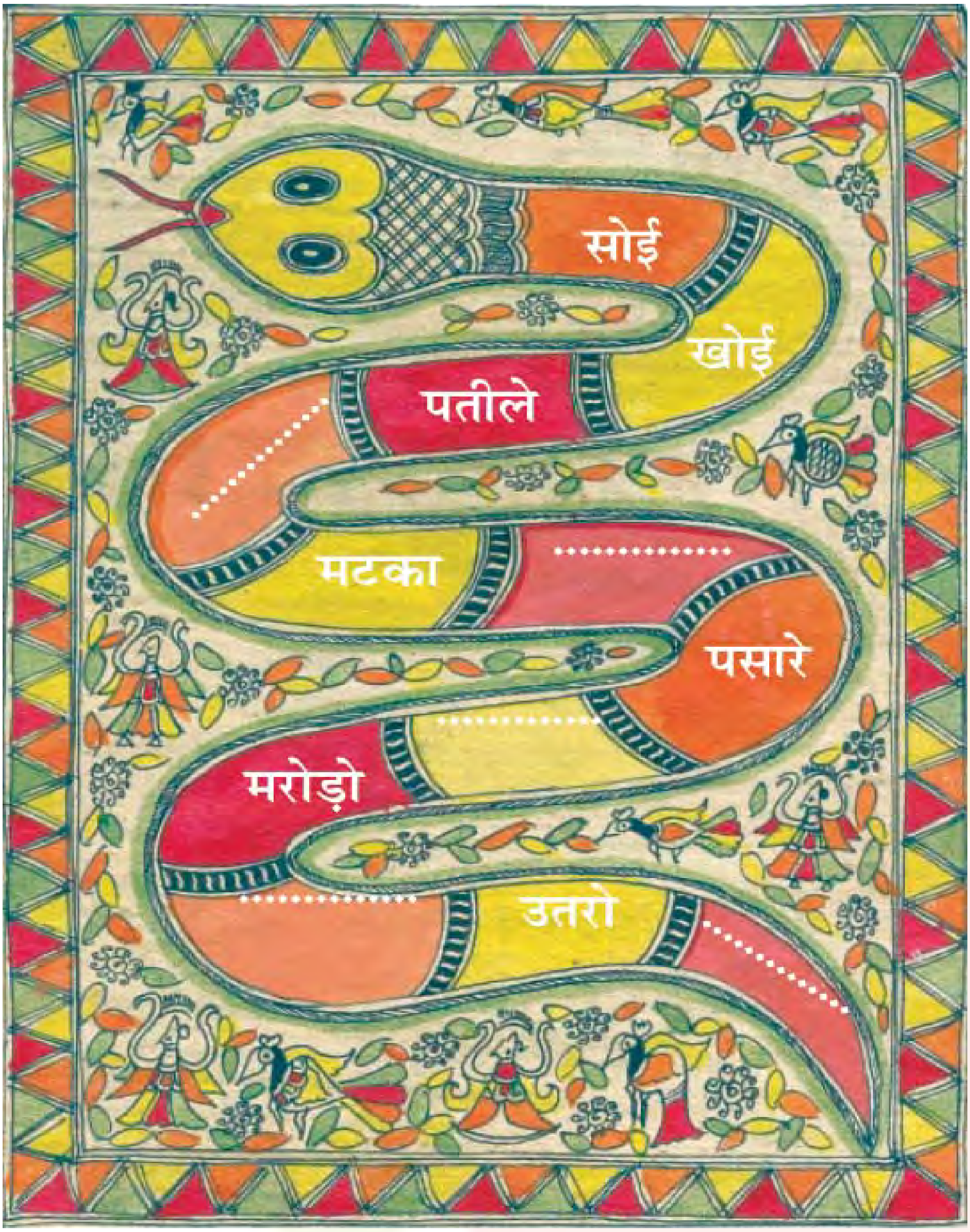

इस चित्र पर बच्चों से चर्चा करें।

पाठ–4

पगड़ी

मइलाहा पगड़ी,
अतेक रगड़िस,
अतेक रगड़िस,
अतेक रगड़िस,
रहिगे मइल,
चिरागे पगड़ी।

ऊँच–पूर,
मोटी–तगड़ी,
मलकिन झगरिस,
अतेक झगरिस,
अतेक झगरिस,
अतेक झगरिस,
तरगे मइल,
अउ तरगे पगड़ी।

पाठ–4

पगड़ी

मैली पगड़ी,
इतनी रगड़ी,
इतनी रगड़ी,
इतनी रगड़ी,
इतनी रगड़ी,
रह गया मैल,
फट गई पगड़ी।

हट्टी–कट्टी,
मोटी–तगड़ी,
मलकिन झगड़ी,
इतनी झगड़ी,
इतनी झगड़ी,
इतनी झगड़ी,
इतनी झगड़ी,
तर गया मैल,
और तर गई पगड़ी।

सफई – मालकिन हा मइलाहा पगड़ी ला अब्बड़ रगरिस। तुमन हा ये जिनिस मन ला का मे सफई करहू ?

1. कागद ....
2. बरतन ....
3. पाना ....
4. पनही ....
5. दाँत ....

पगड़ी ला अब्बड़ रगरिस त पगड़ी चिरागे। बतावव एमन ला अब्बड़ रगरहू त का होही?

1. कागद ....
2. बरतन ....
3. पनही ....
4. स्वेटर ....
5. फर्रस .... चमक जाही ....

सफाई– मालकिन ने मैली पगड़ी खूब रगड़ी। तुम इन चीजों को किससे साफ करोगे ?

1. कागज ....
2. बर्तन ....
3. पत्ते ....
4. जूते ....
5. दाँत ....

2AGKK2

पगड़ी को खूब रगड़ा तो पगड़ी फट गई। बताओ, इनको खूब रगड़ोगे तो क्या होगा ?

1. कागज ....
2. बर्तन ....
3. जूते ....
4. स्वेटर ....
5. फर्श .... चमक जाएगा ....

इस चित्र के बारे में बच्चों से बातचीत करें– यह स्कूल में किस समय का दृश्य है? बच्चे क्या कर रहे हैं? बच्चे कौन–कौन से खेल, खेल रहे हैं? चित्र में कितने बच्चे हैं और कितने बड़े हैं? आपस में कौन क्या बात कर रहा होगा? बच्चों से चित्र में सबके लिए नाम सोचने को कहें।

सर्व शिक्षा अभियान
शासकीय प्राथमिक पाठशाला

पाठ–5

गमला

फूल वाले गमला लावव,
अपन घर अँगना ममहावव।
नल ले पानी ले के आवव,
बिरवा मन के पियास बुझावव।
मछरी देखव, आवव–आवव,
रस्सी कूदव, नाचव, गावव।

2AQGLP

पाठ–5

गमला

गमला फूलोंवाला लाओ,
अपना घर–आँगन महकाओ।

नल से पानी लेकर आओ,
पौधों की तुम प्यास बुझाओ।

मछली देखो, आओ–आओ,
रस्सी कूदो, नाचो, गाओ।

गतिविधि

1. लइका मन ले गोठ–बात करव –

गमला कइसन कइसन

माटी के गमला

सिरमिट के गमला

पलास्टिक के गमला

टायर के गमला

अउ कइसन–कइसन गमला तुमन देखे हव, फोटू बनावव –

गतिविधि

1. बच्चो से बातचीत करें –

गमले कैसे कैसे –

मिट्टी का गमला

सीमेंट का गमला

प्लास्टिक का गमला

टायर का गमला

और कैसे–कैसे गमले तुमने देखे हैं, चित्र बनाओ –

2. पढ़व –

गमला, मछरी, नल, रस्सी

x

गमला

x | e | yk

e

मछरी

e | N | jh

u

नल

u | y

j

रस्सी

j | L | lh

3. लकीर खींच के सब्द मन ला फोटू ले मिलावव –

गमला नल

रस्सी मछरी

नल गमला

मछरी रस्सी

2. पढ़ो –

गमला, मछली, नल, रस्सी

x

गमला

x	e	yk

e

मछली

e	N	yh

u

नल

u	y

j

रस्सी

j	L	lh

3. रेखा खींचकर– शब्दों को चित्रों से मिलाओ –

गमला नल

रस्सी मछली

नल गमला

मछली रस्सी

4. चिन्हारी करव अउ गोला लगावव –

ग	ग ज	ज ग	म ग र	ग ग न	अ ल ग
म	म ग	ह म	म ग न	च म न	क ल म
न	न र	म न	अ म न	न म न	व ज न
र	र स	घ र	र ब र	श ह र	ग र म

5. खाली जघा मा 'न' लिखके सब्द मन ला पढ़व –

.......हर

.......रियर

.......ल

4. पहचानो और गोल घेरा लगाओ –

ग	ग ज	ज ग	म ग र	ग ग न	अ ल ग
म	म ग	ह म	म ग न	च म न	क ल म
न	न र	म न	अ म न	न म न	व ज न
र	र स	घ र	र ब र	श ह र	ग र म

5. खाली जगह पर 'न' लिखकर शब्दों को पढ़ो –

.......हर

.......ारियल

.......ल

.......ाक

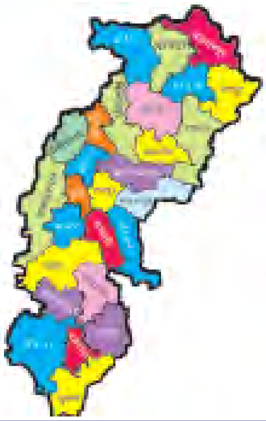

.......कसा

.......ख

.......ाक

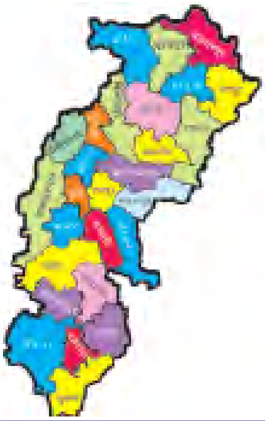

.......क्शा

.......ाखून

6. मटका मा का–का ?

फोटू मन के बीच मा एक मटका बने हे। तुमन ये मटका मा का–का राख सकत हव। चिन्हा लगावव।

बटरा

मेकरा

माछी

जोंधरा

टेबुल

मटका

मोजा

मग्गा

कार

मंजूर

मेचका

मछरी

मंगर

6. मटके में क्या–क्या ?

चित्रों के बीचो–बीच एक मटका बना हुआ है। तुम इस मटके में क्या क्या रख सकते हो ? निशान लगाओ।

मटर

मकड़ी

मक्खी

भुट्टा

टेबल

मटका

मोजा

मग

कार

मोर

मेंढ़क

मछली

मगर

7. पढ़व अउ समझव –

कुँवर हे रोटी, दार हे तात,
कुँवर हे भाजी, भात हे तात।
कुँवर हे भजिया,
चहा हे तात।
खावव सबो ला
कुँवर अउ तात।।

8. फोटू देख के पढ़व अउ लिखव –

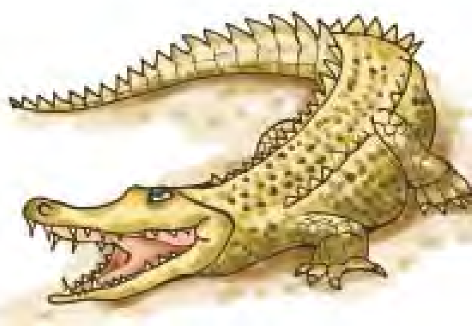

मग्गा ________________ ________________

मंगर ________________ ________________

7. पढ़ो और समझो–

नरम है रोटी, दाल गरम,
नरम है भाजी, भात गरम।
नरम है भजिया,
चाय गरम,
खाओ सब कुछ,
नरम–गरम।।

8. चित्र देखकर पढ़ो और लिखो–

मग

____

____

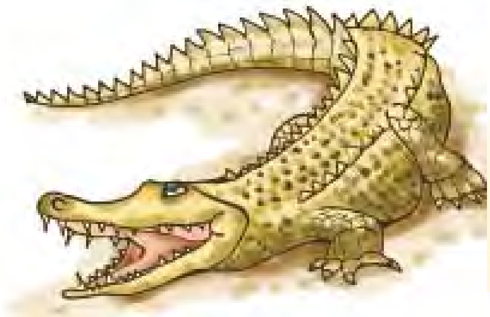

मगर

____

____

9. पढ़व अउ लिखव –

नग	नगर	नर	नरम
____	_____	____	____
____	_____	____	____

10. वर्ण मन ला जोड़व अउ पढ़व –

म + न → मन

न + म → नम

म + ग → मग

ग + म → ....

न + र → ....

म + र → ....

न + म + न → ....

ग + ग + न → ....

11. शब्द मन ले वर्ण मन ला अलगावव –

मग → ....

मगर → ....

नर → ....

नरम → ....

9. पढ़ो और लिखो –

नग नगर नर नरम

____ ______ ____ ____

____ ______ ____ ____

10. वर्णों को जोड़ों व पढ़ो –

2AZCNC

म न → मन

न म → नम

म ग → मग

ग म → ....

न र → ....

म र → ....

न म न → ....

ग ग न → ....

11. शब्दों से वर्णों को अलग करो –

मग → ....

मगर → ....

नर → ....

नरम → ....

पाठ–6

अनार

नानी खावै लाल अनार,
चुहके आमा पके रसदार।

नोनी गावय सुग्घर गाना,
राखे सरोता सुनथे नाना।

मोनू के चलत हवे जिहाज,
कमल फूले हे सुग्घर आज।

2B98PZ

पाठ–6

अनार

नानी खाए लाल अनार,
चूसे आम पका रसदार।
लड़की गाती बढ़िया गाना,
रखे सरौता सुनते नाना।
मोनू का चल रहा जहाज,
कमल खिले हैं सुन्दर आज।

गतिविधि

1.फोटू ला देखके पढ़व–

अनार, आमा, कमल, जिहाज, सरोता, नोनी

अनार (दरमी)

अ

v | uk | j

आ

vk | ek

आमा

कमल

क

d | e | y

ज

f t | gk | t

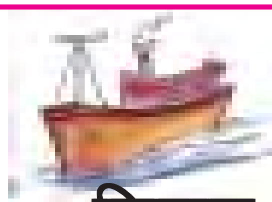

जिहाज

सरोता

स

l | jks | rk

नी

uks | uh

नोनी

सेबफल

स

ls | c | Q | Yk

त

तरबूज (कलिंदर)

r | j | c | t

गतिविधि

1. चित्र देखकर पढ़ो –

अनार, आम, कमल, जहाज, सरौता, लड़की

अ

v	uk	j

अनार

आ

vk	e

आम

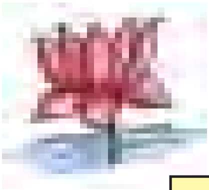

क

d	e	y

कमल

ज

जहाज

t	gk	t

स

सरौता

l	jkS	rk

ल

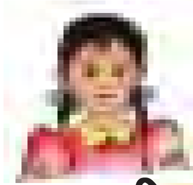

लड़की

y	M+	dh

स

सेब

ls	c

त

तरबूज

r	j	cw	t

2. फोटू ला देखके बोलव अउ ओखर पहिली आवाज पहिचान के गोला लगावव –

निर्देश :–शिक्षक बच्चों को इन वर्णो से शुरू होने वाले अन्य शब्दों को भी बोलने के लिए प्रेरित करें।

2. चित्रों को देखकर बोलो और उनकी पहली आवाज पहचानकर गोला लगाओ।

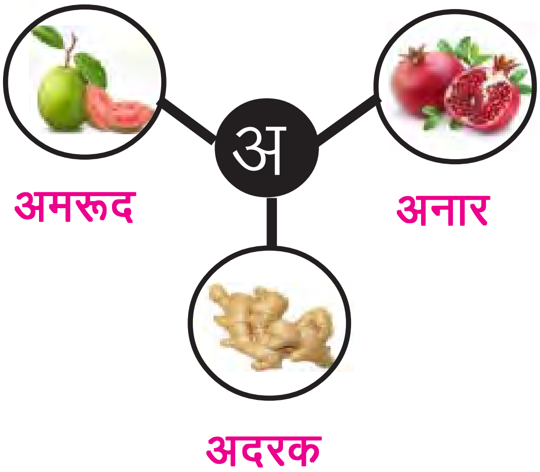

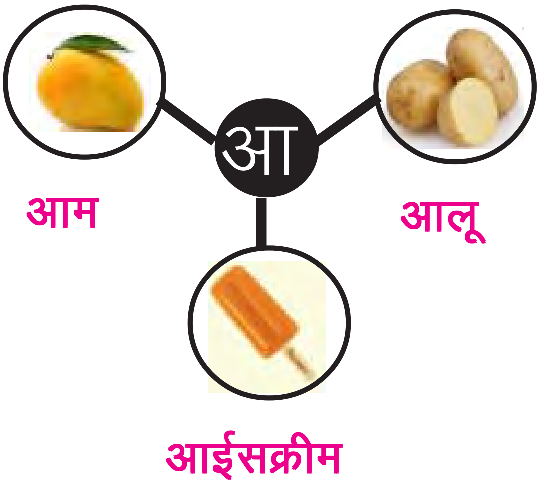

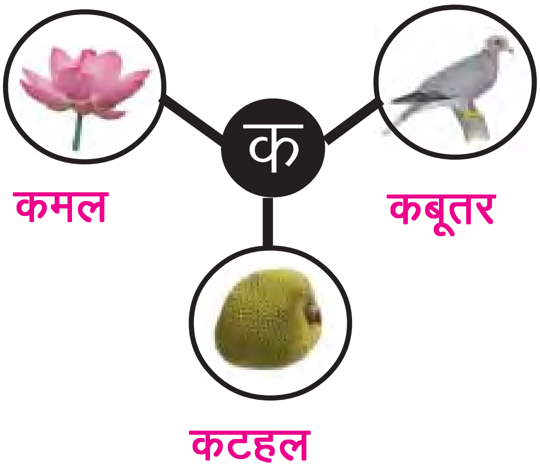

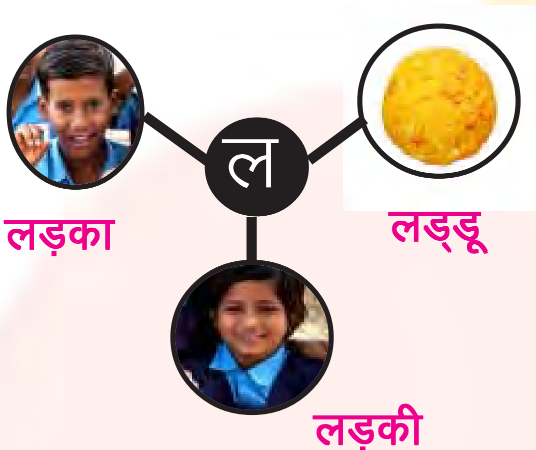

निर्देश :–शिक्षक बच्चों को इन वर्णों से शुरू होने वाले अन्य शब्दों को भी बोलने के लिए प्रेरित करें।

3. खाल्हे छापे फोटू मन ला देख के ओखर नाव अपन भाखा मा बोलव –

अमरूद

आम

अनार

तरबूज

सेब

नारंगी

3. दिये गये चित्रों को देखकर उनके नाम अपनी भाषा में बोलो।

अमरूद

आम

अनार

तरबूज

सेब

नारंगी

4. फोटू मन ले मिलान करव –

जिहाज

आमा

अनार

नोनी

सरोता

कमल

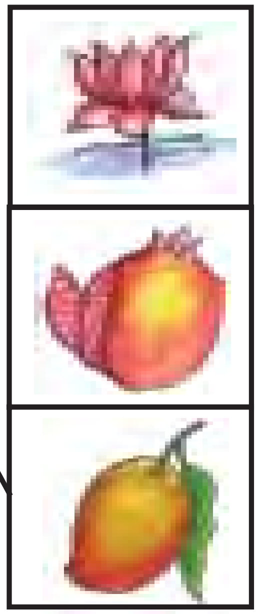

5. चुहक के खाय वाले फल मन के फोटू मा गोला लगावव।

4. चित्रों से मिलान करो –

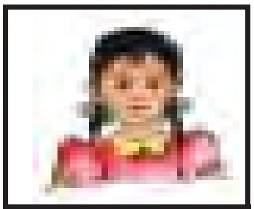

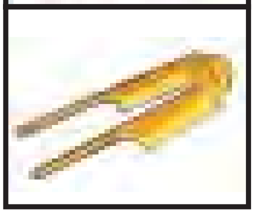

जहाज

आम

अनार

लड़की

सरौता

कमल

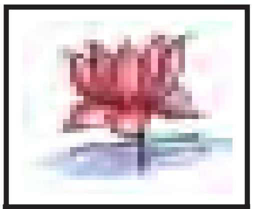

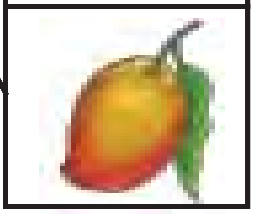

5. चूसकर खाने वाले फलों के चित्र पर गोला लगाओ।

6. तुक मिलावव, आघू बढ़व।

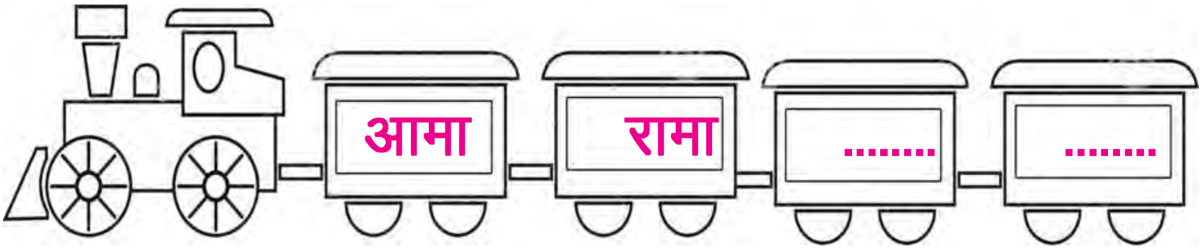

7. टिपका मन ला जोड़ के फोटू ला पूरा करव अउ रंग भरव –

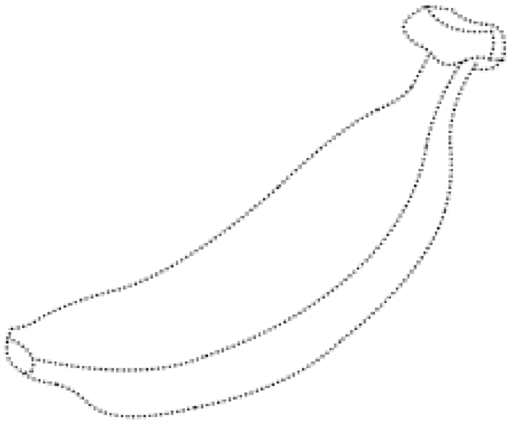

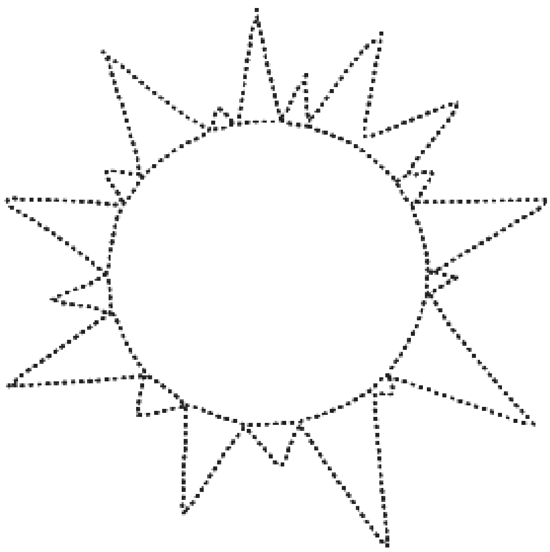

6. तुक मिलाओ, आगे बढ़ो।

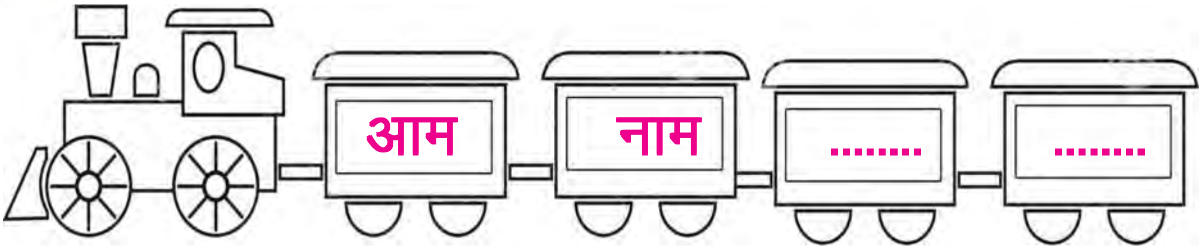

7. बिन्दु जोड़कर चित्र पूरा करो और रंग भरो–

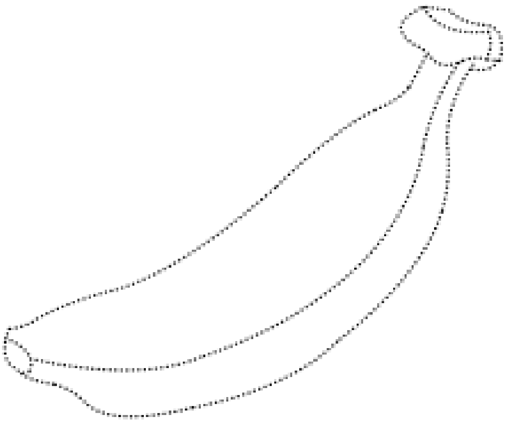

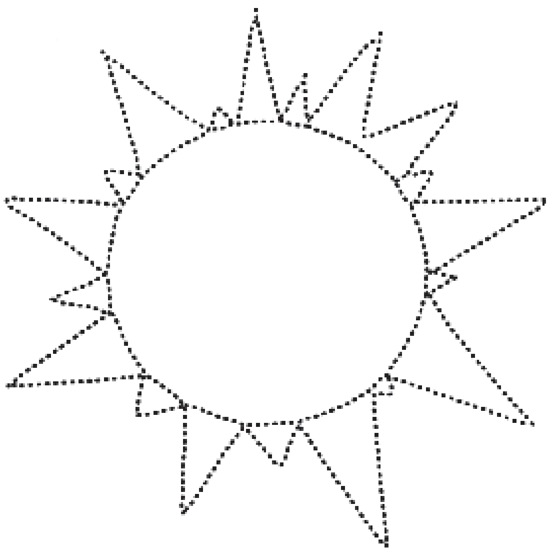

8. खाल्हे मा दिये जिनिस मन ला का चीज ले काटहू बतावव –

आलू

आमा

कागज (कागद)

नख

कपड़ा

धान

रमकेलिया

9 पढ़व अउ बढ़व – बिल्लस खेल

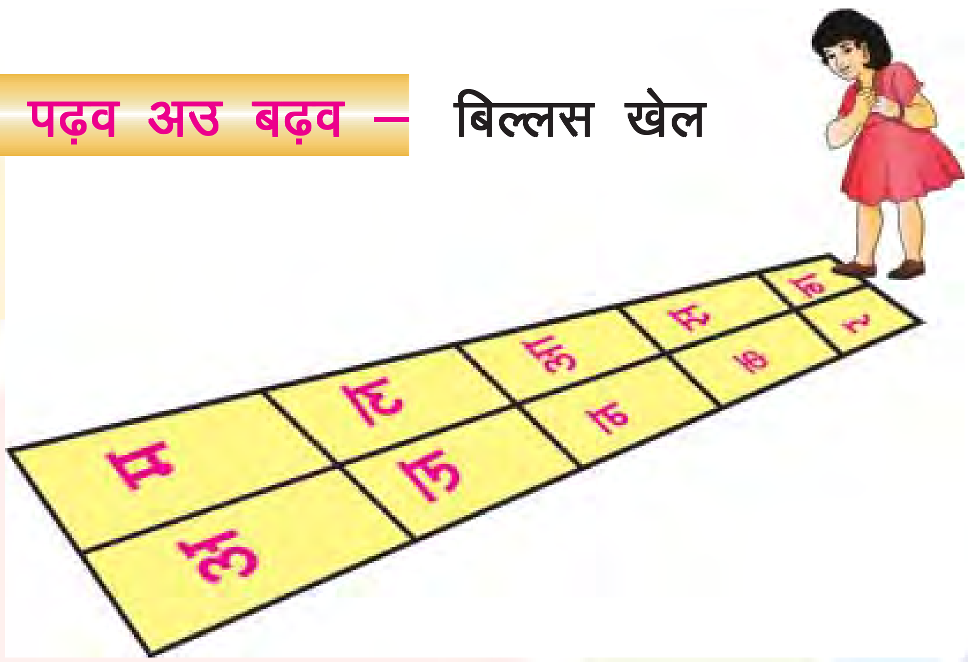

निर्देश :–जमीन पर बिल्लस बनवाएँ और खिलवाएँ।

8. नीचे दी गई वस्तुओं को किस चीज से काटोगे, बताओ –

आलू

आम

कागज

नाखून

कपड़ा

धान

भिंडी

9 पढ़ो और बढ़ो – बिल्लस खेल

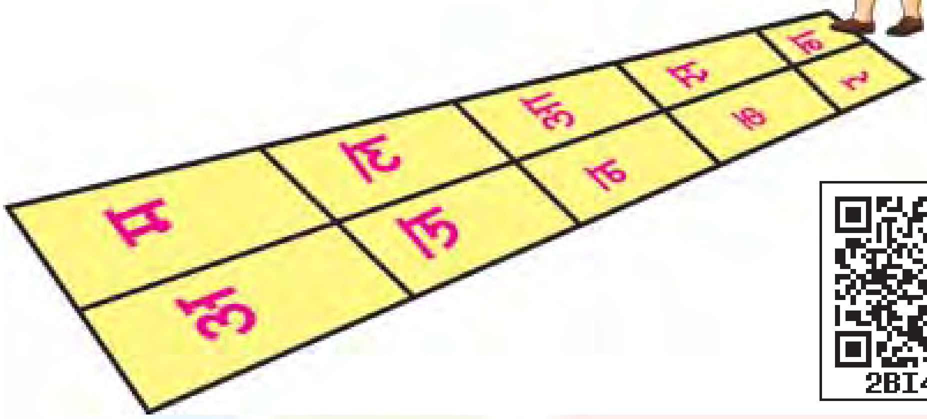

2BI4RM

निर्देश :–जमीन पर बिल्लस बनवाएँ और खिलवाएँ।

10. आम से संबंधित कविता/कहानी सुनाओ।

पाठ–7

राजा आ

आजा आ राजा
ममा लान बाजा
कर ममा ढम–ढम
नाच राजा छम–छम।

पाठ–7

राजा आ

2BRZTA

आजा आ राजा

मामा ला बाजा।

कर मामा ढम–ढम

नाच राजा छम–छम।।

गतिविधि

1. फोटू मन ला देखके पढ़व अउ समझव–

नल

u | y

u

नाक

uk | d

uk

कमल

d | e | y

कान

dk | u

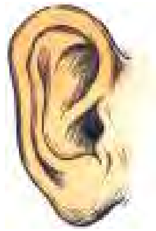

2. फोटू मन ला चिन्हव अउ नाव लिखव –

dk |

tk |

 | x

3. पढ़व –

राजा आ।
काम कर।
मामा का काम कर।
आग जला।
जल गरम कर।
कल आराम करना।

गतिविधि

1. चित्र देखकर पढ़ो और समझो–

नल

u y

u

नाक

uk d

uk

कमल

d e y

कान

dk u

2. पहचानो और नाम लिखो –

dk ☐

tk ☐

☐ x

3. पढ़ो –

राजा आ।
काम कर।
मामा का काम कर।
आग जला।
जल गरम कर।
कल आराम करना।

नजमा आ।
अनार ला।
नाना का काम कर।
आम का रस ला।
गाना गा।

4. मिलान करके लिखव अउ पढ़व –

आ म –	आम	आ ना –	आना
ना म	____	ना __	____
का म	____	ला __	____
रा __	____	गा __	____
जा __	____	जा __	____
का ला –	काला	ग ला –	गला
ला __	____	म __	____
जा __	____	ज __	____
ना __	____	क __	____
मा __	____	ल __	____

5. 'ा' के मात्रा जोड़ के लिखव अउ पढ़व –

कल –	काला	बल –	____
तल –	____	जल –	____

नजमा आ।
अनार ला।
नाना का काम कर।
आम का रस ला।
गाना गा।

4. मिलाकर लिखो और पढ़ो –

आ म –	आम	आ ना –	आना
ना म	———	ना ——	———
का म	———	ला ——	———
रा ——	———	गा ——	———
जा ——	———	जा ——	———
का ला –	काला	ग ला –	गला
ला ——	———	म ——	———
जा ——	———	ज ——	———
ना ——	———	क ——	———
मा ——	———	ल ——	———

5. ‘ा’ की मात्रा जोड़कर लिखो पढ़ो –

कल –	काला	बल –	———
तल –	———	जल –	———

6. खाल्हे मा दे गे वर्ण ले सब्द बनावव –

मा	ला	ता
जा	का	सा
ना	आ	गा

--------- --------- ---------

--------- --------- ---------

--------- --------- ---------

6. वर्ग में दिए गए वर्णों से शब्द बनाओ –

मा	ला	ता
जा	का	सा
ना	आ	गा

--------- --------- ---------

--------- --------- ---------

--------- --------- ---------

2C1VUX

पाठ–8

अमली–कुसियार

अम्मट अमली मीठ कुसियार,
चरत हे छेरी खारे–खार।
अरनपपई खाबो हमन,
तबला अब्बड़ बजाबो हमन।।

पाठ–8

इमली–ईख

2CARWK

खट्टी इमली मीठी ईख
चरती बकरी वन के बीच।
चलो पपीता खाएँ हम,
तबला खूब बजाएँ हम।।

गतिविधि

1. लइका मन ले गोठियावव –

1. कुछु अम्मट जिनिस मन के नाव बतावव।
2. कुछु मीठ जिनिस मन के नाव बतावव।
3. तुमन ला कोन–कोन फल बने लागथे ?

2. पढ़व–अमली, ईख, वन, अरनपपई छेरी, तबला

b

इमली (अमली)

b e yh

bl

bl [k

ईख (कुसियार)

i

पपीता(अरनपपई)

i ih rk

o

o u

वन

c

बकरी (छेरी)

c d jh

r

तबला

r c yk

गतिविधि

1. बच्चों से बातचीत करें –

1. कुछ खट्टी चीजों के नाम बताओ।
2. कुछ मीठी चीजों के नाम बताओ।
3. तुम्हें कौन–कौन से फल पसंद हैं ?

2. पढ़ो– इमली, ईख, पपीता, वन, बकरी, तबला

b

इमली

b e yh

bl

ईख

bl [k

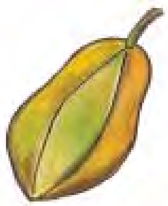

i

पपीता

i ih rk

o

वन

o u

c

बकरी

c d jh

r

तबला

r c yk

3. नाटक करव –

– तबला बजाय के।

– छेरी नरियाय के।

– बस चलाय के।

– चस्मा पहिरे के।

– अमली खाय के।

4. फोटू मन ले सब्द मिलावव –

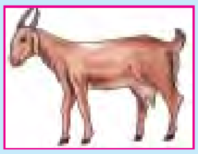

छेरी

अरनपपई

तबला

बन

अमली

कुसियार

5. ऐसे शब्द बताओ जिसमें प,व,ब,त की आवाज हो –

3. अभिनय करो –

– तबला बजाने का।

– बकरी की आवाज का।

– बस चलाने का।

– ऐनक पहनने का।

– इमली खाने का।

4. चित्रों से शब्दों का मिलान करो –

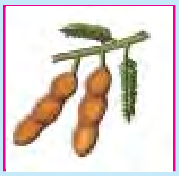

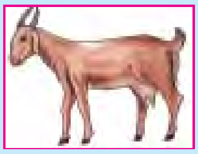

बकरी

पपीता

तबला

वन

इमली

ईख

5. ऐसे शब्द बताओ जिसमें प,व,ब,त की आवाज हो –

6. छूटे वर्ण मन ला लिखव –

........u ....ihrk ....fl;kj

........jh ....eyh ....cyk

7. ये जिनिस मन ला बजाके देखव, कइसन आवाज आही बतावव –

Vfcy] f[kM+[kh] dikV] ?k.Vh] rkyh] pVdh

8. शब्द बनाके लिखव अउ पढ़व –

ck
ek
tk
yk

y

6. छूटे हुए वर्णो को लिखो –

.......u .... ihrk .... [k

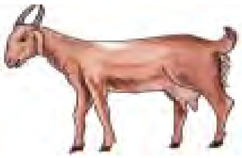

.......djh ....eyh ....cyk

7. इन चीजों को बजाकर देखो कैसी आवाजें आएगी, बताओ।

Vscy] f[kM+dh] njokt k] ?k.Vh] rkyh] pqVdh

8. शब्द बनाकर लिखो और पढ़ो –

ck

ek

tk

yk

y

____

____

____

____

9. ये जिनिस मन ला खाय ले तुमन ला कइसे लगही –

जिनिस		अम्मट	मीठ
	t ych		
	l oQy		
	yhEc		
	djk		
	vkek		
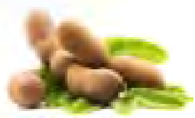	veyh		

10. अपन मनपसंद के फर के फोटू बनाके रंग भरव–

9. इन चीजों को खाने से तुम्हें कैसा लगेगा –

चीजें	खट्टा	मीठा
t ych		
l c		
uhc		
dyk		
vke		
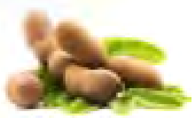 beyh		

10. अपने मनपसंद फल का चित्र बनाकर रंग भरो–

11. तुक मिलावव, आगू बढ़व –

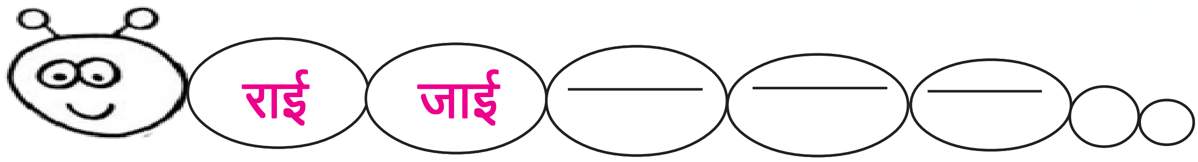

12. वर्ण मन ला जोड़ के शब्द बनावव –

आ	ज	प
ल	म	ई
ब	स	क
न	ग	र

....

....

....

11. तुक मिलाओ आगे बढ़ाओ –

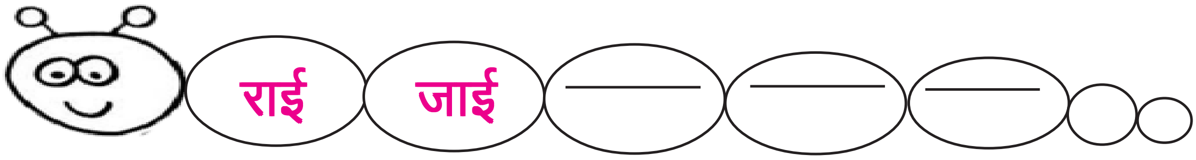

12. वर्णों को जोड़कर शब्द बनाओ –

2CJMY8

आ	ज	प
ल	म	ई
ब	स	क
न	ग	र

....

....

....

पाठ–9

तितली

रंग–रंग के सुग्घर तितली,
सब झन के मन ला भाथे।

बइठ फूल मा जब रस लेथे,
सबके मन ला ललचाथे।

पाठ–9

तितली

रंग–बिरंगी प्यारी तितली,
सबके मन को भाती है।
बैठ फूल पर जब रस लेती,
सबका मन ललचाती है।

गतिविधि

1. फोटू ला देखके पढ़व अउ समझव–

'ि' के मात्रा –

तबला

r	c	yk

r

तितली

fr	r	yh

fr

कप

d	i

d

किताब

fd	rk	c

fd

'ी' के मात्रा –

बस

c	l

c

बीन

ch	u

ch

गतिविधि

1. चित्र देखकर पढ़ो और समझो –

'ि' की मात्रा –

तबला

r	c	yk

r

तितली

fr	r	yh

fr

कप

d	i

d

किताब

fd	rk	c

fd

'ी' की मात्रा –

बस

c	l

c

बीन

ch	u

ch

जग

t	x

t

जीभ

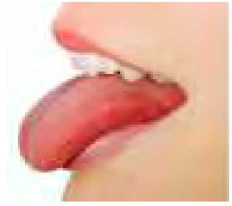

th	Hk

th

2. आवव शब्द बनावन –

गा	कि	ता	ब	जा
पा	मा	र	क	ल
न	ला	न	पी	नि
ति	आ	बा	क	प
अ	जी	भ	व	न

जग

t	x

t

जीभ

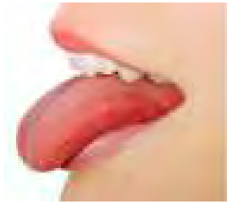

th	Hk

th

2. आओ शब्द बनाएँ –

गा	कि	ता	ब	जा
पा	मा	र	क	ल
न	ला	न	पी	नि
ति	आ	बा	क	प
अ	जी	भ	व	न

3. पढ़व अउ समझव –

किरन जा। नल का पानी ला।

मग से पानी निकाल।

विमल गिलास ला।

पानी पिला।

नानी आ, पानी पी,

अब काम मत कर।

बस आराम कर।

रागिनी अब गाना गा।

कपिल तबला बजा।

3. पढ़ो और समझो –

किरन जा। नल का पानी ला।
मग से पानी निकाल।
विमल गिलास ला।
पानी पिला।

नानी आ, पानी पी,
अब काम मत कर।
बस आराम कर।

रागिनी अब गाना गा।
कपिल तबला बजा।

4. आवव शब्द बनावन –

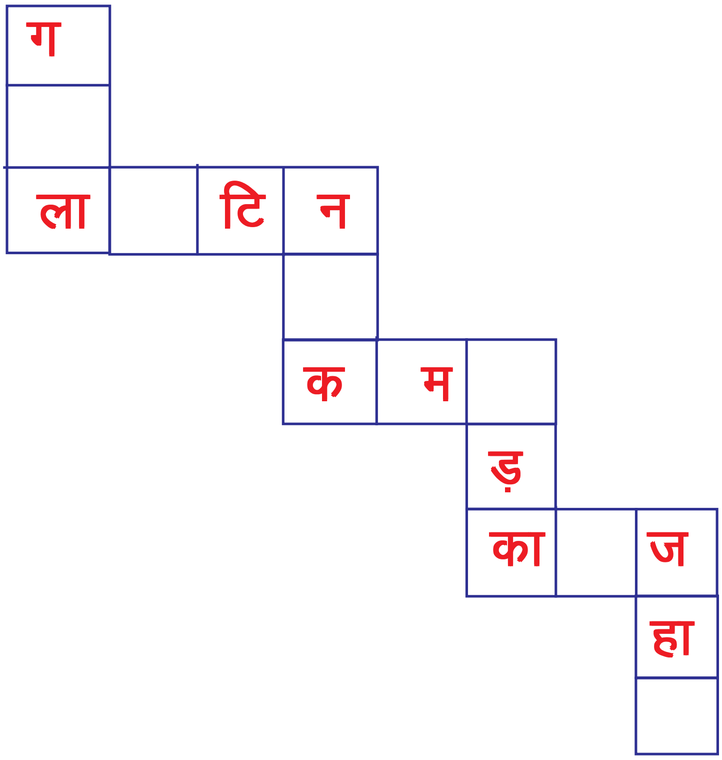

5. किरन हा मग्गा ले पानी निकालीस। तुमन ये जिनिस मन ले का–का करथो?

4. आओ, शब्द बनाएँ–

ग							
ला		टे	न				
			क	म			
					ड़		
					का		ज
							हा

2D3F2I

5. किरण ने मग से पानी निकाला। तुम इन चीजों से क्या करते हो?

पाठ–10

घुघवा आईस

घुघवा आईस , घुघवा आईस।
एकठन ऊन के गोला लाईस।
चरखा बोलिस , चूँ – चूँ – चूँ।
खरहा बोलिस , कूँ – कूँ – कूँ।
देखव दवाद मा भरे हे रंग,
हावय किसनहा नांगर संग।

पाठ–10

उल्लू–आया

उल्लू आया, उल्लू आया।
एक ऊन का गोला लाया।
चरखा बोला, चूँ–चूँ–चूँ।
खरगोश बोला, कूँ–कूँ–कूँ।
देखो रंग से भरी दवात,
है किसान भी हल के साथ।

गतिविधि

1. फोटू ला देखके पढ़व अउ समझव –

m

उल्लू (घुघवा)

m	Y	yl

Å

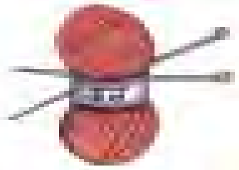

Å	u

ऊन

दवात

n

n	ok	r

g

g	y

हल (नांगर)

p

चरखा

p	j	[kk

[k

खरगोश (भठेलिया)

[k	j	xk	'k

2. वर्ण मन ला फोटू ले मिलावव–

उ

द

च

ऊ

ख

ह

गतिविधि

1. चित्र देखकर पढ़ो और समझो –

m

उल्लू

m | Y | y

Å

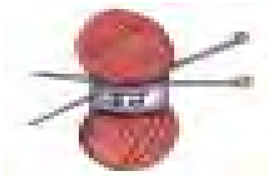

Å | u

ऊन

n

दवात

n | ok | r

g

g | y

हल

p

चरखा

p | j | [kk

[k

खरगोश

[k | j | xk | 'k

2. वर्णों को चित्रों से मिलाओ–

उ

द

च

ऊ

ख

ह

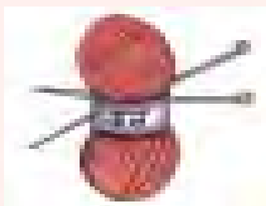

3. लकीर खींच के वर्ण मन ला शब्द ले मिलावव –

उल्लू	ख
ऊन	ऊ
चरखा	द
खरहा	ह
दवाद	च
हल	उ

4. दे गे वर्ण के आधार मा शब्द बनावव–

उ	द	वा	त
ल्लू	च	र	खा
ख	र	गो	श
ऊ	न	ह	ल

5. बतावव ये जिनिस मन कइसन आवाज करथें?

जिनिस मन के नाम	अवाज
घंटी बाजे के अवाज	टन–टन
मोटर के हारन के अवाज	
टेबिल झिके के अवाज	
पंखा के चले के अवाज	
कपाट बंद करे के अवाज	

3. रेखा खींचकर वर्णों को शब्दों से मिलाओ –

उल्लू	ख
ऊन	ऊ
चरखा	द
खरगोश	ह
दवात	च
हल	उ

4. दिए गए वर्णों के आधार पर शब्द बनाओं–

उ	द	वा	त
ल्लू	च	र	खा
ख	र	गो	श
ऊ	न	ह	ल

5. बताओ, ये चीजें कैसी आवाजें करती हैं?

चीजों के नाम	आवाज
घंटी के बजनें की आवाज	टन–टन
मोटर के हार्न की आवाज	
टेबल खींचने की आवाज	
पंखे के चलने की आवाज	
दरवाजा बंद करने की आवाज	

6. बतावव हमन कोन हन?

टिपका मन ला पूरा कर के रंग भरव अउ बतावव हमन कोन हन?

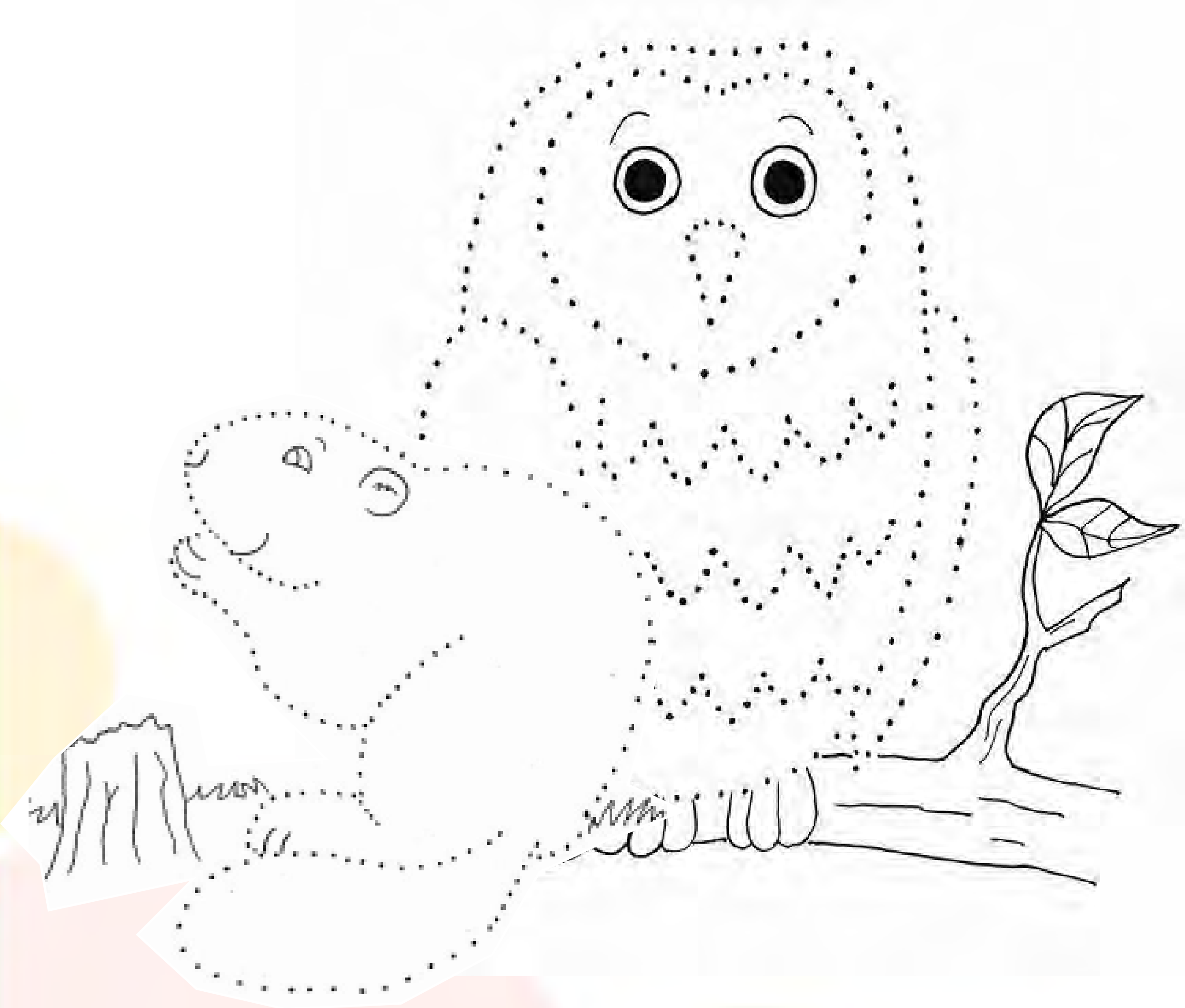

6. बताओ, हम कौन हैं?

बिंदुओं को पूरा कर रंग भरो और बताओ हम कौन हैं?

2DL75T

पाठ–11

लालू अउ पीलू

एक कुकरी रहिस। कुकरी के दू ठन चिंया रहिस।

एक के नाव लालू अउ दूसर के नाव रहिस पीलू।

लालू लाल जिनिस खात रहिस।

पीलू पिंवरा जिनिस खात रहिस।

एक दिन लालू हा एक बिरवा मा कुछु लाल–लाल देखिस।

लालू हा ओला खा लिस।

अरे, ए तो लाल मिरचा रहिस।

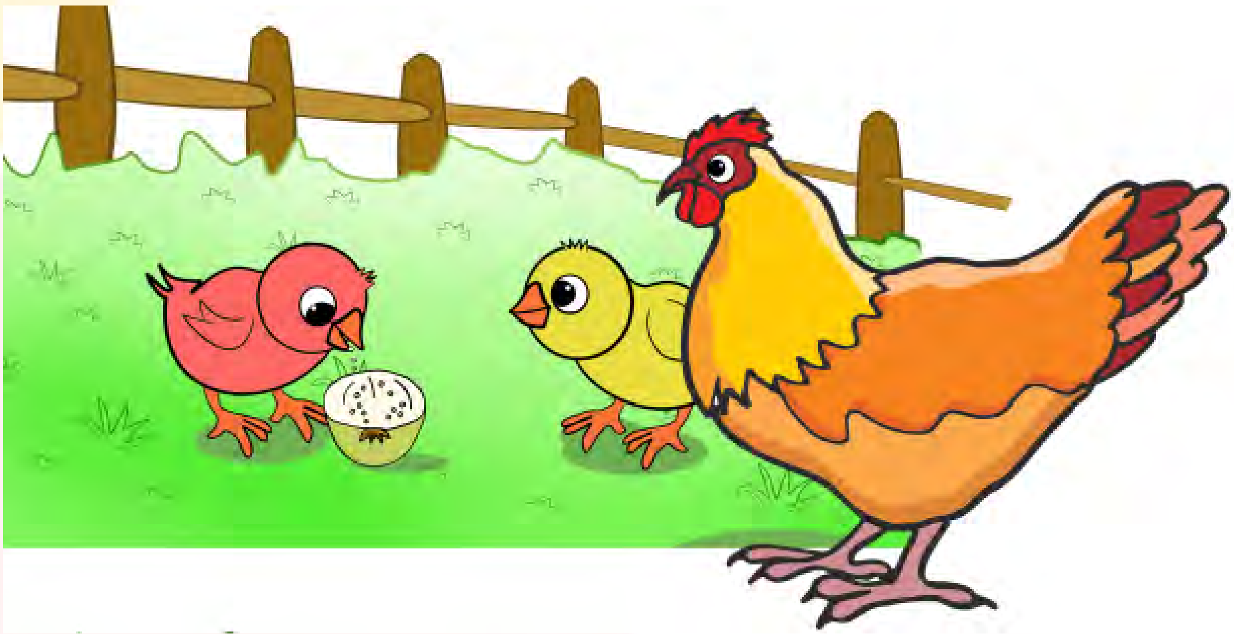

20V37G

पाठ–11

लालू और पीलू

एक मुर्गी थी। मुर्गी के दो चूजे थे।

एक का नाम लालू। दूसरे का नाम था पीलू।

लालू लाल चीजें खाता था।

पीलू पीली चीजें खाता था।

एक दिन लालू ने एक पौधे पर कुछ लाल–लाल देखा।

लालू ने उसे खा लिया।

अरे, यह तो लाल मिर्च थी !

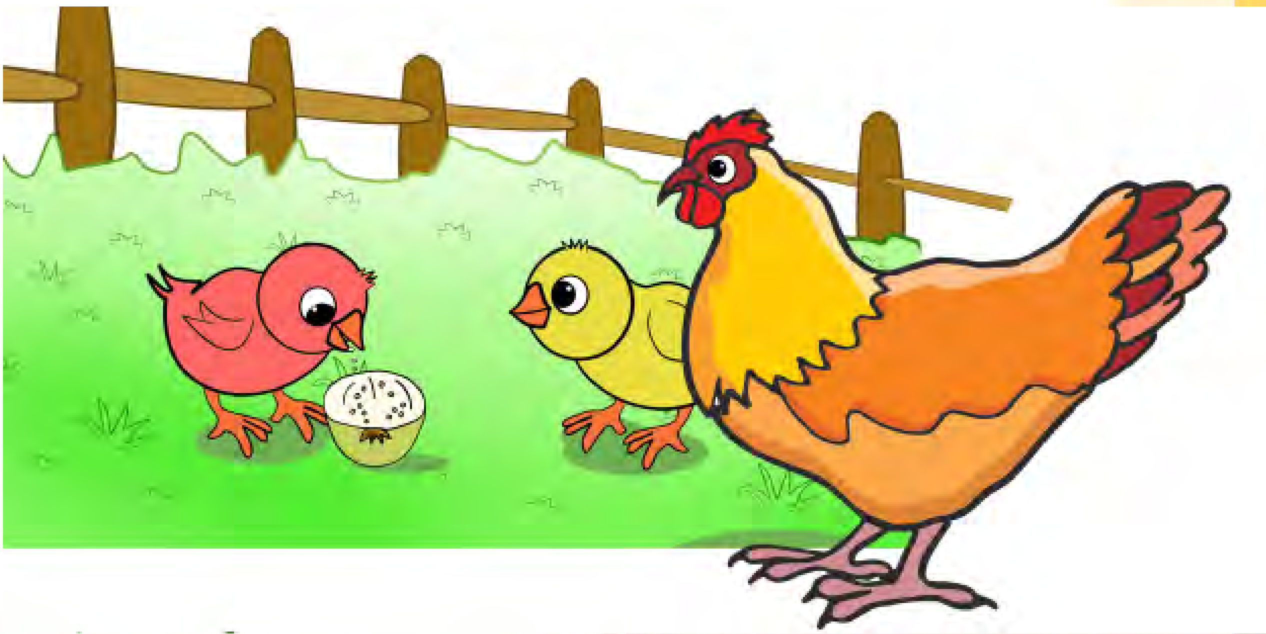

लालू के जीभ मा अगियाय लागिस। वो हा रोए लगिस।

कुकरी भागत आइस। पीलू तको भागिस।

ओ हा पिंवरा–पिंवरा गुड़ के कुटका ले आइस।

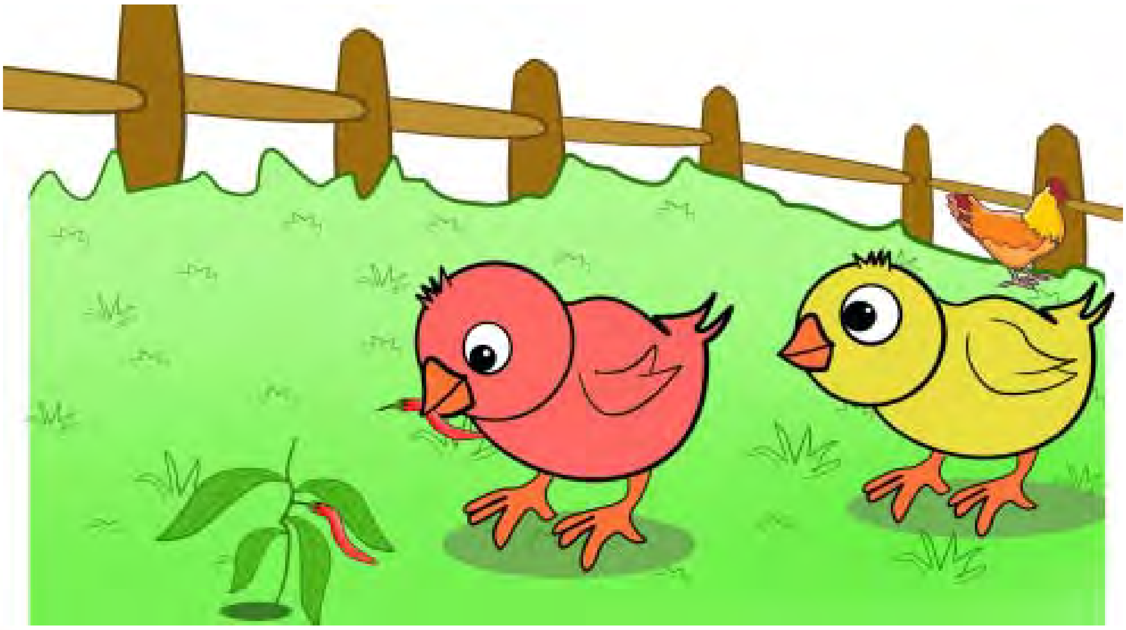

लालू हा झटकुन गुड़ खा लिस।

ओखर मुँह के अगिययी हा मिटागे।

कुकरी हा लालू अउ पीलू ला पोटार लिस।

लालू की जीभ जलने लगी। वह रोने लगा।
मुर्गी दौड़ी हुई आई। पीलू भी भागा। वह पीले–पीले गुड़ का टुकड़ा ले आया।

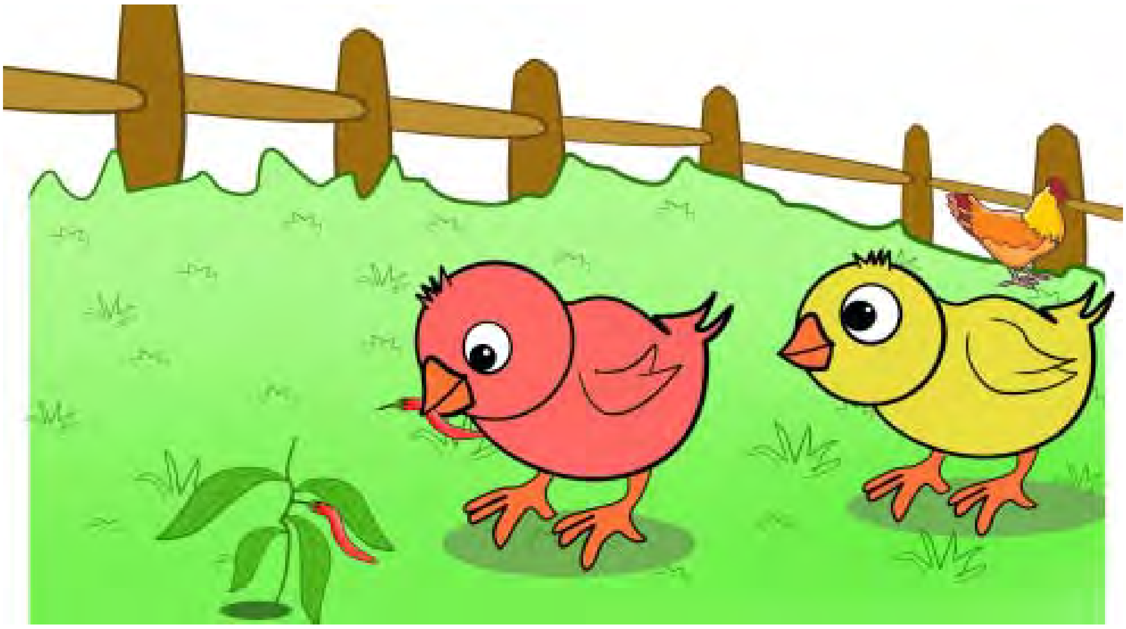

लालू ने झट गुड़ खाया। उसके मुँह की जलन ठीक हो गई।
मुर्गी ने लालू और पीलू को लिपटा लिया।

गतिविधि

1. का होतिस ?

1. लालू अउ पीलू ला सादा अउ हरियर जिनिस भातिस त का उँखर नाव हा आने–आने होतिस ?

....

2. फेर ओ मन का–का खातिन ?

....

....

....

....

3. लाल मिरचा खातेच लालू के जीभ चुरपुरागे। तुँहर जीभ हा का–का खाए पिए ले चुरपुराथे ?

....

....

4. जीभ चुरपुराथे त तुमन का करथव ?

....

....

....

गतिविधि

1. क्या होता ?

1. अगर लालू और पीलू को सफेद और हरी चीजें पसंद होतीं तो क्या उनके नाम अलग–अलग होते ?

   ....

2. फिर वे क्या–क्या खाते ?

   ....

   ....

   ....

   ....

3. लाल मिर्च खाते ही लालू की जीभ जल गई। तुम्हारी जीभ क्या–क्या खाने–पीने से जलती है ?

   ....

   ....

4. जीभ जलने पर तुम क्या करते हो ?

   ....

   ....

   ....

2. लय अउ नाटक के संग गावव –

झूलना

vEek vkt yxk ns >wyuk]
;s >wyuk eSa gk >wyg
,ek p<+ds mlij c<+ ds]
vm vxkl yk eSa N yguA

>wyuk >wyr gS Mkjk [kkSa/kk]
>wyr gko;q ikuk&iÙkkA
;s >wyuk ek cM+ eatk gS]
ys py fnYyh vm dydÙkkA

2. लय एवं अभिनय के साथ गाओ –

झूला

अम्मा आज लगा दे झूला,
इस झूले पर मैं झूलूँगा।
इस पर चढ़कर, ऊपर बढ़कर,
आसमान को मैं छू लूँगा।

झूला झूल रही है डाली,
झूल रहा है पत्ता–पत्ता।
इस झूले पर बड़ा मजा है,
चल दिल्ली, ले चल कलकत्ता।

>yr gs uhps ds /kjrh]

mMs py] mMs py]

mMs py] mMs py]

cjlr gkos; f>fej&f>fej]

mMs ds es gj yVks cknjA

झूल रही नीचे की धरती,

उड़ चल, उड़ चल,

उड़ चल, उड़ चल,

बरस रहा है रिमझिम, रिमझिम,

उड़कर मैं लूटूँ दल–बादल।

3. बतावव एमा ले तुमन कोन–कोन जिनिस मा झूलना कस झूल सकथो ?

चक्का

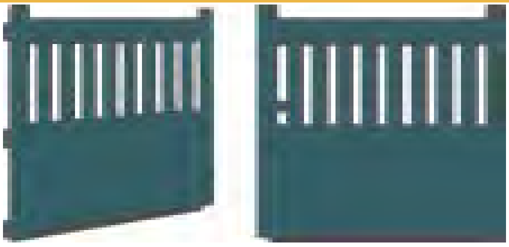

कपाट

बहरी

दरी

डारा

टेबिल

पाँव वाले झूलना

अलमारी

4. अपन अनुभव बतावव–

मोला .... मा झूले मा मजा आथे।

मोला .... मा झूले मा डर लगथे।

मोला .... मा झूले मा गारी पड़थे।

3. बताओ, इनमें किन चीजों पर तुम झूले की तरह झूल सकते हो ?

टायर

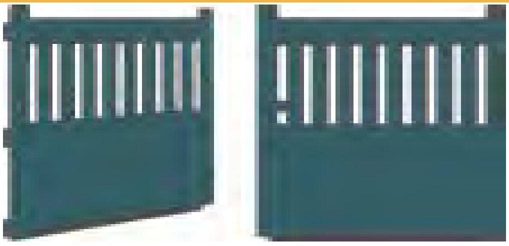
फाटक

झाड़ू

दरी

मेज़

डाली

पैर वाला झूला

अलमारी

4. अपने अनुभव बताओ –

मुझे .... पर झूलने में मजा आता है।

मुझे .... पर झूलने में डर लगता है।

मुझे .... पर झूलने पर डाँट पड़ती है।

5. तुमन ये झूलना मा घलो झूले होहू। ये झूलना ला तुमन कहाँ–कहाँ देखे हवव ?

मड़ई , इसकूल, उपवन

घर के अँगना, बगीचा

....

....

....

....

....

झुलना ले बिलई ला का–का दिखत होही?

6. झूलत खानी तुमन ला का–का जिनिस दिखथे ?

5. तुम इन झूलों पर भी झूले होंगे। इन झूलों को तुमने कहाँ–कहाँ देखा है?

मेला, स्कूल , पार्क

घर का आँगन, बगीचा

....

....

....

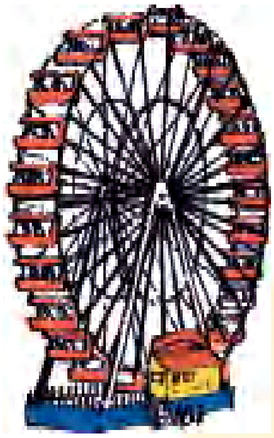

....

....

झूले से बिल्ली को क्या–क्या दिख रहा होगा ?

6. झूलते समय तुम्हें क्या–क्या चीजे दिखाई देती है?

7. फोटू मन ला शब्द संग मिलावव –

ठेला

झूलना

रूख

मोटरी

8. खाली जघा ला भरव अउ लुकाए के ये ठउरमन मा लइकामन के फोटू बनावव–

रूख के पाछू

.... के खाल्हे

.... के खाल्हे

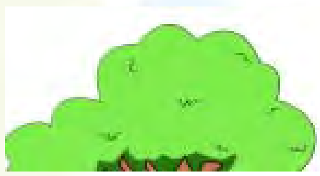

.... के पाछू

7. चित्रों को शब्दों से मिलाओ –

ठेला

झूला

पेड़

गठरी

8. खाली जगह भरो और फिर छुपने की इन जगहों पर बच्चों के चित्र बनाओ।

पेड़ के पीछे

.... के नीचे

.... के नीचे

.... के पीछे

9. फोटू ले वर्ण के पहिचान –

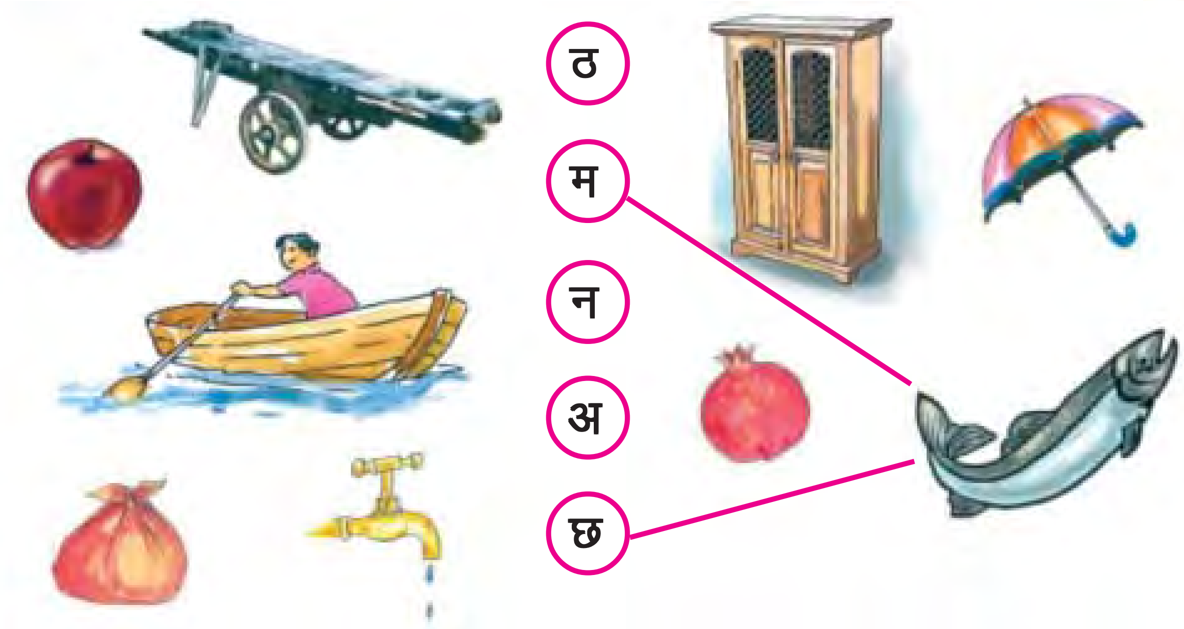

10. उप्पर बने जिनिस के नाव वर्ण के खाल्हे लिखव जउन हा ओमे आथे।

ठ	छ	म	अ	न
	मछरी	मछरी		

इहाँ मछरी दू बेर लिखाये हवय, का अउ कोनो जिनिस के नाव ला तुमन दू बेर लिखे हवव ?

....

9. चित्र से वर्ण की पहचान –

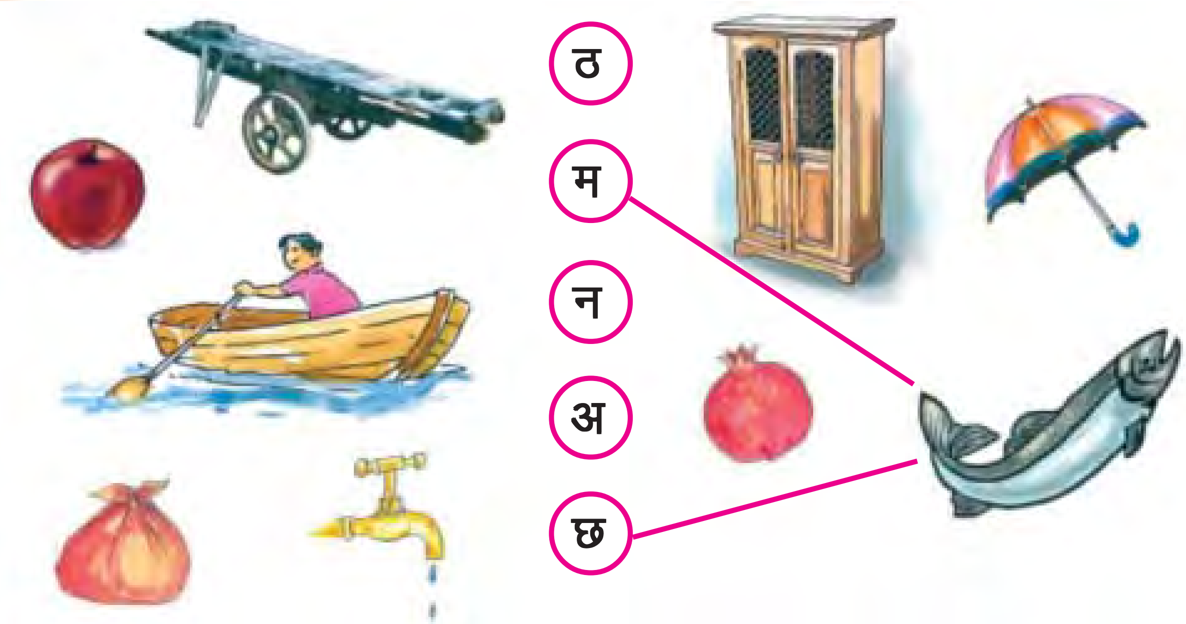

10. ऊपर बनी चीज़ों के नाम अक्षरों के नीचे लिखो जो उनमें आते हैं।

ठ	छ	म	अ	न
	मछली	मछली		

2E4Y94

यहाँ मछली दो बार लिखा गया है। क्या किसी और चीज का नाम भी तुमने दो बार लिखा है ?

....

पाठ–12

बेंदरा आईस

खाके फल अउ भाँटा बंगाला,

चस्मा लगाके निकलीस बेंदरा।

बइठे देखव एक कसेर,

ठक–ठक करथे साँझ–सबेर।

पाठ–12

बंदर आया

खाकर फल और भटा, टमाटर,
ऐनक लगाए निकला बंदर।
बैठा देखो एक ठठेरा,
ठक–ठक करता शाम सवेरा।।

गतिविधि

1. फोटू ला देख के पढ़व अउ समझव–

फल, टमाटर (बंगाला), भटा(भाँटा), ठेठरा (कसेर), ऐनक(चस्मा)एक

,s

एनक (चस्मा)

,s	u	d

,

1

एक

,	d

B

ठठेरा (कसेर)

B	Bs	jk

Q

फल (फर)

Q	y

Hk

भटा (भाँटा)

Hk	Vk

V

टमाटर (बंगाला)

V	ek	V	j

गतिविधि

1. चित्र देखकर पढ़ो और समझो –

फल,टमाटर, भटा, ठठेरा, ऐनक, एक

, s

ऐनक

| , s | u | d |

,

1

एक

| , | d |

B

ठठेरा

| B | Bs | jk |

Q

फल

| Q | y |

Hk

भटा

| Hk | Vk |

V

टमाटर

| V | ek | V | j |

2. खोजव अउ गोल घेरा ◯ लगावव –

ए	–	एक	खाएगा	गए	एकता
ऐ	–	ऐसा	ऐनक	ऐरावत	ऐठन
भ	–	भवन	भटा	लाभ	नभ
फ	–	उफ	कफ	फल	उफन
ट	–	टप	पट	मटका	टमाटर
ठ	–	पाठ	ठक	बैठक	ऐठन

3 पढ़व –

ट ठ	प फ	भ म	स ह	ए ऐ
अ आ	इ ई	उ ऊ	व श	द ध

4. मिलावव–

फल	एक	भटा	ऐसा	टमाटर	ठठेरा
ए	फ	ऐ	भ	ठ	ट

2. खोजो और गोल घेरा ◯ लगाओ –

ए	–	एक	खाएगा	गए	एकता
ऐ	–	ऐसा	ऐनक	ऐरावत	ऐठन
भ	–	भवन	भटा	लाभ	नभ
फ	–	उफ	कफ	फल	उफन
ट	–	टप	पट	मटका	टमाटर
ठ	–	पाठ	ठक	बैठक	ऐठन

3 पढ़ो –

ट ठ	प फ	भ म	स ह	ए ऐ
अ आ	इ ई	उ ऊ	व श	द ध

4. मिलाओ –

फल	**एक**	**भटा**	**ऐसा**	**टमाटर**	**ठठेरा**
ए	फ	ऐ	भ	ठ	ट

5. शब्द ला फोटू ले मिलावव –

टमाटर (बंगाला)

फल (फर)

ठठेरा (कसेर)

भटा (भाँटा)

6. बेंदरा हा अब्बड़ भुखाए हे, आवव देखन ओ का–का खाही ?

5. शब्द को चित्र से मिलाओ –

टमाटर

फल

ठठेरा

भटा

6. बंदर बहुत भूखा है ,आओ देखें वह क्या–क्या खायेगा –

7. आवव, कागज के कुकुर बनावन –

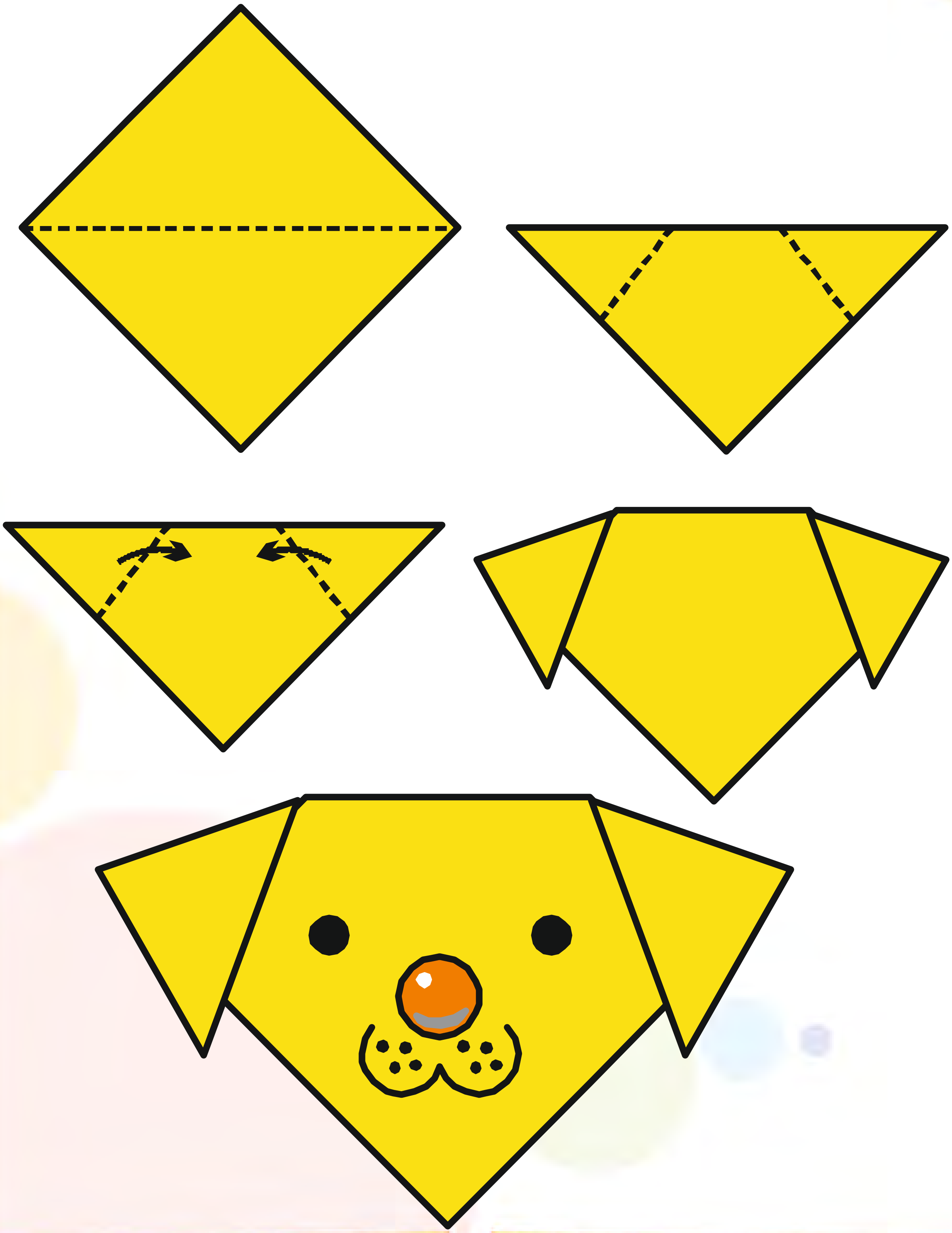

7. आओ, कागज का कुत्ता बनाएँ –

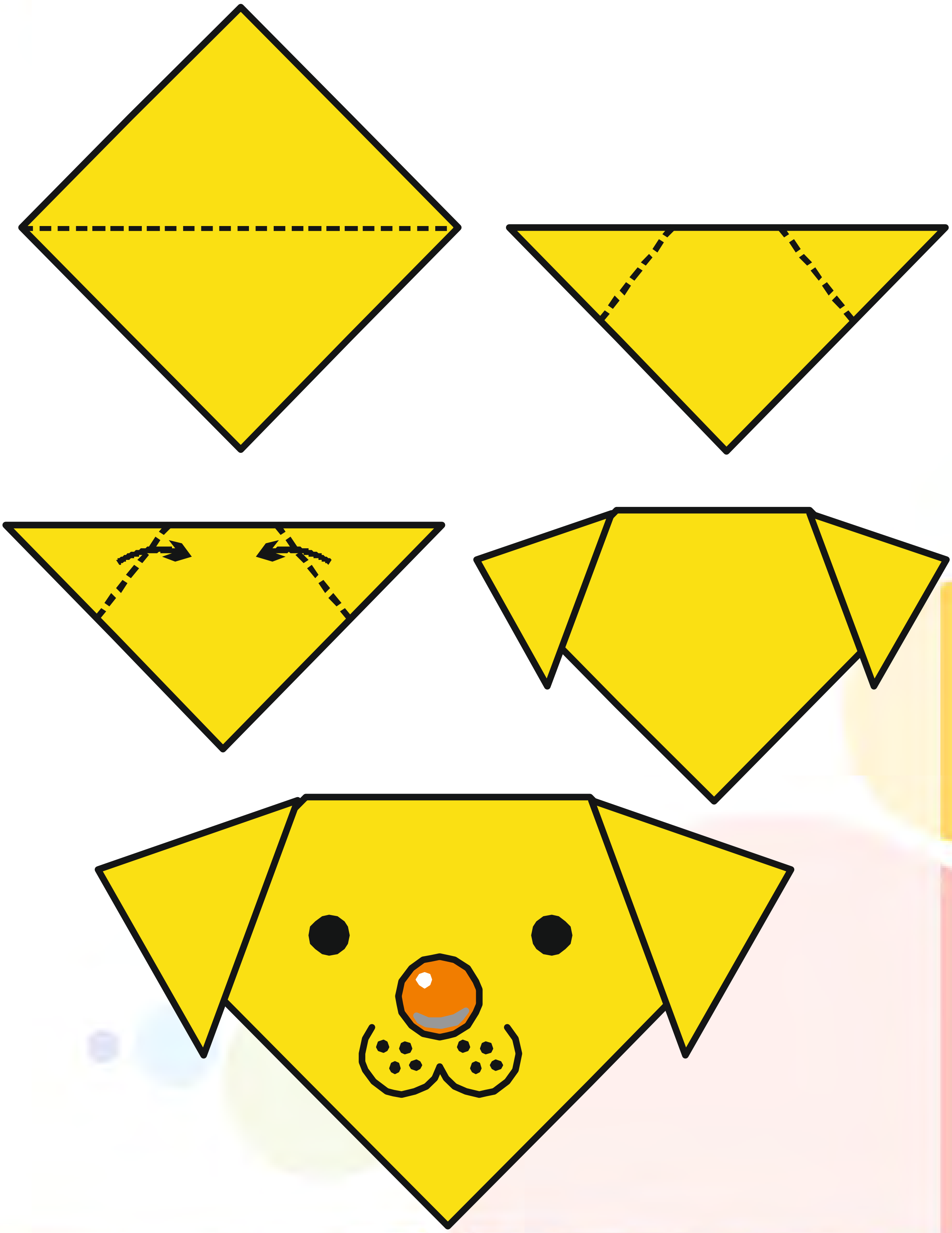

अँगठा के छापा

ये ला चिन्हेव ? ये तैं अस अउ तोर मितान। ईंखर नाव लिखव।

.... 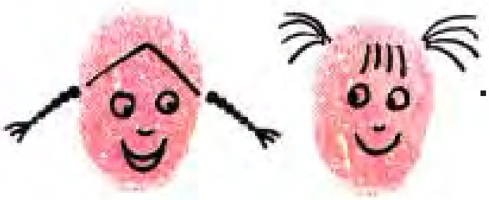 ....

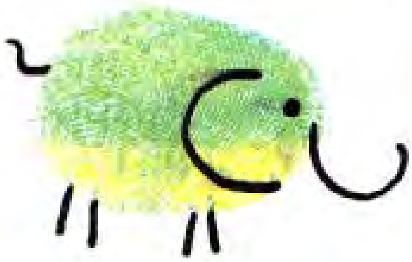

अँगूठे के अंदर
छिपा एक बंदर
उसका एक साथी
मोटा एक हाथी

पहचानो, अँगूठे की इन छापों में
और क्या–क्या छिपा है ?

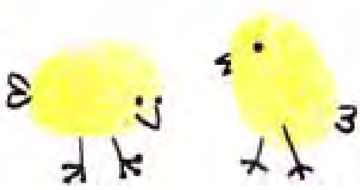

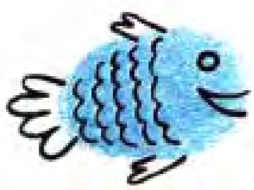

अँगूठे की छाप

पहचाना इन्हें ? ये तुम हो और तुम्हारा दोस्त। इनके नाम लिखो।

.... 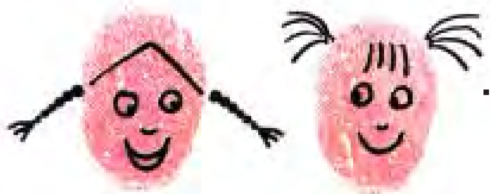 ....

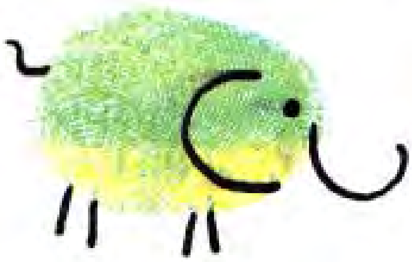

अँगूठे के अंदर
छिपा एक बंदर
उसका एक साथी
मोटा एक हाथी

पहचानो, अँगूठे की इन छापों में
और क्या–क्या छिपा है ?

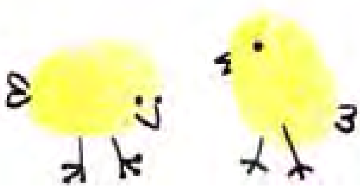

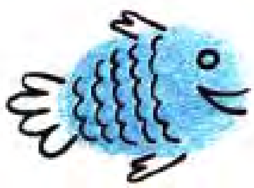

9. अब ये अँगठा के छापा मन मा तुमन अउ कुछु जोड़व–

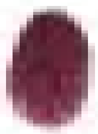

आठ

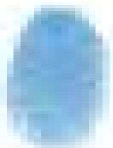

कठपुतरी

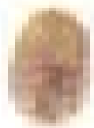

मोटरी

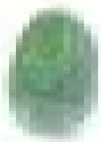

चिरई

अनार/दरमी

10. अपन अँगठा के छापा ले अउ कुछु बनावव।

9. अब इन अँगूठों की छाप में तुम भी कुछ जोड़ो।

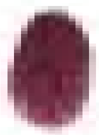

आठ

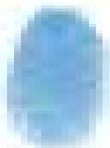

कठपुतली

गठरी

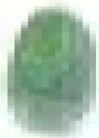

चिड़िया

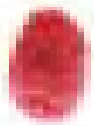

अनार

2EHQCE

10. अपने अँगूठे की छाप से कुछ और बनाओ।

पाठ–13

मेला

मेला मा झूलना, झूलना मा हमन।
जोर किन झुलावव, नइ डरावन हमन।
मेला मा सरकस, देखबो हमन।
खाबो मिठई, किंजरबो हमन।

पाठ–13

2EWLE2

मेला

मेले में झूला, झूले में हम।

जोर से झुलाओ, नहीं डरेंगे हम।

मेले में सरकस, देखेंगे हम।

खाएँगे मिठाई, घूमेंगे हम।

गतिविधि

1. फोटू ला देख के पढ़व अउ समझव –

'`' की मात्रा –

सरकस

l j d l

l

l s c

से

सेब

सेवफल

रथ

j Fk

j

j s y

j s

रेल

B Bs jk

B

ठठेरा (कसेर)

Bs yk

ठे

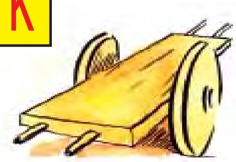

ठेला

2.ये सब्द मन मा ' ` ' के मात्रा लगाके पूरा करव

सब	कला	रल	ठला
खत	खल	तल	सठ

गतिविधि

1. चित्र देखकर पढ़ो और समझो –

'े' की मात्रा –

सरकस

l j d l

l

सेब

ls c

से

रथ

j Fk

j

रेल

js y

रे

ठठेरा

B Bs jk

B

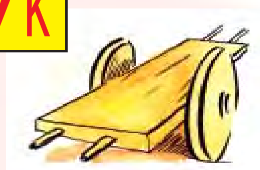

ठेला

Bs yk

ठे

2. इन शब्दों पर 'े' की मात्रा लगाकर पूरा करो –

सब	कला	रल	ठला
खत	खल	तल	सठ

3. फोटू ला देख के पढ़व –

' ै ' की मात्रा

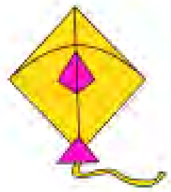

i r x

पतंग i

i j

पै

पैर (गोड़)

c V u

बटन (गुदाम) c

c y

बै बैल (बइला)

e V dk

मटका e

e uk

मै मैना

4. पूरा करव –

पर बल मना पसा

5. ' ै ' के मात्रा लगा के लिखव अउ पढ़व –

कसा	–	कैसा	बठा	–	–––––––
मना	–	–––––	रना	–	–––––––
सर	–	–––––	जसा	–	–––––––

3. चित्र देखकर पढ़ो –

'ै' की मात्रा

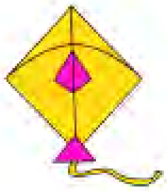

पतंग

i r x

i

पैर

i j

पै

बटन

c V u

c

बैल

c y

बै

मटका

e V dk

e

मैना

e uk

मै

4. पूरा करो –

पर   बल   मना   पसा

5. 'ै' की मात्रा लगाकर लिखो और पढ़ो –

कसा	–	कैसा	बठा	–	––––––
मना	–	–––––	रना	–	–––––––
सर	–	–––––	जसा	–	–––––––

6. पढ़व अउ समझव–

मेला

①

②

6. पढ़ो और समझो –

मेला

1

2

3

नेहा, ठेला मा जलेबी बनत हे।
दीदी, केरा लेना हे।

4

नेहा, मोला कपड़ा बिसाना हे।
दीदी, पनही लेना हे।
बेला हा कपड़ा अउ नेहा हा भाई बर पनही बिसाथे।

5

चलव, अब घर जाबोन।
सबोझन बस मा बइठ के खुसी–खुसी घर जाथें।

3

नेहा, ठेले में जलेबी बन रही है।
दीदी, केला लेना है।
जलेबी और केला खरीदते हैं।

4

नेहा, मुझे कपड़े खरीदने हैं।
दीदी, जूता लेना है।
बेला ने कपड़े और नेहा ने भाई के लिए जूते खरीदे।

5

चलो अब घर चलते हैं।
सभी बस में बैठकर खुशी–खुशी घर जाते हैं।

7. चलो मेला चलबो –

जिनिस	तुमन बिसाहू	नइ बिसावन
मोटर–कार		
जलेबी		
पुतरी		
फुग्गा		
कपड़ा		
मोबाइल		
समोसा		
चप्पल		

7. चलो मेला चलें –

2HWD87

चीजें	तुम खरीदोगे	नहीं खरीदोगे
मोटर कार		
जलेबी 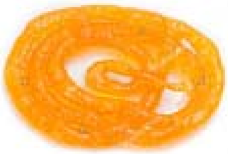		
गुड़िया		
गुब्बारा		
कपड़ा		
मोबाइल		
समोसा 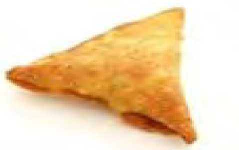		
चप्पल		

पाठ–14

ओढ़नी

बूढ़ी दाई गजब मयारू,
रेंगे हरदम छत्ता तान।
घर अँगना मा किंजरत रहिथे,
शाल–ओढ़नी हे पहिचान।
धनुष–बान, डमरू ले खेले,
अउ छेड़े मुरली के तान।
कान मा मीठ मिसरी घोरे,
बूढ़ी दाई हे औरत के सान।

पाठ–14

ओढ़नी

मेरी दादी बड़ी निराली,
हरदम चलती छतरी तान।
घर आँगन में घूमा करती,
शाल–ओढ़नी है पहचान।
धनुष–बाण, डमरू से खेले,
और छेड़े मुरली की तान।
कान में मीठी मिसरी घोले,
दादी है औरत की शान।

गतिविधि

1.फोटू मन ला देख के पढ़व अउ समझव–

ओढ़नी, औरत, डमरू, धनुष, घड़ी, छतरी

vk

ओढ़नी

vk	<	uh

vk

vk	j	r

औरत

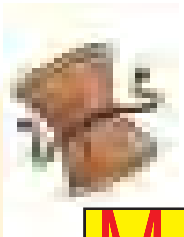

डमरू

M

M	e	:

/k

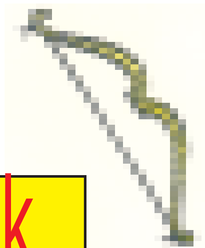

/k	u	"k

धनुष

घड़ी

?k

?k	Mh

N

N	r	jh

छतरी

छत्ता

गतिविधि

1. चित्र देखकर पढ़ो और समझो –

ओढ़नी, औरत, डमरू, धनुष, घड़ी, छतरी

vk

ओढ़नी

vk	<	uh

vk

vk	j	r

औरत

M

डमरू

M	e	:

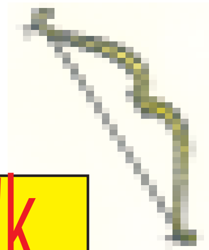

/k

/k	u	"k

धनुष

?k

घड़ी

?k	Mh

N

N	r	jh

छतरी

2. दे गे वर्ण मन के अधार मा शब्द मन के पहिचान करव –

ओ – ओखली, ओढ़नी, धागा, घर, ओला

औ – छतरी, औरत, घड़ी, औजार, औषधि

ड – छगन, डगर, छाल, डफली, डमरू

घ – औलाद, घर, घना, मछली, अधर

2. दिए गए वर्णों के आधार पर शब्दों की पहचान करो –

ओ – ओखली, ओढ़नी, धागा, घर, ओला

औ – छतरी, औरत, घड़ी, औजार, औषधि

ड – धान, डगर, छाल, डफली, डमरू

घ – औलाद, घर, घना, मछली, अधर

2NF5BH

पाठ–15

खेलौना वाले

चलव खेलौना खेलन हम
हाथी भालू ले लन हम।
कूँची वाले कउँआ, मोर
फुदकत रहिथे चहूँ ओर।

मोनू हाँका पारत आईस
बेलना–पिढ़हा ले लो भाई।
जोक्कड़ वाले टोपी लेलव
मंजा ले के तुम सब खेलव।

पाठ–15

खिलौनेवाला

चलो खिलौने खेलें हम,
हाथी, भालू ले लें हम।
चाबी वाले कौआ, मोर,
फुदक रहे हैं चारों ओर।

मोनू ने आवाज लगाई,
चौकी–बेलन ले लो भाई।
जोकर वाली टोपी ले लो,
खूब मजे से तुम सब खेलो।

गतिविधि

1. फोटू ला देख के पढ़व अउ समझव –

' ो ' की मात्रा –

मटर (बटरा)

e V j

e

मोर (मंजूर)

ek j

ek

जग

t x

t

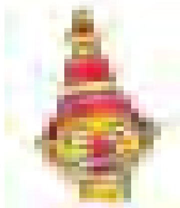

जोकर (जोक्कड़)

tk d j

tk

चना

p uk

p

चौकी

pk dh

pk

गतिविधि

1. चित्र देखकर पढ़ो और समझो –

मटर

e V j

e

' ो ' की मात्रा –

मोर

ek j

ek

जग

t x

t

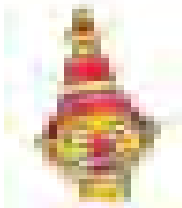

जोकर

tk d j

tk

चना

p uk

p

चौकी

pk dh

pk

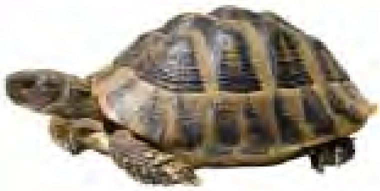

कछुआ

| d | Nq | vk |

d

कौआ (कउँआ)

| dk | vk |

dk

2. फोटू मन के नाव के पहिली अक्षर लिखव–

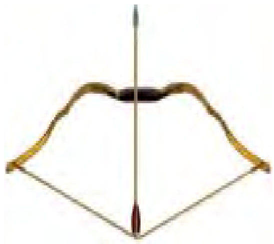

______ ______ ______ ______ ______

3. शब्द बना के लिखव अउ पढ़व–

ek
Hkk — j
'kk

______
______
______

कछुआ

d	N	vk

d

कौआ

dk	vk

dk

2. चित्रो के नाम का शुरू अक्षर लिखो–

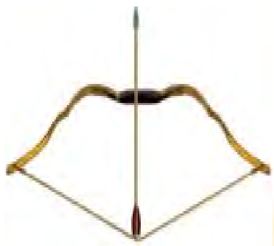

______ ______ ______ ______ ______

3. शब्द बनाकर लिखो और पढ़ो –

ek

Hkk → j

'kk

____

____

____

pkSS
HkkSS — dh ______
ykSS

______

______

4. फोटू मन के नाव लिखके वाक्य पूरा करव –

	नोनी के छत्ता	
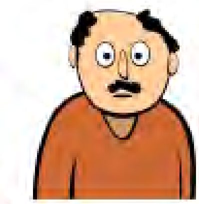	______ के ______	
	______ के ______	
	______ के ______	
	______ के ______	

pkSS
HkkSS ——— dh ___________
ykSS

____

____

4. चित्रों का नाम लिखकर वाक्य पूरा करो–

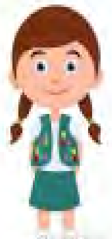 लड़की का छाता

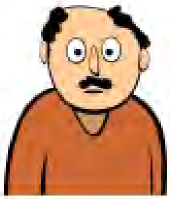 ___________ का ___________

___________ का ___________

___________ का ___________

___________ का ___________

5. कोन काखर ले बने हे –

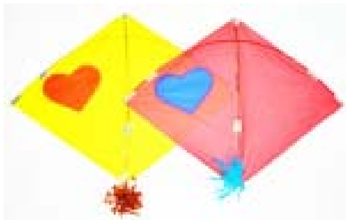

लकड़ी	कागद	प्लास्टिक/रबर

6. खाली जघा मा सही वर्ण लिखव –

— e	e — dk	xe —
—uh	xk — j	va—j
Nr —	—e :	gk—
e—j	fx — l	uk— ; y
—yk	—y	/kuq —

निर्देश :–शिक्षक/शिक्षिकाएँ बच्चों के परिवेश में खेले जाने वाले खेल और खिलौनों के विषय पर चर्चा करें और स्कूल में खेलने का मौका दें।

5. कौन किससे बना –

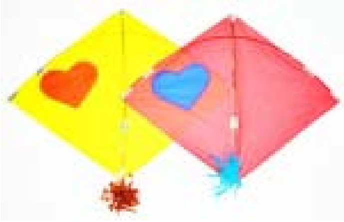

लकड़ी	कागज	प्लास्टिक/रबर

6. खाली जगह पर सही वर्ण लिखो–

— e	e — dk	xe —
—uh	xk — j	v। — j
Nr —	—e :	gk —
e — j	fx — l	uk — ; y
—yk	—y।	/ku। —

निर्देश :– शिक्षक/शिक्षिकाएँ बच्चों के परिवेश में खेले जाने वाले खेल और खिलौनों के विषय पर चर्चा करें और स्कूल में खेलने का मौका दें।

पाठ–16

झंडा

ये हे हमर झंडा,
कहिथे ऐला तिरंगा।
झंडा देश के शान हे,
हम सब के पहिचान हे,

चलव मनावन एखर तिहार,
ऐला करन जय जोहार।

पाठ–16

झंडा

ये है अपना झंडा,
कहते इसे तिरंगा।
झंडा देश की शान है,
हम सबकी पहचान है।
हम सब हँसते–हँसते,
इसको करें नमस्ते।

गतिविधि

1. फोटू ला देख के पढ़व अउ समझव –

अंगूर, झंडा, यज्ञ, थन, षटकोण, ढपली

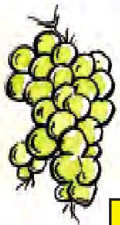

अं

अंगूर

v | x | j

झ

> | Mk

झंडा

य

यज्ञ

; | K

थ

Fk | u

थन

ष

षटकोण

"k | V | dk | .k

ढ

ढपली

< | i | yh

गतिविधि

1. चित्र देखकर पढ़ो और समझो –

अंगूर, झंडा, यज्ञ, थन, षटकोण, ढपली

अं

अंगूर

v	x	j

झ

झंडा

>	Mk

य

यज्ञ

;	K

थ

थन

Fk	u

ष

षटकोण

"k	V	dk	.k

ढ

ढपली

<	i	yh

2. शब्द ला फोटू ले मिलावव –

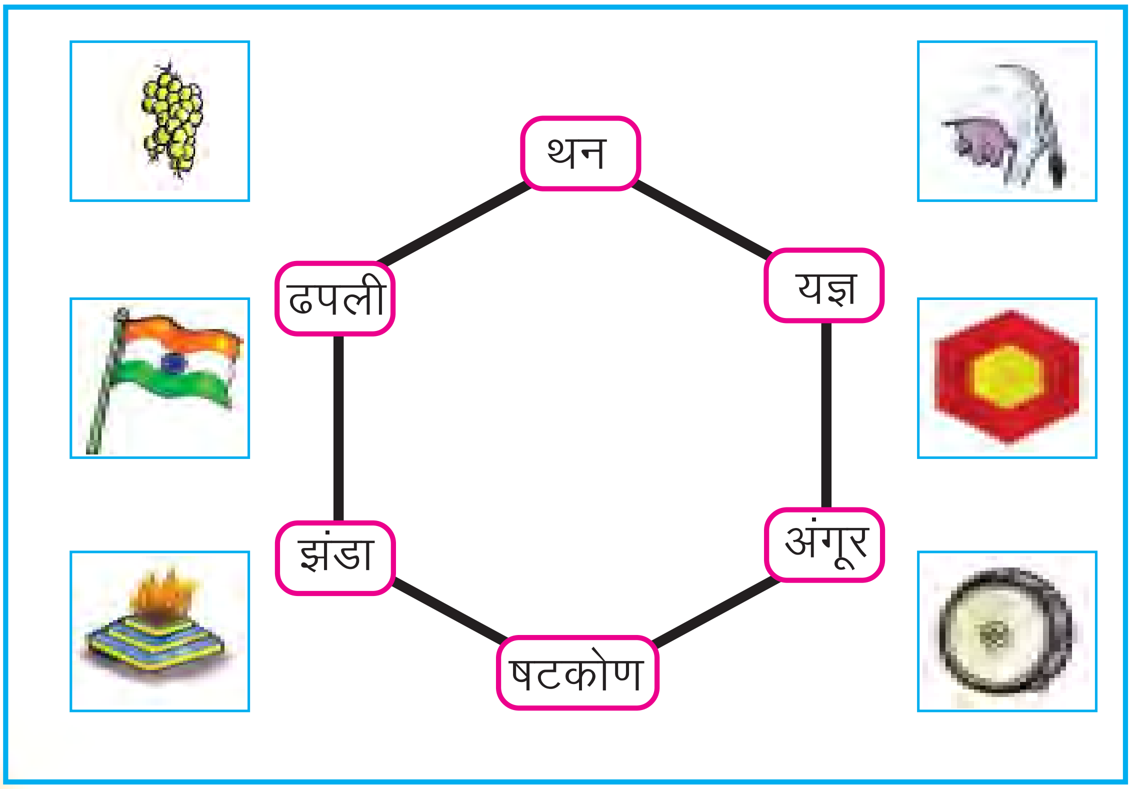

3. बोल के पढ़व–

य	थ	ढ	अं	ष	ज्ञ
ष	झ	अं	य	थ	द
य	प	ध	थ	ड	ढ
अ	अं	ष	ब	ज्ञ	इ

2. शब्द का चित्र से मिलान करो –

थन

यज्ञ

अंगूर

षटकोण

झंडा

ढपली

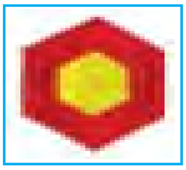
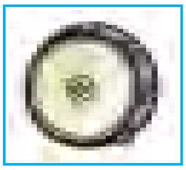

3. बोलकर पढ़ो –

य	थ	ढ	अं	ष	ज्ञ
ष	झ	अं	य	थ	द
य	प	ध	थ	ड	ढ
अ	अं	ष	ब	ज्ञ	इ

4. संजना इस्कूल ले अपन घर जावत हे। बतावव ओला रद्दा में का–का दिखिस –

ढपली

यज्ञ

षटकोण

झंडा

अंगूर

लइका मन ला, नाँव पढ़े मा मदद करव

5. तिरंगा झंडा मा तीन रंग होथे–

केसरिया

सफेद/सादा

हरियर

खाल्हे बने फोटू मा तिरंगा के आने–आने रंग ला भरके ओखर रंग के नाव ला लिखव

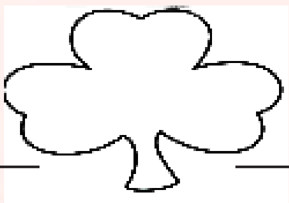

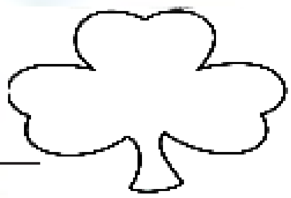

4. संजना स्कूल से अपने घर जा रही है बताओ उसे रास्ते में क्या क्या दिखा–

ढपली

यज्ञ

षटकोण

झंडा

अंगूर

बच्चों को नाम पढ़ने में मदद करें।

5. तिरंगे झंडे के तीन रंग हैं–

केसारिया   सफेद   हरा

नीचे बनी आकृति में तिरंगे के अलग अलग रंग भरकर उनके रंगो के नाम लिखो।

6. कइसन–कइसन रंग –

मिट्ठू/सुआ

पट्टी

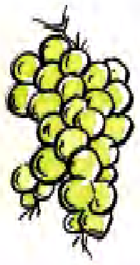

अंगूर

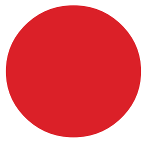

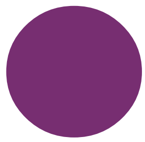

सेवफल

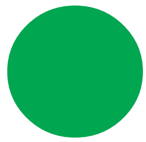

पताल

लाड़ू

भाँटा

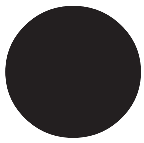

खीरा

भाजी

बच्चों को विभिन्न रंगों के नीचे उन रंगो वाली चीजों के नाम लिखने को कहें।

6. कैसे–कैसे रंग –

तोता

स्लेट

अंगूर

सेब

टमाटर

लड्डू

भटा

भाजी

खीरा

बच्चों को विभिन्न रंगो के नीचे उन रंगो वाली चीजों के नाम लिखने को कहें।

7. फोटू ला चिन्ह के नाव लिखव –

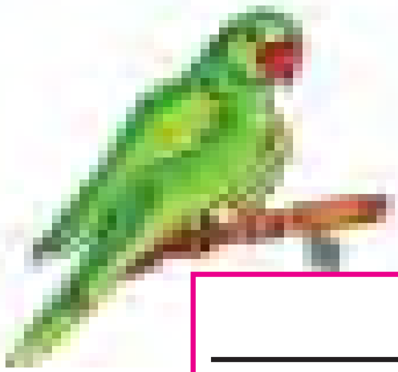

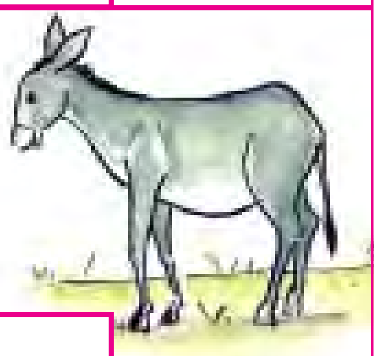

7. चित्र पहचानकर नाम लिखो –

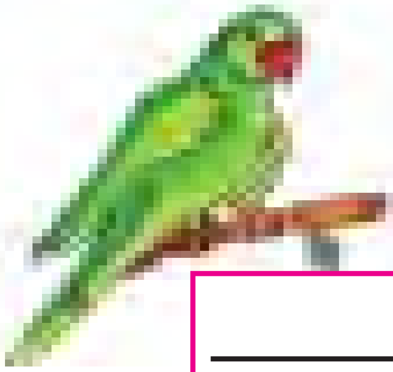

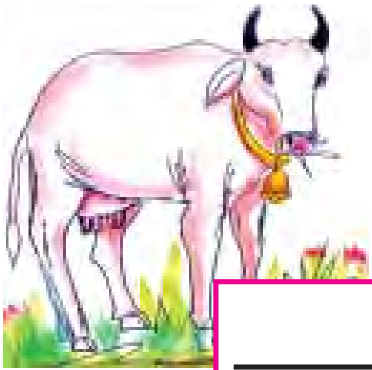

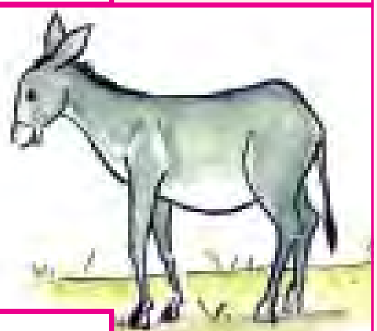

पाठ–17

बेंदरा अउ चिटरा

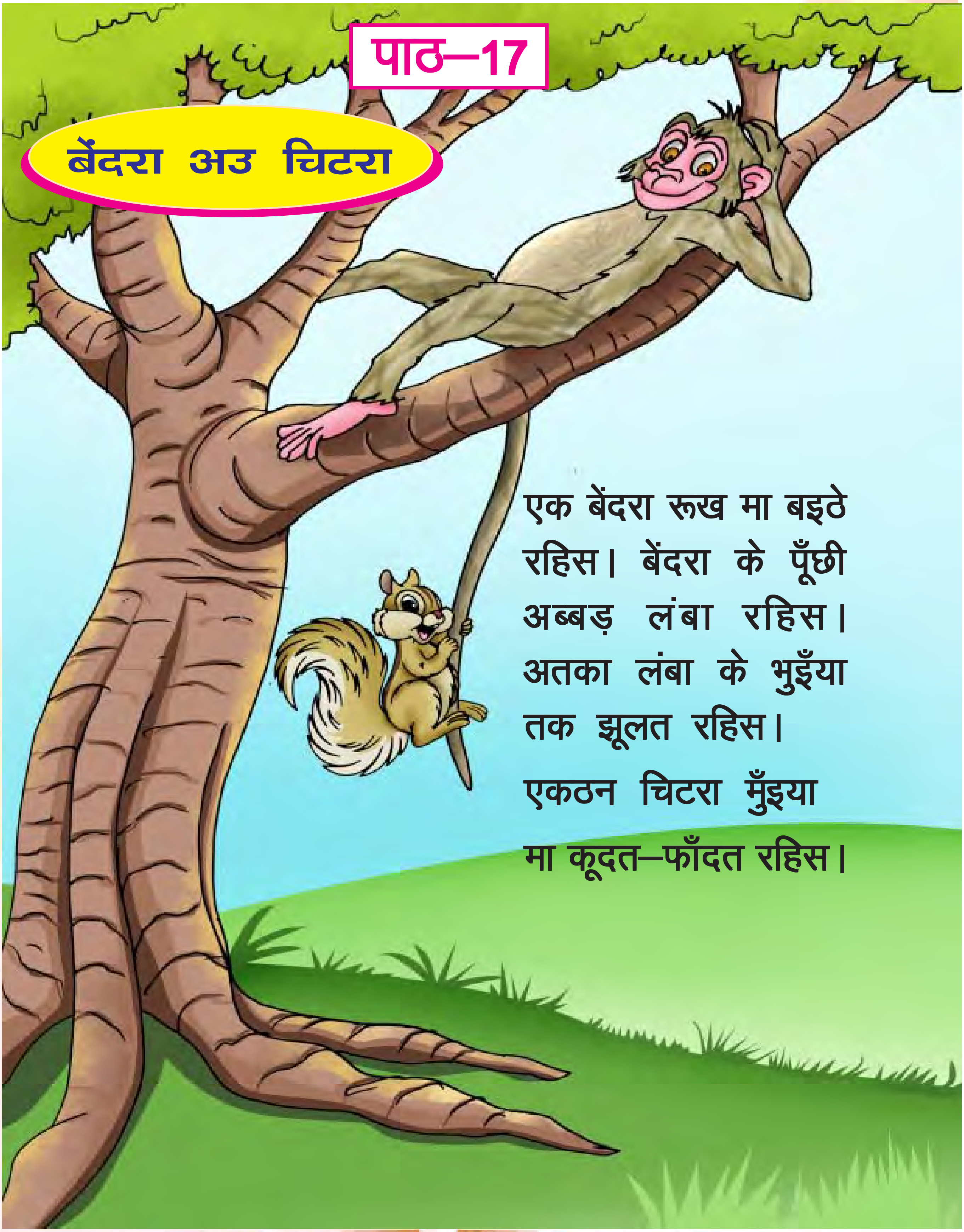

एक बेंदरा रूख मा बइठे रहिस। बेंदरा के पूँछी अब्बड़ लंबा रहिस। अतका लंबा के भुइँया तक झूलत रहिस।

एकठन चिटरा मुँइया मा कूदत–फाँदत रहिस।

पाठ–17

बंदर और गिलहरी

एक बंदर पेड़ पर बैठा था। बंदर की पूँछ बहुत लंबी थी। इतनी लंबी थी कि जमीन तक लटक रही थी। एक गिलहरी जमीन पर उछल–कूद कर रही थी।

vuHkkjgk vkyk iqNh fnf[kl A vks gk lksfpl ;s >qyuk dgkq ys vk xs \ vHkh Fkkjfdu igyh r ;gk ub jfgl A vks iqNh ek p<ds >qys yfx l A cqnjk yk xqnxqnh yfx l A vks gk [kkYgs nf[k l A vks gkq l ds dfg l] cfguh fpVjk ! ;s dk djr gl \ ekyk xqnxqnh ykxr gA fpVjk >>fdl & cqnjk Hkk;k ;s rs vl \ es rks rkj iqNh yk >qyuk tku ds >qyr jgsoA vCcM+ ersk vkor jfgl A

vm fpVjk gkql r&gkql r :[k ds [kk/kk ek p?k xA

अचानक उसे पूँछ दिखाई दी। उसने सोचा–यह झूला कहाँ से आ गया ? थोड़ी देर पहले तो नहीं था। वह पूँछ पर चढ़कर झूलने लगी। बंदर को गुदगुदी हुई। उसने नीचे देखा। वह हँस कर बोला–बहन गिलहरी ! यह क्या कर रही हो ? मुझे गुदगुदी हो रही है। गिलहरी चौंकी–बंदर भैया, यह तुम हो? मैं तो तुम्हारी पूँछ को झूला समझकर झूल रही थी। बड़ा मजा आ रहा था।

और गिलहरी हँसती हुई पेड़ की डाली पर चढ़ गई।

गप्प

बेंदरा के पूंछी लाम रहिस, अतका लाम रहिस,
अतका लाम रहिस, जइसन सड़क
मुसवा के मेंछा अतका घमघम ले रहिस,अतका घमघम ले रहिस,
अतका घमघम ले रहिस, जइसन ....

भलुवा अतका मोठ रहिस, अतका मोठ रहिस,
अतका मोठ रहिस , जइसन ....
ऊँट अतका ऊँच रहिस, अतका ऊँच रहिस ,
अतका ऊँच रहिस, जइसन ....

मुसवा अतका नानचुन रहिस, अतका नानचुन रहिस ,
अतका नानचुन रहिस, जइसन ....
कुकुर के पूँछी अतका टेढ़गा रहिस, अतका टेढ़गा रहिस,
अतका टेढ़गा रहिस, जइसन ....

कोयली के .... अइसन .... रहिस,
अइसन ....रहिस, जइसन .... ।

गप्पें

बंदर की पूँछ लंबी थी, इतनी लंबी थी,
इतनी लंबी जैसे सड़क
चूहे की मूँछ इतनी घनी थी, इतनी घनी थी,
इतनी घनी थी जैसे .... ।

भालू इतना मोटा था, इतना मोटा था,
इतना मोटा था जैसे .... ।
ऊँट इतना ऊँचा था, इतना ऊँचा था,
इतना ऊँचा था जैसे .... ।

चुहिया इतनी छोटी थी, इतनी छोटी थी,
इतनी छोटी थी जैसे .... ।
कुत्ते की पूँछे इतनी टेढ़ी थी, इतनी टेढ़ी थी,
इतनी टेढ़ी थी जैसे .... ।

कोयल की .... इतनी ....थी..................................
....................जैसे .... ।

गतिविधि

1. लइका मन संग गोठ–बात करव –

1. तुमन बहुत अकन जिनिस खाथो, जइसे दूध–भात, संतरा, केरा। एखर छोड़े तुमन अउ का–का खाथो ?

....

....

....

2. चिटरा का–का खाथे ?

....

....

....

3. बेंदरा का–का खाथे ?

....

....

....

गतिविधि

1. बच्चों से बातचीत करें –

1. तुम बहुत सारी चीजें खाते हो, जैसे दूध–भात, संतरा, केला। इनके अलावा तुम और क्या–क्या खाते हो ?

....

....

....

2. गिलहरी क्या –क्या खाती है ?

....

....

....

3. बंदर क्या–क्या खाता है ?

....

....

....

2. जानवर मन मा कोन–कोन कुदा–फाँदी करत होही ?

गइया	बघवा	गदहा	चिटरा	हाथी
भठेलिया / खरहा,	बिलई	मुसवा	कुकुर	ऊँट

कुदा–फाँदी करथें	कुदा–फाँदी नइ करें
....	....
....	....
....	....
....	....

3. तुमन ये जानवर मन ला कहाँ देखे हव ?
ये जानवर मन ला तुँहर अपन भाखा मा का कहिथे?

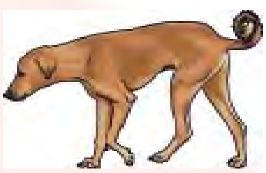
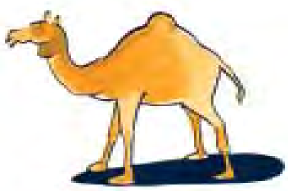
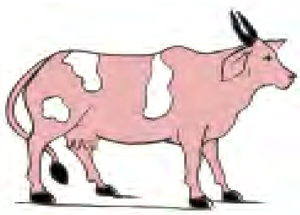

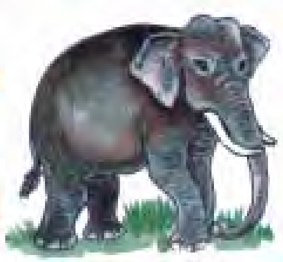

2. जानवरों में कौन–कौन उछल–कूद करता होगा?

2PZFLD

गाय	शेर	गधा	गिलहरी
हाथी	खरगोश	बिल्ली	चूहा
कुत्ता	ऊँट		

उछल–कूद करते हैं	उछल–कूद नहीं करते
....	....
....	....
....	....
....	....

3. तुमने इन जानवरों को कहाँ देखा है ? इन जानवरों को तुम्हारी भाषा में क्या कहते हैं ?

पाठ–18

हलीम चलिस चंदा मा

पाठ–18

हलीम चला चाँद पर

2Q9BN1

चलत–चलत अंधियार होगे।
हमील डर्राय लगिस।
ओ हा चंदा तक जाये के रद्दा
जानत नइ रहिस।

थोरकेच मा ओ हा
चंदा देखिस अउ
ओ हा खुस हो गे।

चलते–चलते अँधेरा हो गया।
हलीम को डर लगने लगा।
उसको तो चाँद तक का
रास्ता पता नहीं था।

थोड़ी देर में उसने
चाँद देखा और
वह खुश हो गया।

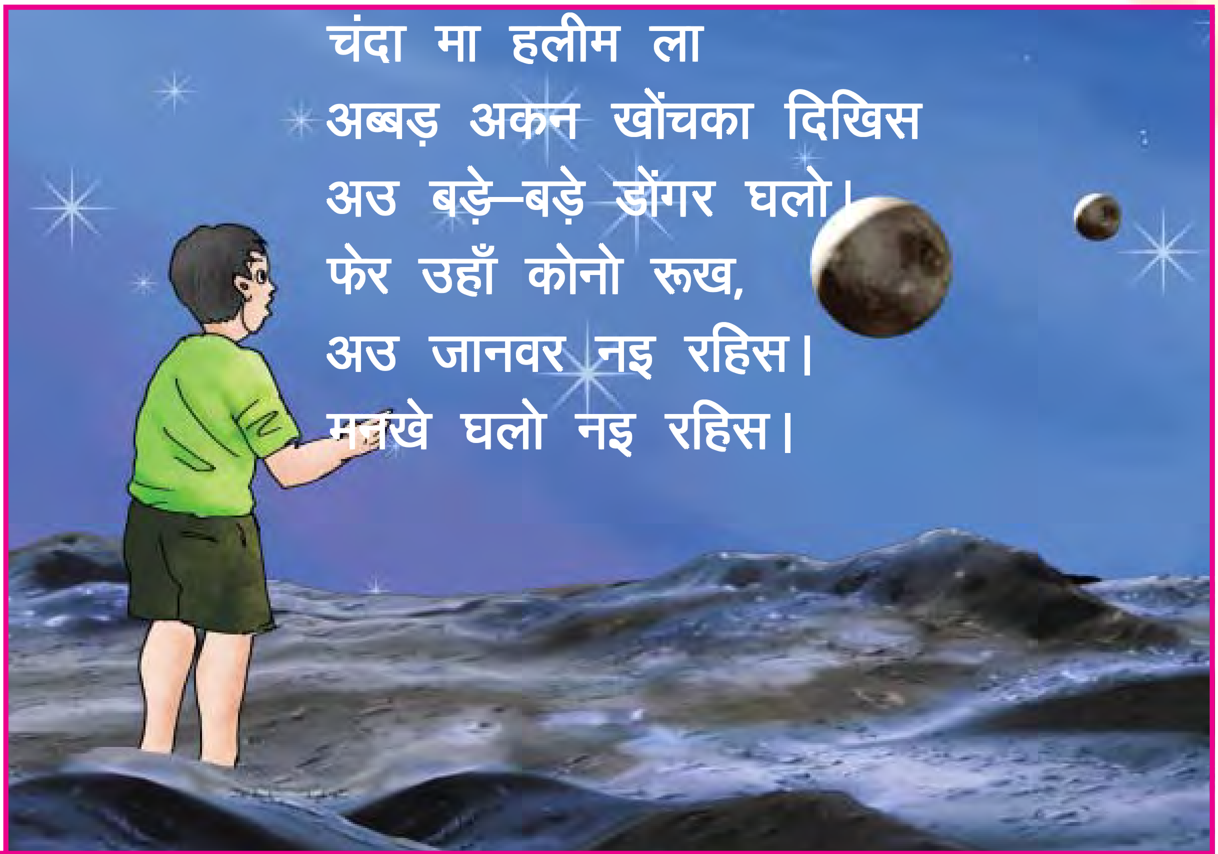
चंदा मा हलीम ला
अब्बड़ अकन खोंचका दिखिस
अउ बड़े–बड़े डोंगर घलो।
फेर उहाँ कोनो रूख,
अउ जानवर नइ रहिस।
मनखे घलो नइ रहिस।

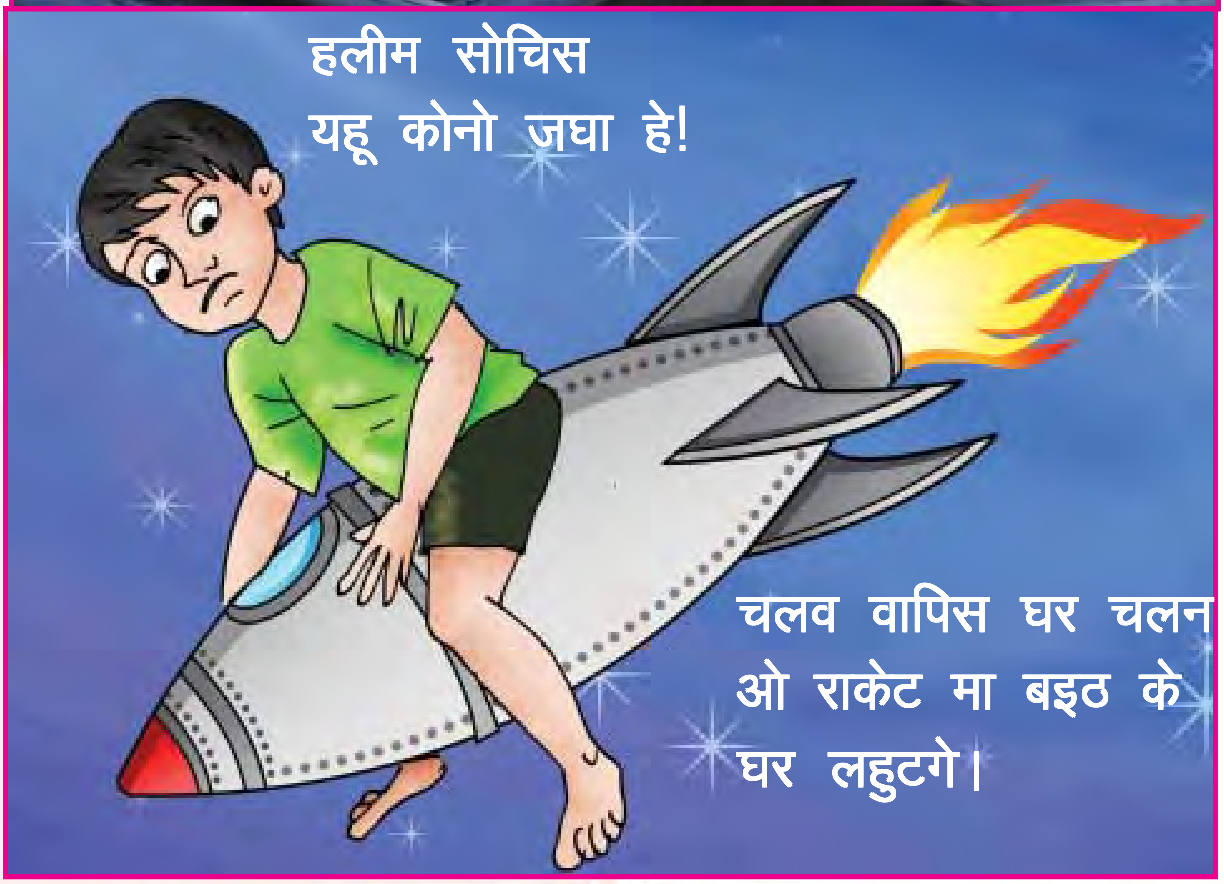
हलीम सोचिस
यहू कोनो जघा हे!
चलव वापिस घर चलन
ओ राकेट मा बइठ के
घर लहुटगे।

चाँद पर हलीम को
खूब सारे गढ्डे दिखे
और बड़े–बड़े पहाड़
भी। लेकिन वहाँ कोई
पेड़ या जानवर नहीं
थे। लोग भी नहीं।

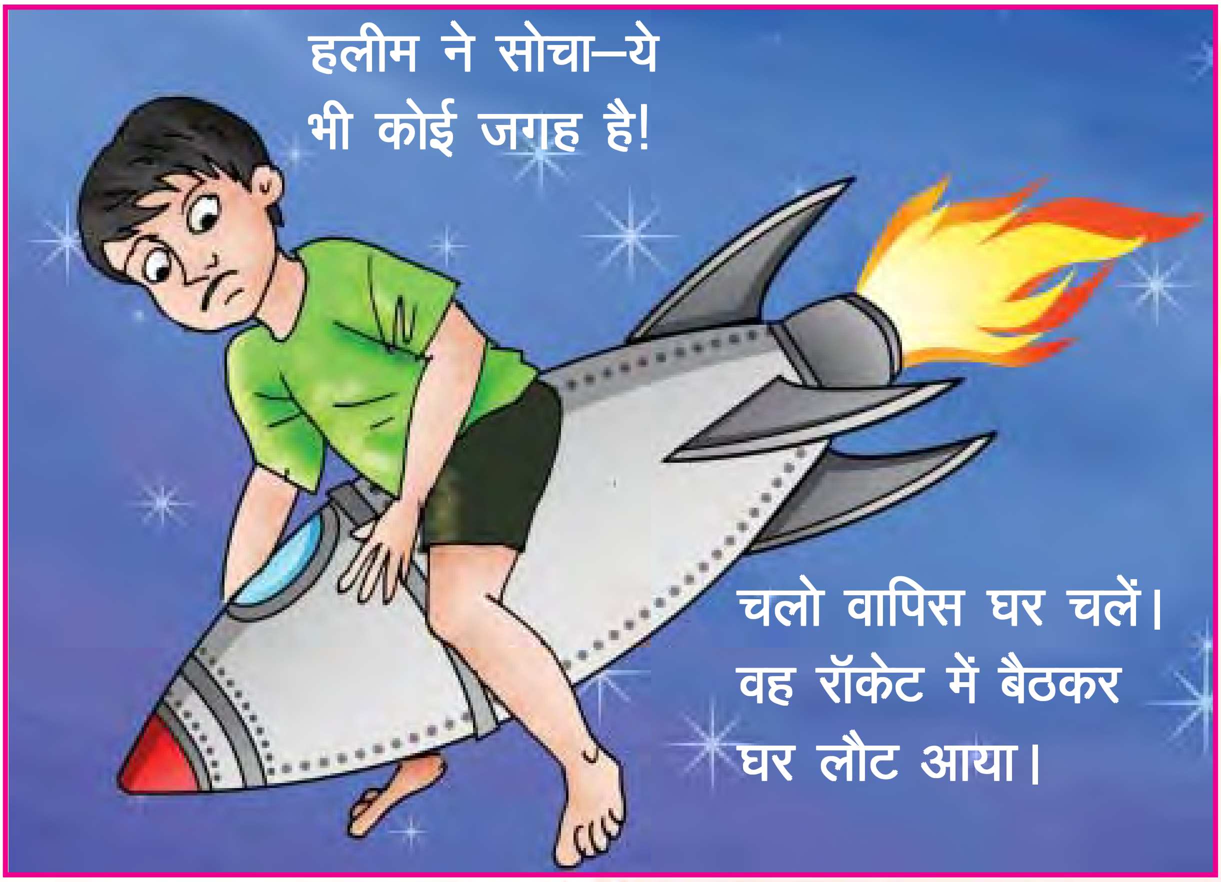
हलीम ने सोचा–ये
भी कोई जगह है!
चलो वापिस घर चलें।
वह रॉकेट में बैठकर
घर लौट आया।

गतिविधि

1. लइका मन संग गोठ–बात करव –

1. हलीम ला रद्दा मा का–का दिखिस होही ?

....

....

....

....

2. हलीम हा चंदा मा जाये बर चाहत रहिस। तुमन हा कहाँ जाना चाहहू अउ कइसे जाहू ?

कहाँ	कइसे

गतिविधि

1. बच्चों से बातचीत करो –

1. हलीम को रास्ते में क्या–क्या दिखा होगा ?

....

....

....

....

2. हलीम चाँद पर जाना चाहता था। तुम कहाँ जाना चाहोगे और कैसे जाओगे ?

कहाँ	कैसे

3. हलीम ला अंधियार ले डर लगत रहिस। तुमन ला कब–कब डर लगथे ?

....

....

4. फेर तुमन का करथो ?

....

....

2. चंदा अउ सुरुज के फोटू बनावव –

3. हलीम को अँधेरे से डर लगता था।
तुम्हें कब–कब डर लगता है ?

....

....

4. फिर तुम क्या करते हो ?

2QI7PN

....

....

2. चाँद और सूरज का चित्र बनाओ–

पाठ–19

दऊड़

आज दऊड़ के दिन रहिस।

मुरई, गाजर, अउ मिरचा दऊड़े बर तियार रहिन।

तुमा ला देख के सब्बो झन ठठ्ठा मड़ाए लगिन।

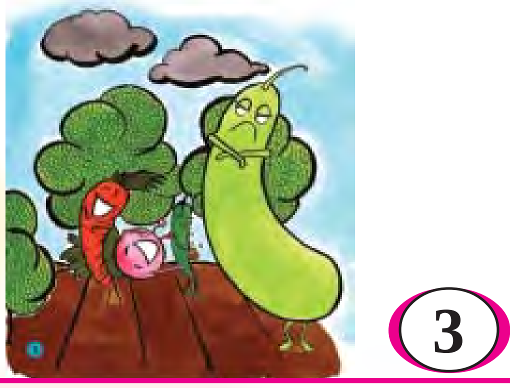

तूमा बोलिस –"महिच जीतहूँ।" मुनगा किहिस– "फैसला त मोला ही करना हे।

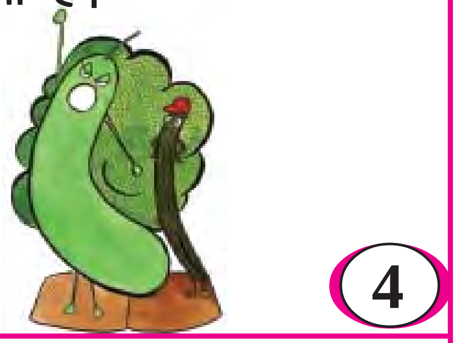

तभे अब्बड़ पानी गिरे लगिस। सब्बो झन चिखला मा बिछलिन, गिरे लगनि।

तुमा टिंग टिंग आघू चलिस। ओ हा दऊड़ जीत गे।

2QS3RB

पाठ–19

दौड़

आज दौड़ का दिन था।

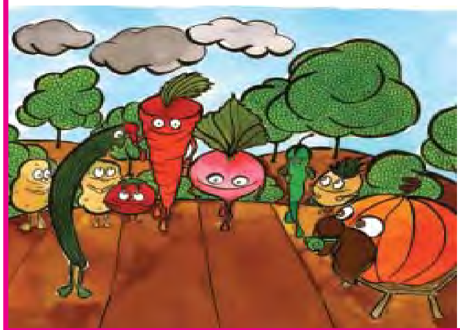

1

मूली, गाजर और मिरची दौड़ने को तैयार थे।

2

लौकी को देखकर सभी मजाक करने लगे।

3

लौकी बोली–"मैं ही जीतूँगी।" मुनगा ने कहा – "फैसला तो मुझे ही करना है।"

4

तभी तेज बारिश हुई। सभी कीचड़ में फिसले, गिरने लगें।

5

लौकी धीरे–धीरे आगे चली। वह दौड़ जीत गई।

6

गतिविधि

1. दउड़ मा जेन साग–भाजी मन हा भाग ले रहिन ओखर फोटू ला चिन्ह के ओखर नाव अपन भाखा मा लिखव–

____________	____________	____________	____________
____________	____________	____________	____________
____________	____________	____________	____________

2 लिखव –

क
छ
घ
ब — ड़ी
जो
पू

.... कड़ी ....

....

....

....

....

....

गतिविधि

1. दौड़ में जिन सब्जियों ने भाग लिया उनके चित्रों को पहचानकर उनके नाम अपनी मातृभाषा में लिखो–

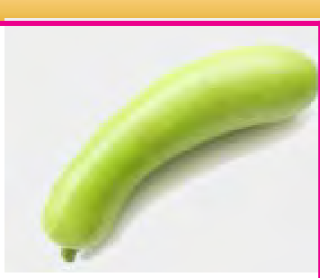 ____________	____________	____________	____________
____________	____________	____________	____________
____________	____________	____________	____________

2 लिखो –

क .... कड़ी ....

छ ....

घ ....

ब ड़ी ....

जो ....

पू ....

3 पढ़व –

मेकरा–ककड़ी–लकड़ी

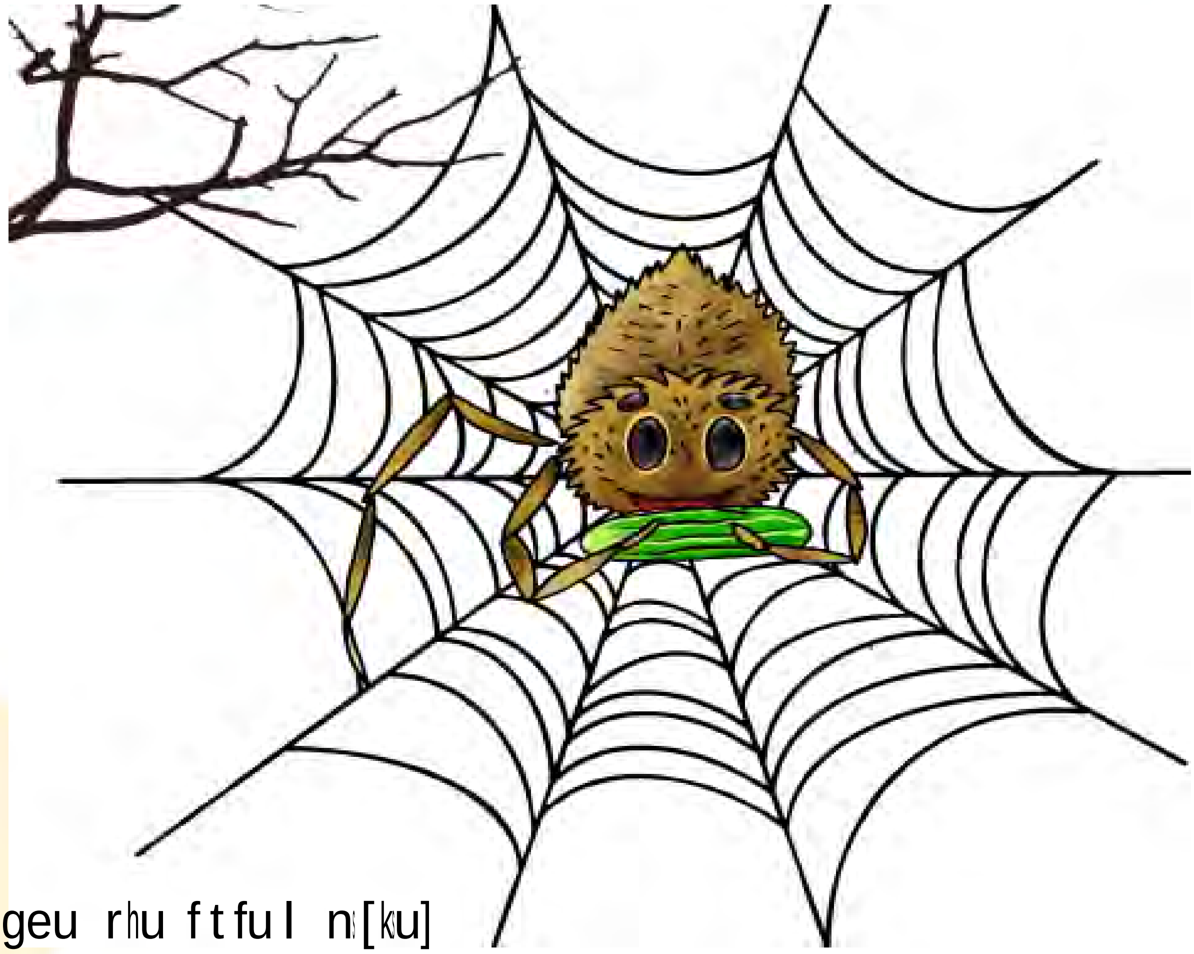

geu rhu ftfu l n[ku]
cck rhu ftfu l n[kuA

,d Mkjk ek jfg l g edMh]
ydMh ek cbB jfg l g edMh]
edMh [kkor jfg l ddMhA

ydMh] edMh] ddMh]
edMh] ddMh] ydMh]
ddMh] ydMh] edMkA

3 पढ़ो –

मकड़ी–ककड़ी–लकड़ी

हमने तीन चीज़ें देखीं,
दादा तीन चीज़ें देखीं।

एक डाल पर थी इक मकड़ी,
लकड़ी पर बैठी थी मकड़ी,
मकड़ी खा रही थी ककड़ी।

लकड़ी, मकड़ी ककड़ी,
मकड़ी, ककड़ी, लकड़ी,
ककड़ी, लकड़ी, मकड़ी।

geu rhu ftful ns[ksu]

cck rhu ftful ns[ksuA

,d [ksr ek Fkksjfdu ckyw]

ckyw Hkkyw cbBs jfgl Hkkyw]

Hkkyw [kkor jfgl ckywA

ckyw] Hkkyw] vkyw]

Hkkyw] vkyw] ckyw

vkyw] ckyw] HkkywA

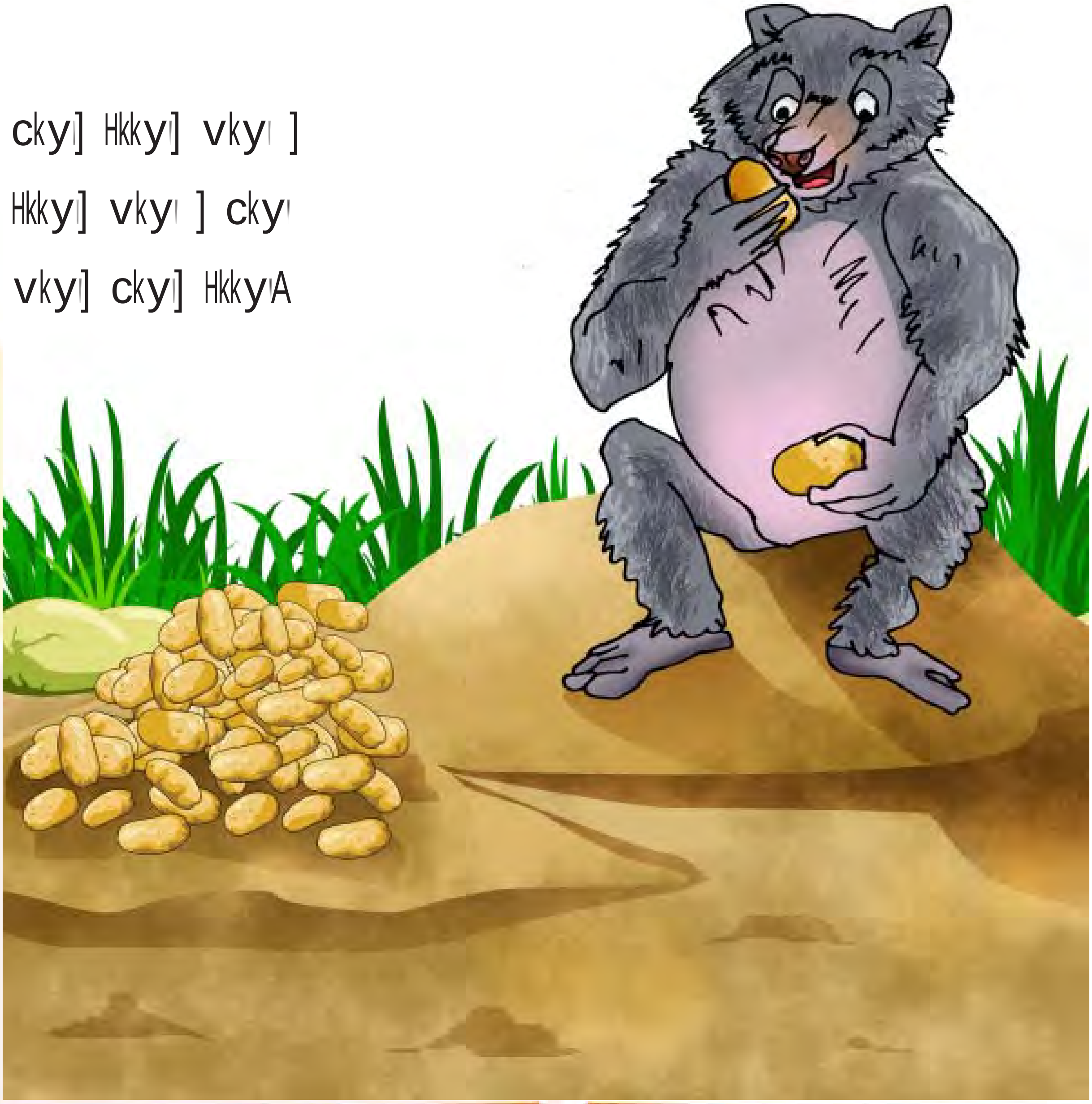

हमने तीन चीज़ें देखीं,
दादा तीन चीज़ें देखीं।

2R1YSY

एक खेत में थी कुछ बालू,
बालू पर बैठा था भालू,
भालू खा रहा था आलू।

बालू, भालू, आलू,
भालू, आलू, बालू,
आलू, बालू, भालू।

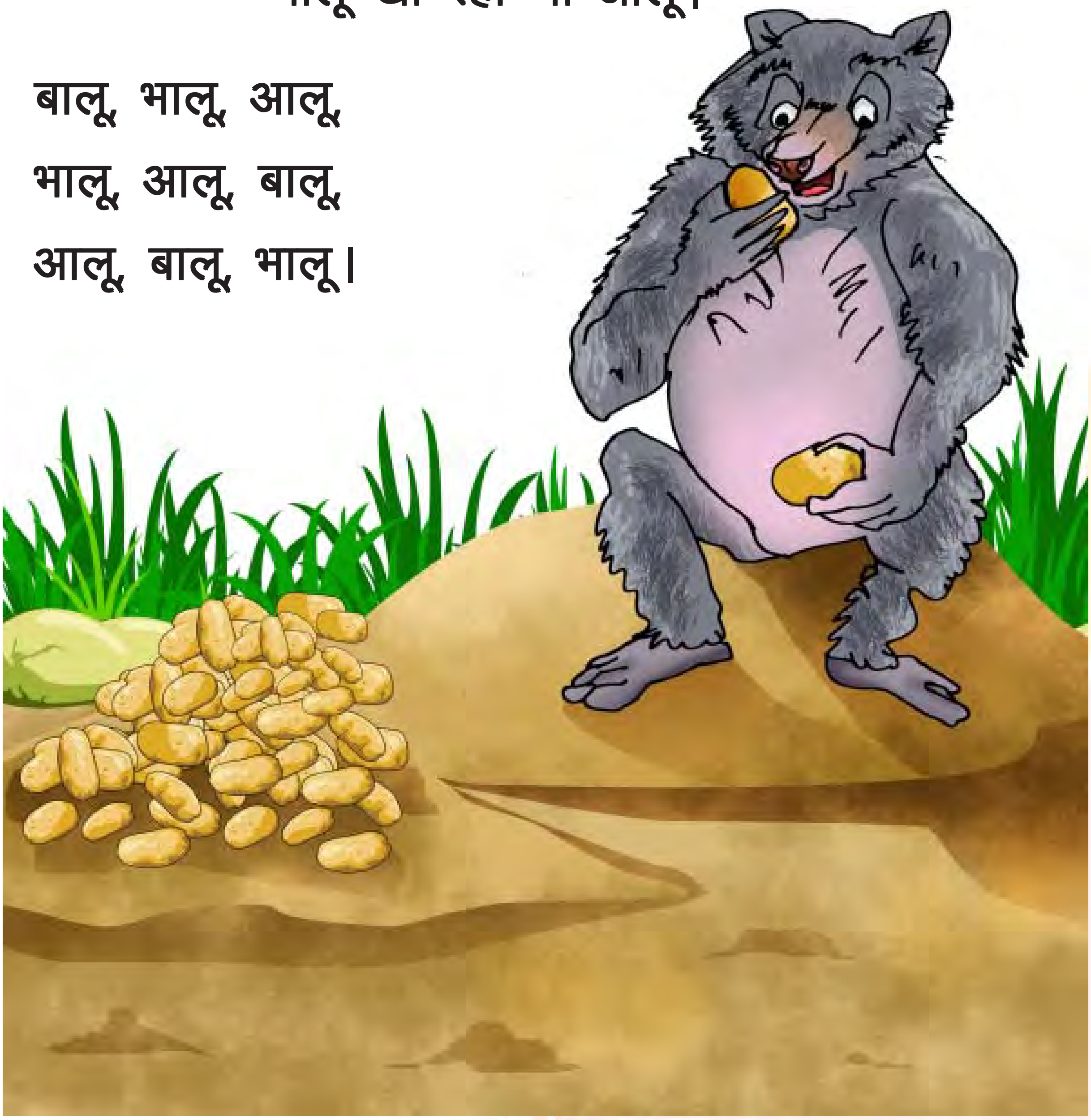

पाठ–20

एमन ला घलो जानव –

श

शलजम (सलजम)

श ल ज म

क्ष

क्षत्रिय (छत्रिय)

क्ष त्रि य

त्र

पत्र (चिट्ठी)

प त्र

ज्ञ

ज्ञा नी

ज्ञानी (गियानी)

ड़

जड़ (जर)

ज ड़

ढ़

ग ढ़

गढ़

ऋ

ऋषि (रिसि)

ऋ षि

श्र

श्रमिक (मजदूर)

श्र मि क

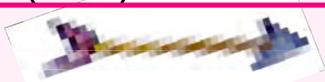

ण

बा ण

ङ

अः

ञ

पाठ–20

इनको भी जानो –

श

शलजम

श ल ज म

क्ष

क्षत्रिय

क्ष त्रि य

त्र

पत्र

प त्र

ज्ञ

ज्ञानी

ज्ञा नी

ड़

जड़

ज ड़

ढ़

गढ़

ग ढ़

ऋ

ऋषि

ऋ षि

श्र

श्रमिक

श्र मि क

ण

बा ण

ङ

अः

ञ

गतिविधि

1. पढ़व अउ लिखव –

शलजम	क्षत्रिय	पत्र
–––––	––––	––––
ज्ञानी	जड़	गढ़
––––	––––	––––
बाण	ऋषि	श्रमिक
––––	––––	–––––

2. पहिचानव अउ गोल घेरा ◯ लगावव –

(श)	(श) लजम	(श) हद	तला (श)	कु (श) ल
क्ष	क्षत्रिय	अक्षर	शिक्षक	कक्ष
त्र	पत्र	मित्र	छात्र	चित्र
ज्ञ	ज्ञानी	यज्ञ	अज्ञान	विज्ञान
ड़	जड़	जड़ना	लड़की	गुड़िया
ढ़	गढ़	रायगढ़	पढ़ना	बुढ़िया

3. पढ़व –

श	क्ष	त्र	ज्ञ	ड़	ढ़
त्र	ढ़	श	ड़	क्ष	ज्ञ

गतिविधि

1. पढ़ो और लिखो –

शलजम	क्षत्रिय	पत्र
————	———	———
ज्ञानी	जड़	गढ़
———	———	———
बाण	ऋषि	श्रमिक
———	———	————

2. पहचानो और गोल घेरा ◯ लगाओ –

(श)	(श) लजम	(श) हद	तला (श)	कु (श) ल
क्ष	क्षत्रिय	अक्षर	शिक्षक	कक्ष
त्र	पत्र	मित्र	छात्र	चित्र
ज्ञ	ज्ञानी	यज्ञ	अज्ञान	विज्ञान
ड़	जड़	जड़ना	लड़की	गुड़िया
ढ़	गढ़	रायगढ़	पढ़ना	बुढ़िया

3. पढ़ो –

श	क्ष	त्र	ज्ञ	ड़	ढ़
त्र	ढ़	श	ड़	क्ष	ज्ञ

4 ' ृ ' के मात्रा –

वृ क्ष वृक्ष (रूख)

गृ ह गृह (घर)

मृग (हइरना)

मृ ग

कृषक (किसान)

कृ ष क

5. पढ़व –

1. कृषक फसल उगाता है।
2. बाग में वृक्ष लगे हैं।
3. वन में मृग चर रहे हैं।
4. रमा गृह में रहती है।
5. दूध अमृत के समान है।
6. मेरे पिता जी बड़े कृपालु हैं।

6. रास्ता खोजव –

चियाँ मन ला उँखर महतारी तक पहुँचावव

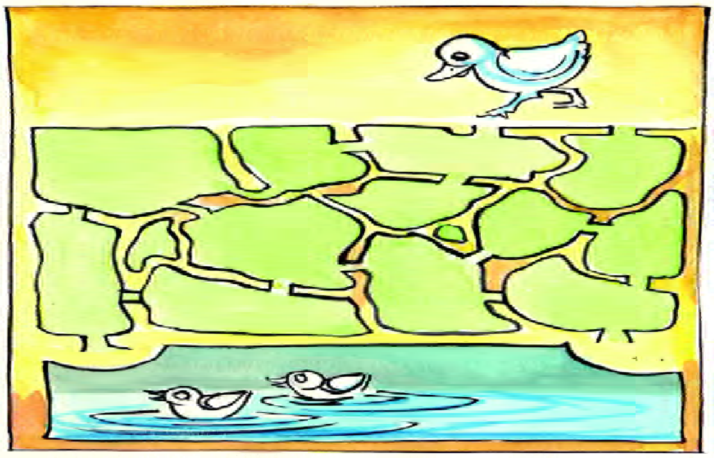

4 ' ृ ' की मात्रा –

वृ क्ष

वृक्ष

2RJQH9

गृ ह

गृह

मृ ग

मृग

कृषक

कृ ष क

5. पढ़ो –

1. कृषक फसल उगाता है।
2. बाग में वृक्ष लगे हैं।
3. वन में मृग चर रहे हैं।
4. रमा गृह में रहती है।
5. दूध अमृत के समान है।
6. मेरे पिता जी बड़े कृपालु हैं।

6. रास्ता खोजो –

चूजों को
उनकी माँ
तक पहुँचाओ –

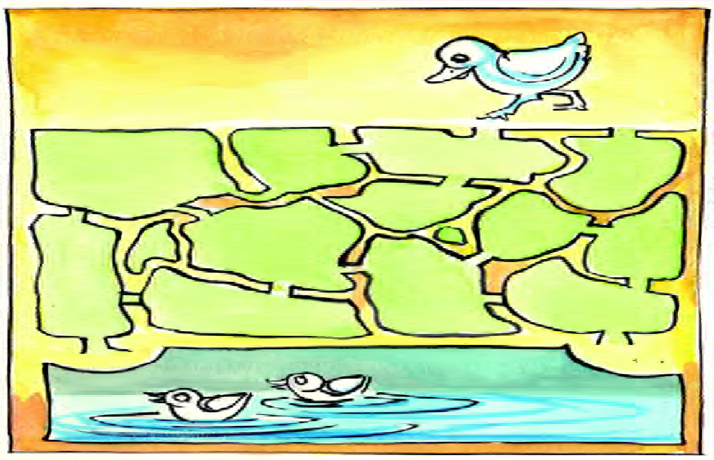

सर्व शिक्षा अभियान
पाठशाला

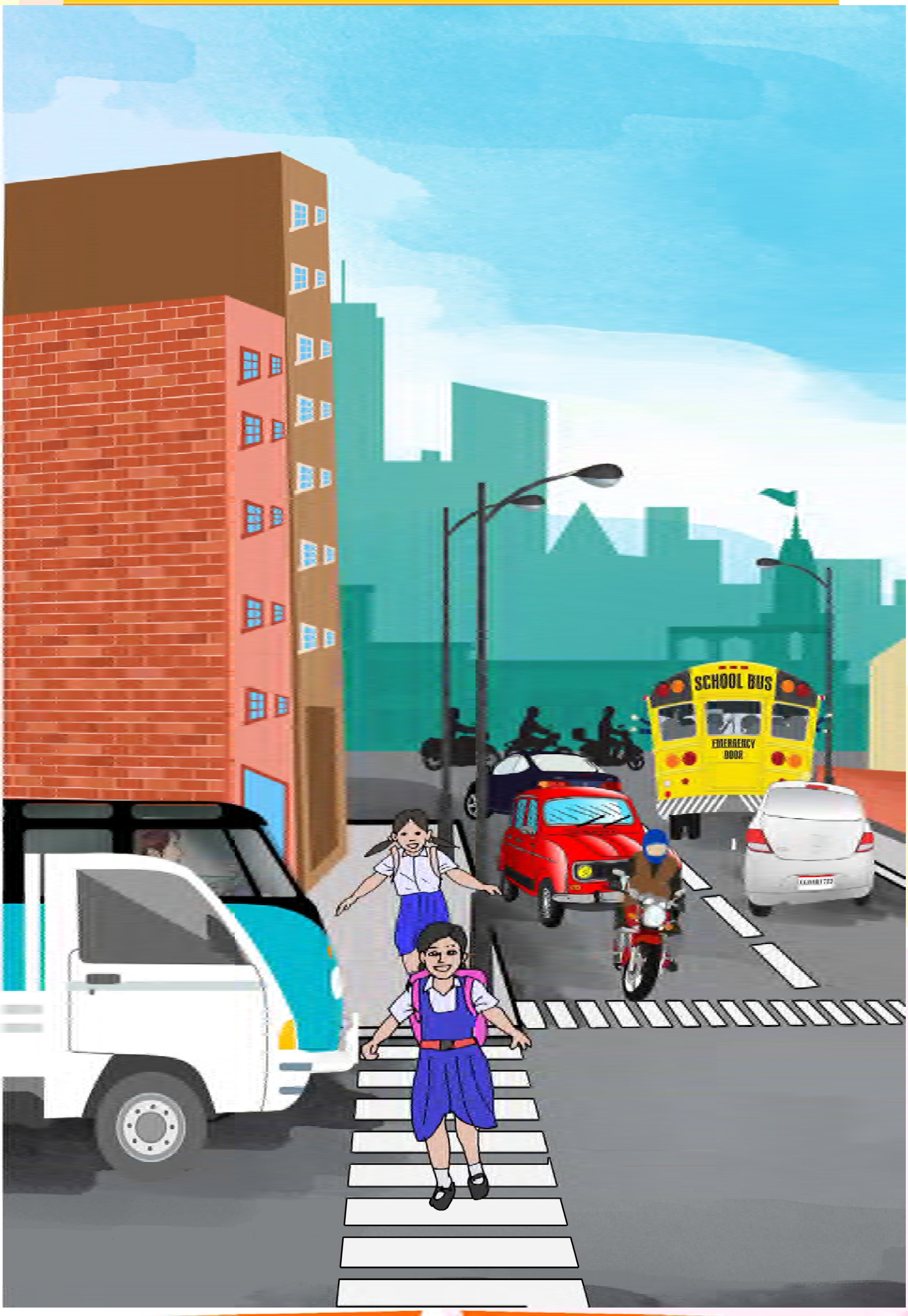
SCHOOL BUS
EMERGENCY
DOOR

वर्णमाला

स्वर

अ	आ	इ	ई	उ	ऊ	ऋ
ए	ऐ	ओ	औ	अं	अः	

व्यंजन

क	ख	ग	घ	ङ
च	छ	ज	झ	ञ
ट	ठ	ड	ढ	ण
त	थ	द	ध	न
प	फ	ब	भ	म
य	र	ल	व	
श	ष	स	ह	
	क्ष	त्र	ज्ञ	
	ड़	ढ़	श्र	

वर्णमाला

स्वर

अ	आ	इ	ई	उ	ऊ	ऋ
ए	ऐ	ओ	औ	अं	अः	

व्यंजन

क	ख	ग	घ	ङ
च	छ	ज	झ	ञ
ट	ठ	ड	ढ	ण
त	थ	द	ध	न
प	फ	ब	भ	म
य	र	ल	व	
श	ष	स	ह	
	क्ष	त्र	ज्ञ	
	ड़	ढ़	श्र	

मात्राएँ

आ की मात्रा (ा)	–	नाम,	चाचा,	चना
इ की मात्रा (ि)	–	हिरण,	टिफिन,	कवि
ई की मात्रा (ी)	–	चील,	कमीज,	मटकी
उ की मात्रा (ु)	–	सुबह,	धनुष,	मधु
ऊ की मात्रा (ू)	–	फूल,	बबूल,	डमरू
ए की मात्रा (े)	–	रेल,	रमेश,	केले
ऐ की मात्रा (ै)	–	पैर,	खपरैल,	बैल
ओ की मात्रा (ो)	–	ढोल,	खरगोश,चलो	
औ की मात्रा (ौ)	–	चौखट,	तौल,	कौन
अं की मात्रा (ं)	–	शंख,	पतंग,	बसंत
अः की मात्रा (ाः)	–	प्रातः,	अतः,	पुनः
ऋ की मात्रा (ृ)	–	गृह,	मृग,	कृषक

मात्राएँ

आ की मात्रा (ा)	–	नाम,	चाचा,	चना
इ की मात्रा (ि)	–	हिरण,	टिफिन,	कवि
ई की मात्रा (ी)	–	चील,	कमीज,	मटकी
उ की मात्रा (ु)	–	सुबह,	धनुष,	मधु
ऊ की मात्रा (ू)	–	फूल,	बबूल,	डमरू
ए की मात्रा (े)	–	रेल,	रमेश,	केले
ऐ की मात्रा (ै)	–	पैर,	खपरैल,	बैल
ओ की मात्रा (ो)	–	ढोल,	खरगोश,	चलो
औ की मात्रा (ौ)	–	चौखट,	तौल,	कौन
अं की मात्रा (ं)	–	शंख,	पतंग,	बसंत
अः की मात्रा (ाः)	–	प्रातः,	अतः,	पुनः
ऋ की मात्रा (ृ)	–	गृह,	मृग,	कृषक

योग्यता विस्तार

'ं' के उपयोग –

नर्स

न र् स

सर्प

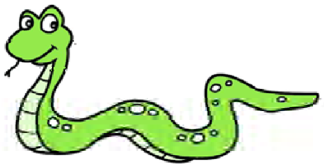

स र् प

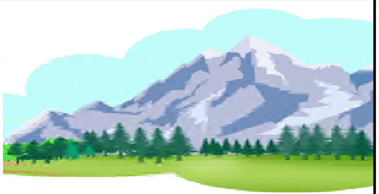

पर्वत

प र् व त

दर्पण

द र् प ण

समझव –

इहाँ र् (हल् के चिन्हा के साथ) के माने आधा 'र' हवे।

पढ़व –

कर्म	मुर्गा	बर्फ	पूर्ण	कर्ण
चूर्ण	कर्म	वर्षा	कवर्धा	बर्तन
दुर्ग	चर्म	नर्म	गर्म	तर्क

वाक्य मन मा परयोग –

1. मेरा तकिया गर्म है।
2. अपना कार्य पूर्ण करो।
3. मिर्च तीखी है।
4. मार्ग साफ रखो।

टीप – पढ़ते समय छायांकित डिब्बे न र के वर्णों का उच्चारण एक साथ करना है।

योग्यता विस्तार

'-र्' का उपयोग –

नर्स

न	र्	स

सर्प
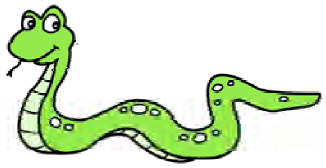

स	र्	प

पर्वत

प	र्	व	त

दर्पण

द	र्	प	ण

समझो –

यहाँ र् (हल् चिह्न के साथ) का अर्थ आधा 'र' है।

पढ़ो –

कर्म	मुर्गा	बर्फ	पूर्ण	कर्ण
चूर्ण	कर्म	वर्षा	कवर्धा	बर्तन
दुर्ग	चर्म	नर्म	गर्म	तर्क

वाक्यों में प्रयोग –

1. मेरा तकिया गर्म है।
2. अपना कार्य पूर्ण करो।
3. मिर्च तीखी है।
4. मार्ग साफ रखो।

टीप – पढ़ते समय छायांकित डिब्बे | न | र | के वर्णों का उच्चारण एक साथ करना है।

‘ ् व ‸ ’ के उपयोग –

चक्र

| च | क्र |

ट्रक

| ट्र | क |

ब्रश

| ब्र | श |

ड्रम

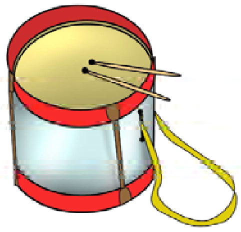

| ड्र | म |

फ्राक

| फ्रा | क |

ट्रेन

| ट्रे | न |

पढ़व –

भ्रम	क्रम	उम्र	प्रेम	श्रेय
ब्रेड	वज्र	प्राण	ताम्र	ग्राम

पढ़व

1. ट्रक खड़ा है।
2. मैं ब्रश करता हूँ।
3. तुम्हारी उम्र कितनी है।
4. यह फ्राक सुंदर है।

‘ ्र व ्र ’ का उपयोग –

चक्र

च	क्र

ट्रक

ट्र	क

ब्रश

ब्र	श

ड्रम

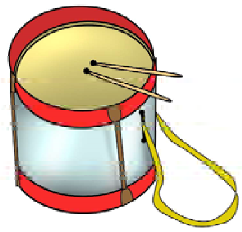

ड्र	म

फ्राक

फ्रा	क

ट्रेन

ट्रे	न

पढ़ो –

भ्रम	क्रम	उम्र	प्रेम	श्रेय
ब्रेड	वज्र	प्राण	ताम्र	ग्राम

पढ़ो –

1. ट्रक खड़ा है।
2. मैं ब्रश करता हूँ।
3. तुम्हारी उम्र कितनी है।
4. यह फ्राक सुंदर है।

समझव –

वर्ण के खाल्हे हल् चिन्हा (्) लगे से वर्ण हा आधा अक्षर वाले बन जाथे।

ट्र – ट् र

क्र – क् र

ब्र – ब् र

फ्रा – फ् रा

ट्रे – ट् रे

ड्र – ड् र

संयुक्ताक्षर	द्वित्व
रिक्शा रि क् शा	कुत्ता कु त् ता
मक्खी म क् खी	बिल्ली बि ल् ली
डॉक्टर डॉ क् ट र	गुब्बारा गु ब् बा रा

टीप – पढ़ते समय छायांकित डिब्बे रि क् के वर्णों का उच्चारण एक साथ करना है।

समझो –

वर्ण के नीचे हल् चिह्न (्) लगने पर वर्ण अर्धाक्षर बन जाता है।

ट्र –	ट्	र	क्र –	क्	र
ब्र –	ब्	र	फ्रा –	फ्	रा
ट्रे –	ट्	रे	ड्र –	ड्	र

संयुक्ताक्षर	द्वित्व
रिक्शा रि क् शा	कुत्ता कु त् ता
मक्खी म क् खी	बिल्ली बि ल् ली
डॉक्टर डॉ क् ट र	गुब्बारा गु ब् बा रा

टीप – पढ़ते समय छायांकित डिब्बे रि क् के वर्णों का उच्चारण एक साथ करना है।

सड़क

सड़क की परिभाषा – एक स्थान से दूसरे स्थान तक यात्रा करने, सामान ढुलाई हेतु जहाँ से वाहनों का आवागमन निरंतर, सुविधा पूर्वक तथा निर्बाध होता हो उसे सड़क कहते हैं।

सड़कें दो प्रकार की होती हैं :–

1. **कच्ची सड़क** – कच्ची सड़क मिट्टी/मुरम की होती हैं जो बरसात में चलने लायक नहीं रहती है। यह ग्रामीण क्षेत्रों में पायी जाती हैं।
2. **पक्की सड़क** – पत्थर एवं डामर के मिश्रण से बनी होती है जो काफी मजबूत होती है हर मौसम में चालू रहती हैं। ये सड़क शहरी क्षेत्रों में पायी जाती है।

कच्ची सड़क

पक्का सड़क

उत्तर दो

सही शब्द चुनिए –

प्रश्न 1. सड़कें कितने प्रकार की होती हैं ? .... (एक/दो/तीन/चार)

प्रश्न 2. कच्ची सड़क किससे बनती है ? .... (मुरम से/डामर से)

प्रश्न 3. पक्की सड़क किससे बनती है ? .... (मुरम से/डामर से)

प्रश्न 4. बारिश के मौसम में कौन सा सड़क चालू रहता है ? ....(कच्ची सड़क/पक्की सड़क)

प्रश्न 5. कच्ची सड़कें कहाँ होती हैं? .... (ग्रामीण क्षेत्रों में/शहरी क्षेत्रों में)